प्रयागराज, रविवार 08 मार्च 2026 से शनिवार 14 मार्च 2026 तक

वर्ष-14 अंक-10
पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

खुद को इंडियन ओसियन का गॉर्डियन कहने वाले भारत ने आईरिस देना को डुबने से क्यों नहीं बचाया?

वाशिंगटन (एजेंसी)। 4 मार्च को सुबह खबर आई कि अमेरिका की सबमरीन के द्वारा ईरानी वॉरशिप आईआरआईएस डेना को भारत की जमीनी सीमा कन्याकुमारी से कम से कम 380 किमी दूर समुद्र में अमेरिका के द्वारा डुबो दिया गया है। यह ईरानी वॉरशिप भारत में हुए मिलन 2026 नामक एक अभ्यास कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आई थी और इस दौरान वो वापस ईरान जा रही थी। इसी दौरान अमेरिका के द्वारा इस पर हमला किया गया। श्रीलंका के नेवल कोस्ट से केवल 70 कि.मी. दूर समुद्र में यह घटना हुई। इसलिए श्रीलंका की नेवी ने रेस्क्यू कार्यक्रम चलाकर ईरानी नेवी के कुछ लोगों को बचा लिया है। लेकिन इस घटना के बाद भारत के इंटरनेट स्पेस में एक अभियान चलाया गया। इस घटना में भारत को एक ही वक्त पर विलेन और कमजोर दोनों दिखाने की कोशिश की। यहां बताने की कोशिश की कि इंडियन ओशियन में एक ऐसी घटना घटित हो गई जिससे भारत के सामर्थ्य को इंडियन की इंडिया की नेवल पावर को अमेरिका ललकार रहा है। कहा गया कि भारत ने अमेरिका को इजाजत दे दी अपने जल क्षेत्र में एक ईरानी वॉरशिप पर हमला करने की। ये वॉरशिप भारत की मेहमान थी और वापस जाते हुए अपने मुल्क जाते हुए इसके ऊपर हमला हुआ है तो भारत की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि इसे बचाना चाहिए। इस तरह के तमाम तर्क इंटरनेट पर चलाए जा रहे हैं। लेकिन इसकी वास्तविकता क्या है? क्या वाकई इंडियन ओशियन में होने वाली हर घटना के लिए भारत जिम्मेदार है? क्या ईरान की वॉरशिप की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारत की थी? क्या ईरान के ऊपर हुए हमले को भारत अपने ऊपर हुआ हमला मान करके अमेरिका के साथ युद्ध में जा सकता है या उसे जाना भी चाहिए?

सबसे पहली बात द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक तरह से पहली बार अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक देश की वॉरशिप को एक दूसरे देश की सबमरीन के द्वारा हमला करके खत्म कर दिया गया है। ये वॉरशिप ईरान की थी और ईरान इस समय अमेरिका और इजराइल के साथ आधिकारिक तौर पर युद्ध में है। यह हम सबको पता है। ईरान पूरे मिडिल ईस्ट में अमेरिका के हर मिलिट्री बेस को टारगेट कर रहा है। जवाब में अमेरिका ईरान और उसके मित्र राष्ट्रों के ऊपर हमले कर रहा है। इस युद्ध की शुरुआत इजराइल और अमेरिका के द्वारा ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामने को मारने से हुई।

अमेरिका ने पनडुब्बी अटैक श्रीलंका के एक्सक्लूसिव इकॉनमिक जोन में किया। किसी देश के तट से 12 मील दूर तक उसका टेरिटोरियल वॉटर होता है। इससे

ज्यादा और 200 मील तक उस देश का ईईजेड होता है। किसी देश के टेरिटोरियल वॉटर में विदेशी वॉरशिप बिना हरकत किए (इनोसेंट पैसेज) गुजर सकता है। उस रीजन में कोई और देश जंग नहीं लड़ सकता। हालांकि, ईईजेड में सिर्फ वही देश फिशिंग या मिनरल निकालने जैसी आर्थिक गतिविधि कर सकता है। लेकिन यह इंटरनैशनल वॉटर है, इसलिए इसमें किसी भी देश का वॉरशिप आ-जा सकता है। यह अटैक श्रीलंकाई नेवी की पोस्ट से 40 मील दूर हुआ है। इसलिए यह श्रीलंका का टेरिटोरियल वॉटर नहीं है।

इस बात को समझना होगा कि इंडियन ओशियन में हुई यह घटना भारत को ईरान की वॉरशिप बचाने के लिए मजबूर नहीं करती है। सबसे पहले यह समझना होगा कि इंडियन ओशियन का मतलब क्या होता है। आज की समुद्री सीमा और नियमावली बनने से पहले इस समुद्र को जो पूरा एरिया है उसको इंडियन सी या मारे इंडिकम जाना कहा जाता था। उस समय पूरे यूरोप के लिए एशिया का सबसे प्रमुख और ज्ञात क्षेत्र भारत था।

संक्षिप्त समाचार

प्रयागराज से दिल्ली के बीच चलेंगी ये 5 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली। प्रयागराज से दिल्ली के बीच यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पांच विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। 5 मार्च से शुरू हुई इन ट्रेनों से वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को राहत मिलेगी और सफर आसान होगा। प्रयागराज से दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। ट्रेनों में लगातार बढ़ती भीड़ और कन्फर्म टिकट न मिलने की समस्या को देखते हुए रेलवे ने इस रूट पर पांच स्पेशल ट्रेनों के संचालन का फैसला किया है। रेलवे के अनुसार, इन ट्रेनों को अलग-अलग दिनों में चलाया जाएगा और इनमें विभिन्न श्रेणियों के कोच लगाए गए हैं, ताकि हर वर्ग के यात्री अपनी सुविधा के अनुसार सफर कर सकें।

ईरान संकट के बीच अमेरिकी सेक्रेटरी के बयान पर भड़के केजरीवाल

नई दिल्ली। केजरीवाल ने रूस से तेल खरीद पर अमेरिका की 30 दिन की छूट को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत जैसे संप्रभु देश को अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए अमेरिका से अनुमति लेनी पड़ेगी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत जैसे संप्रभु देश को अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए अमेरिका से अनुमति लेने की स्थिति में पहुंचा दिया गया है? केजरीवाल ने कहा कि तेल खरीदने की अनुमति देने वाला अमेरिका कौन होता है? भारत को अमेरिका से इजाजत की जरूरत क्यों पड़ रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार हर कदम पर अमेरिकी दबाव के सामने झुक रही है और देश की विदेश नीति कमजोर हो रही है।

मध्य प्रदेश की जेलों में कैदियों की मौत?

भोपाल। पिछले 6 साल में मध्य प्रदेश की जेलों में 45. 31 फ़ीसदी कैदियों ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। यह जानकारी विधानसभा में सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है। पुरुष कैदियों ने फांसी लगाने के लिए जूते की लेस से लेकर चादर और कपड़ों का उपयोग किया है। वहीं महिला कैदियों ने फांसी लगाने के लिए साड़ी और शौचालय का सबसे ज्यादा उपयोग किया है।

जेल में बंद कैदी न्यायिक हिरासत में होते हैं। जेल के अंदर इतने बड़े पैमाने पर कैदियों की आत्महत्या न्यायिक व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। मध्य प्रदेश की जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या जेल की कुल केदी क्षमता से लगभग 36 फ़ीसदी ज़्यादा है।

खुर्रमशहर का वक्त आ गया...अचानक वायरल हुआ खामेनेई का नया खतरनाक एक्स पोस्ट, पूरी दुनिया में मचा हड़कंप!

कीव। अयातुल्ला अली खामेनेई के एक्स हैंडल से एक पोस्ट हुआ है। खुर्रम शहर का वक्त आ गया। ये मिसाइल ईरानियों की पहचान ये दुश्मन को खत्म करने के लिए ये ईरानियों के युवाओं ने तैयार की है। वो भी खामेनेई के एक हैंडल से और पोस्ट करके इसने जो कैप्शन में लिखा है वो ये कि ये मिसाइल ईरानियों की पहचान है। ये ईरान के दुश्मनों को खत्म करने के लिए है और इसे ईरानियों ने बनाया है। यहां के यूथ ने तैयार किया।

खोर्रमशहर-4 को खैबर मिसाइल भी कहते हैं। यह मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है जो सड़क पर चलने वाली लॉन्चर से दागी जाती है। इसकी लंबाई 13 से 13.5 मीटर, व्यास 1.5 से 1.8 मीटर और वजन 15000 से 20000 किलो है। इसमें 1800 किलो तक पेलोड ले जाने की क्षमता है। मिसाइल में 1 टन से ज्यादा हाई एक्सप्लोसिव वारहेड लगाया जा सकता

है। यह लिक्विड फ्यूल से चलती है और 2000 से 3000 किलोमीटर तक मार कर सकती है। ईरान का दावा है कि यह 2000 किलोमीटर दूर भी 30 मीटर के दायरे में सटीक निशाना लगाती है। खामेनेई की मौत के बाद लेबनान से सक्रिय हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल की ओर रॉकेट दागे। इसके जवाब में इजराइल ने दक्षिणी लेबनान, बेरूत और पूर्वी बेका घाटी में संगठन के ठिकानों पर नए हवाई हमले किए। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही हिजबुल्ला अब पहले जितना शक्तिशाली नहीं रहा, फिर भी उसके कदम लेबनान को गंभीर संकट में डाल सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, हिजबुल्ला फिलहाल अमेरिका और इजराइल के खिलाफ ईरान के युद्ध में प्रभावी सैन्य सहयोगी बनने की स्थिति में नहीं है, लेकिन उसकी गतिविधियां लेबनान को अस्थिर कर सकती हैं।

इसके साथ ही यह आशंका भी जताई जा रही है कि हिजबुल्ला की प्रतिक्रिया को बहाना बनाकर इजराइल या सीरिया लेबनान में जमीनी अभियान शुरू कर सकते हैं। हिजबुल्ला की स्थापना 1985 में 1979 की ईरानी क्रांति से प्रेरित होकर की गई थी। लेबनान में हमास कमांडर के भी मारे जाने की खबर है। हमास कमांडर अताउल्लाह अली ढेर हुआ है। इजराइल की लेवी ने ढेर कर दिया इसको। हमास कमांडर ट्रिपोली इलाके में मार गिराया गया। ट्रिपोली इलाके में इसको मारा गया। बड़ी जानकारी सामने आ रही है लेबन। ईरान से रंग के बीच इजराइल ने लेबनान के खिलाफ भी हमला बोल दिया है। जहां इजराइली नेवी ने त्रिपोली इलाके में हमला करके हमास कमांडर वसीम अतालाह अली को मार गिराया जो लेबनान में हमास ऑपरेटिव्स को ट्रेनिंग देता था। बताया जा रहा है कि हमले के वक्त अतालाह अपने परिवार के साथ घर पर मौजूद था।

शांति के लिए प्रतिबद्ध लेकिन...ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियान ने एक्स पर पोस्ट कर क्या कहा?

बीजिंग। ईरान और अमेरिका-इजराइल गठबंधन के बीच संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है, मध्य पूर्व में लगातार सातवें दिन भी प्रत्यक्ष सैन्य टकराव जारी है और तनाव कम होने के कोई तत्काल संकेत नहीं दिख रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, पिछले छह दिनों में ईरान में इस युद्ध में मरने वालों की संख्या 1,200 से अधिक हो गई है, लेबनान में 70 से अधिक और इजराइल में लगभग एक दर्जन लोग मारे गए हैं। युद्ध हर दिन बढ़ता जा रहा है, जिससे मध्य पूर्व और उससे बाहर के 14 और देश प्रभावित हो रहे हैं। ईरान द्वारा कुवैत पर किए गए जवाबी हमलों के बाद अमेरिकी दूतावास बंद हो गया है, और ईरान में युद्ध बढ़ने के साथ ही पूरी तरह से काम बंद करने वाला यह दूसरा अमेरिकी राजनयिक मिशन बन गया है। कुवैत वह स्थान भी है जहां रविवार को एक ईरानी ड्रोन हमले में छह अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कुछ देशों ने मध्यस्थता के प्रयास शुरू कर दिए हैं। यह स्पष्ट होना चाहिएः हम इस क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं, फिर भी हमें अपने राष्ट्र की गरिमा और संप्रभुता की रक्षा करने में कोई संकोच नहीं है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के अगले सर्वोच्च नेता के चुनाव में उनकी भूमिका होनी चाहिए, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या वाशिंगटन और इजराइल सत्ता परिवर्तन चाहते हैं या नीतिगत रियायतें, क्योंकि संघर्ष अनिश्चित काल तक चलता प्रतीत हो रहा है। गौरतलब है कि तेहरान ने मध्य पूर्व के सैन्य और आर्थिक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने की चेतावनी दी है, और इस युद्ध ने वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है, तेल की कीमतों में और वृद्धि के कारण डॉव जोन्स इंडेक्स 1,000 अंक गिर गया है।

नीतीश कब तक देंगे इस्तीफा, नए मुख्यमंत्री का कब होगा शपथ? सूत्रों ने दी बड़ी जानकारी

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य नेतृत्व छोड़कर राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं। लगभग दो दशकों तक बिहार की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखने वाले इस दिग्गज नेता के राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने की उम्मीद है, जिससे इस बात को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं कि राज्य सरकार की अगली बागडोर कौन संभालेगा। वहीं, सवाल यह भी है कि नया सीएम कब तक मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने के फैसले के बाद बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की आशंका है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, उनके स्थान पर अगले मुख्यमंत्री के पद पर तत्काल कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जनता दल (यूनाइटेड) के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री का पद 10 अप्रैल के बाद ही खाली होगा और अगले महीने से पहले उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा

होने की संभावना नहीं है। कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने की संभावना उसी तारीख के बाद है, जिससे राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा।

सूत्रों ने यह भी संकेत दिया है कि संसद में जाने के बाद भी कुमार पटना को अपना राजनीतिक आधार बनाए रखेंगे और केवल संसद सत्रों के दौरान ही नई दिल्ली की यात्रा करेंगे। फिलहाल, गठबंधन में कुमार के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने को लेकर कोई चर्चा नहीं चल रही है। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, कुमार के बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर चिंताओं के चलते उन्हें राज्यसभा भेजने का निर्णय कुछ समय से विचाराधीन था। इन चिंताओं के बावजूद, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शुरू में कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखने का फैसला किया था क्योंकि हालिया चुनाव अभियान उनके नाम पर लड़ा गया था और जनादेश उनके नेतृत्व से जुड़े शासन मॉडल के वादे पर हासिल किया गया था। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया है, जिसके चलते नेतृत्व में बदलाव को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

भोपाल में 100 करोड़ का आईसीयू प्रोजेक्ट लटका

भोपाल। राजधानी भोपाल में स्थित एम्स में गंभीर मरीजों को जल्द और गुणवत्तायुक्त इलाज देने के लिए करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से क्रिटिकल केयर यूनिट बनाई जा रही है। लेकिन डेडलाइन पूरी होने के बाद भी अब तक निर्माण पूरा नहीं हो सका है। अधिकारियों का कहना है कि, फरवरी 2025 तक तैयार होने वाला यह हाई-टेक आईसीयू भवन अपनी तय समयसीमा से करीब 11 महीने पीछे चल रहा है। फंड की कमी और निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार के कारण अब तक केवल 80 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है। ऐसे में हर दिन एम्स पहुंचने वाले गंभीर मरीजों और उनके परिजनों को इस सुविधा के शुरू होने का इंतजार करना पड़ रहा है।

कर्नाटक में सोशल मीडिया पर लगेगा प्रतिबंध सिद्धारमैया सरकार का बच्चों के लिए बड़ा फैसला

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने हालिया बजट प्रस्तुति के दौरान 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर राज्यव्यापी प्रतिबंध की घोषणा की, जिसका उद्देश्य युवाओं में मोबाइल फोन की बढ़ती लत को रोकना है। इस नीति का लक्ष्य युवा दिमागों को व्यसनकारी एल्गोरिदम, साइबरबुलिंग, मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों और हानिकारक सामग्री के संपर्क से बचाना है, जिसे विशेषज्ञ किशोरों में चिंता, अवसाद और नींद में गड़बड़ी से जोड़ते हैं।

सिद्धारमैया ने कहा कि घ्घ्ण के अंतर्गत घ और टेक पार्क, सहयोग से बैंगलोर रोबोटिक्स और इनोवेशन ज़ोन नामक एक रोबोटिक्स और कैंपस स्थापित करेगा। मोबाइल के बढ़ते उपयोग के प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के लिए 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। यह प्रतिबंध

बच्चों पर मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग के नकारात्मक प्रभाव को रोकने के उद्देश्य से लगाया गया है। अपना 17वां बजट पेश करते हुए सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि संविधान में निर्धारित संघीय शासन प्रणाली का पालन न करके वह राज्य के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक ऐसी विकास रणनीति अपना रही है जो कल्याणकारी कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचे में निवेश तथा दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन के बीच संतुलन बनाए रखती है। उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य की मांगों के प्रति अधिक संवेदनशील होने का आग्रह किया। सिद्धारमैया ने कहा कि कर्नाटक राष्ट्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और देश को कर राजस्व प्रदान करने वाले प्रमुख राज्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य राष्ट्र के विकास के सभी क्षेत्रों में अग्रणी है; यह उन प्रमुख राज्यों में से एक है जो सबसे अधिक कर राजस्व प्रदान करते हैं।

इधर ईरान के गम में भारत हुआ शरीक उधर होमुर्ज पर आ गई गुड न्यूज

बीजिंग। ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबज़ादेह ने इस बात पर ज़ोर देते हुए कि तेहरान फारस की खाड़ी में एक जिम्मेदार शक्ति बना हुआ है, उन दावों को खारिज कर दिया है कि ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। रायसीना संवाद 2026 में बोलते हुए, खतीबज़ादेह ने इस बात पर बल दिया कि इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बढ़ते युद्ध के बावजूद ईरान एक स्थिरकारी शक्ति के रूप में कार्य करना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थिरता का स्तंभ है। अगर हम होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करते हैं तो हम इसकी घोषणा करेंगे। हमने इसे बंद नहीं किया है। हम एक जिम्मेदार शक्ति हैं। नीति निर्माताओं और राजनयिकों को संबोधित करते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि जलमार्ग को अवरुद्ध करने का तत्काल कोई इरादा

नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हमने अभी तक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं किया है। अगली सूचना तक हमारा ऐसा करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति और सक्रिय भूमिका के कारण ईरान को समुद्री स्थिरता का एक प्रमुख गारंटर बताया। मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून और नौवहन की स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्ध है, और तर्क दिया कि समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने वाला अमेरिका ही है। इन समुद्री चिंताओं के संदर्भ में, खतीबज़ादेह ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कड़ी आलोचना करते हुए ईरान के राजनीतिक भविष्य पर वाशिंगटन के रुख पर सवाल उठाए। उन्होंने टिप्पणी की कि अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए ईरान के नेतृत्व को आकार देने की बात करना विडंबनापूर्ण है, जबकि वे अपने देश में स्थानीय राजनीतिक नियुक्तियों को नियंत्रित नहीं कर सकते। उन्होंने कहाकि राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान में नेतृत्व परिवर्तन की मांग कर रहे हैं, जबकि वे न्यूयॉर्क के मेयर की नियुक्ति तक नहीं कर सकते।

पसीने छुड़ाएगी मार्च की धूप

नई दिल्ली। दिल्ली- एनसीआर समेत उत्तर भारत में गर्मी का कहर शुरू हो गया है।दिल्ली में 40 किमी/घंटा की शुष्क हवाओं और 36 डिग्री तापमान के साथ धूल भरी धूप परेशान कर रही है। राजस्थान-यूपी में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के करीब है, जबकि 10-11 मार्च को बिहार में बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी का अनुमान है। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में मार्च महीने की शुरुआत के साथ ही गर्मी ने भी अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों (एनसीआर) में बसंत की विदाई के साथ ही भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी है। आलम ये है कि दोपहर होते-होते सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है और लोग धूप से बचने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं।

बंपर जीत की ओर बालेन शाह, नेपाल में अबकी बार जेन-जेड सरकार

काठमांडू। नेपाल में 2026 के प्रतिनिधि सभा चुनावों के लिए मतगणना 5 मार्च को शाम 5 बजे मतदान समाप्त होने के बाद शुरू हुई। यह पिछले साल केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को सत्ता से हटाने वाले हिंसक जनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों के बाद देश के पहले आम चुनावों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। प्रारंभिक परिणामों से पता चलता है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) 70 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जबकि पारंपरिक रूप से मजबूत दल नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल केवल छह-छह सीटों के साथ पिछड़ रहे हैं। यह नेपाल के अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य में एक संभावित बड़े बदलाव का संकेत है। चुनाव आयोग को शुक्रवार रात (6 मार्च) तक पूरी मतगणना पूरी होने की उम्मीद है। पिछले साल की अशांति के बाद संस्थानों में जनता का विश्वास कम होने के बाद पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्रों पर

मतगणना जारी है और कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मतदान प्रतिशत प्रभावशाली 60 प्रतिशत तक पहुंच गया, जिसमें युवाओं की अभूतपूर्व भागीदारी का अहम योगदान रहा। अधिकारियों का मानना ??है कि सुचारू रूप से चलने वाले प्रारंभिक चरण का श्रेय उन्नत मतदाता शिक्षा अभियानों, अंतर-दलीय सहयोग और कड़ी सुरक्षा तैनाती को जाता है, जिसने विरोध प्रदर्शनों से उत्पन्न तनाव के बावजूद व्यवधानों को रोका।

नेपाली कांग्रेस के उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश शर्मा ने कहा है कि उनकी पार्टी ने आम चुनाव में हार स्वीकार कर ली है। नवीनतम जानकारी के अनुसार, पार्टी 11 सीटों पर आगे चल रही है और उसने एक सीट जीती है।

जेनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों के बाद हिमालयी देश नेपाल में हो रहे चुनावों पर भारत की पैनी नजर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को दिल्ली में कहा कि हम नेपाल की नई सरकार के साथ मिलकर दोनों देशों और वहां की जनता के बीच मजबूत बहुआयामी संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए तत्पर हैं, ताकि पारस्परिक लाभ हो सके। चुनाव आयोग के अनुसार, जिन 94 निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना चल रही थी, उनमें से 70 में आरएसपी आगे चल रही है, जबकि नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी प्रत्येक छह निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही हैं।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) का 'नेपाल फर्स्ट' घोषणापत्र, जिसे कानूनी रूप से बाध्यकारी 'बचा पत्र' या नागरिक अनुबंध के रूप में प्रस्तुत किया गया है, नेपाल को आक्रामक 30 अरब डॉलर के आईटी निर्यात लक्ष्यों, जलविद्युत कूटनीति और 1990 से सार्वजनिक संपत्तियों की जांच के माध्यम से मध्यम आय वाले देश के रूप में स्थापित करने की परिकल्पना करता है, और इस प्रक्रिया में वंशवादी राजनीतिक गुटों को ध्वस्त करने का प्रयास करता है।

खाड़ी देशों में फंसे 12 हजार भारतीयों ने मोदी सरकार से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में भड़की अमेरिका-इजराइल-ईरान जंग के सातवें दिन हालात और भयावह हो गए हैं। लगातार हो रहे हमलों और बंद होते हवाई रास्तों के बीच खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों की बेचैनी तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्टों के अनुसार करीब 12 हजार भारतीय नागरिकों ने अपने वतन लौटने के लिए भारत सरकार से मदद मांगी है और क्षेत्र में स्थित भारतीय दूतावासों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। हम आपको बता दें कि सबसे ज्यादा संकट संयुक्त अरब अमीरात में दिखाई दे रहा है। ईरान की तरफ से लगातार हो रहे हमलों के कारण वहां का हवाई क्षेत्र लगभग बंद है और सामान्य उड़ान सेवाएं पूरी तरह ठप पड़ी हैं। इस कारण हजारों भारतीय यात्री वहां फंस गए हैं और उनके सामने घर वापसी का रास्ता लगभग बंद हो गया है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार, इन फंसे हुए भारतीयों में बड़ी संख्या उन लोगों की है जो थोड़े समय के लिए घूमने या किसी काम से संयुक्त अरब अमीरात गए थे। इनमें ऐसे यात्री भी शामिल हैं जो किसी अन्य देश जाने के लिए वहां रुके हुए थे। इसके अलावा कई छात्र भी इस संकट में फंस गए हैं क्योंकि ईरानी हमलों के बाद कई शिक्षण संस्थानों को बंद करना पड़ा है या पढ़ाई को ऑनलाइन माध्यम से चलाया जा रहा है।

यह भी बताया जा रहा है कि युद्ध शुरू होने के केवल दो दिन बाद ही करीब 22 हजार भारतीय नागरिकों ने भारत सरकार से संपर्क कर देश लौटने की इच्छा जताई थी। यह संख्या अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि खाड़ी क्षेत्र में बसे भारतीयों के सामने किस प्रकार की असुरक्षा और भय का माहौल पैदा हो गया है। हालांकि पिछले तीन दिनों में कुछ अस्थायी और विशेष उड़ानों के जरिए करीब दस हजार भारतीयों को वापस लाया जा चुका है, लेकिन अभी भी हजारों लोग अलग अलग देशों में फंसे हुए हैं और उनके लिए सुरक्षित वापसी की व्यवस्था अभी तक पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। रिपोर्टों में बताया गया है कि दोहा से भी करीब 850 भारतीय नागरिकों ने घर लौटने की मांग की थी। वहां का हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद होने के कारण उन्हें एक कठिन रास्ता अपनाना पड़ा। इन लोगों ने जमीन के रास्ते सऊदी अरब की सीमा पार की और फिर रियाद हवाई अड्डे से भारत के लिए उड़ान पकड़ी। यह पूरी प्रक्रिया बेहद कठिन और समय लेने वाली साबित हुई। इसके अलावा दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे क्षेत्र के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर सामान्य उड़ान सेवाएं बंद रहने से हालात और उलझ गए हैं। कुछ उड़ानें संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह से संचालित की गई हैं, लेकिन उनकी संख्या बेहद सीमित है और उनसे सभी फंसे हुए यात्रियों को निकाल पाना लगभग असंभव नजर आ रहा है। देखा जाये तो भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता संयुक्त अरब अमीरात ही बना हुआ है। इसका कारण वहां रहने वाले भारतीयों की विशाल संख्या है और साथ ही यह देश ईरान के हमलों की सीधी जद में भी रहा है।

रेणुकूट में निषाद समाज के लोगों ने भव्य ढंग से मनाया होली मिलन समारोह

आधुनिक समाचार

सोनभद्र थाना पिपरी क्षेत्र के राधा कृष्ण मंदिर के बगल में राहुल कॉम्प्लेक्स आयोजित हुआ। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एक दूसरे को रंग और गुलाल से सराबोर किया कार्यक्रम में, रेणुकूट, पिपरी, और खाड़पाथर से चलकर आए सभी निषाद समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, और सभी ने एक दूसरे के साथ मिलकर होली मिलन का आनंद लिया। निषाद कल्याण सभा रेणुकूट सोनभद्र ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसका उद्देश्य समाज के लोगों को एकजुट करना और उनके बीच प्रेम और एकता को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम मे मुख्य तौर पर मुख्य अतिथि के रूप मे म्योरपुर ब्लॉक के ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गौड़ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में चोपन से चलकर आए रोहित बिन्द पूर्व जिलाध्यक्ष निषाद पार्टी और अनपरा से चलकर आए जगदीश साहनी पत्रकार,भोला निषाद होजरी सपा के नेता की गरिमामई उपस्थिति रही। जो रेणुकूट में निषाद कल्याण सभा के मंच पर आकर एक-एक कर अपनी बात रखते हुए अपने संबोधन से समाज के लोगों को एकजुट रहने का मूल मंत्र दिया और समझाया कि कैसे एक जुट होकर समाज और देश को एक नई ऊंचाई तक ले जा सकते हैं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे। अध्यक्ष राजकुमार साहनी ने कहा की अपने पिछड़े हुए समाज को आगे ले जाने में मै हर संभव प्रयास करता रहूँगा जिससे कि हमारा समाज जागृत हो सके। उपाध्यक्ष राजपति साहनी ने कहा कि हमारा समाज काफी पिछड़ा हुआ है और उन्हें जागने की आवश्यकता है जिसके लिए हम प्रयासरत हैं । कोषाध्यक्ष शिव नरेश ने अपने संबोधन में कहा की रेणुकूट में संगठन को संगठित हुए अभी चार महीने हुए हैं हम धीरे-धीरे काफी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, और जल्द ही हम रेनुकूट के सभी निषाद भाइयों को एक सूत्र में जोड़ने का काम पूरा कर लेंगे। इस कार्यक्रम में संगठन मंत्री की भूमिका निभा रहे हैं मंगल चौधरी, राजमनी चौधरी, सचिव रवि साहनी, महासचिव अजीत चौधरी, अनिल अनिल बिन्द, राजेश बम जी, टिंकू चौधरी, कैलाश निषाद,जवाहिर प्रसाद, दशरथ कश्यप, सूरज देव चौधरी, वीरेंद्र नाथ चौधरी, दीपक बिन्द,डॉक्टर सुरेंद्र साहनी, गजधर चौधरी, ग्राम प्रधान मकराअ,तमाम पदाधिकारी सहित सैकड़ो सदस्य उपस्थित रहे।

महिला दिवस के अवसर पर समूह कि दस महिलाए प्रतिभाग करेंगी

जनपद सोनभद्र में सोया मिल्क, पनीर उत्पादन का कार्य करने वाली समूह की महिलाओं को महिला दिवस 08 मार्च के शुभ अवसर पर महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा राज भवन में आमंत्रित किया गया है, जिसमें सोया मिल्क का काम करने वाली 10 महिलाओं प्रतिभा करने के लिए राजभवन लखनऊ जा रही है। आज दिनांक 07.03.2026 को मुख्य विकास अधिकारी महोदया श्रीमती जागृति अवस्थी जी के द्वारा हरी झंडी दिखा करके सभी महिलाओं को राजभवन के लिए रवाना किया गया। यह पहला मौका है जब जनपद सोनभद्र के समूह की महिलाओं के उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उन्हें राजभवन में आमंत्रित किया गया है जिससे न केवल महिलाओं के विकास के लिए नया मार्ग प्रशस्त हो रहा है बल्कि उन्हें आमदनी के साथ-साथ सम्मान भी प्राप्त हो रहा है।

जिलाधिकारी महोदय श्री बद्रीनाथ जी के मार्गदर्शन में यह महिलाएं राजभवन जा रही है, सभी महिलाओं को महोदय के द्वारा शुभकामना दी गई। महिलाओं को राजभवन जानेकी सारी व्यवस्था "श्र विभाग के द्वारा किया गया है।

कटनी में कोयले से लदी मालगाड़ी पटरी से उतरी,बिलासपुर रूट पर रेल यातायात बाधित

कटनी-बिलासपुर रेल खंड पर शनिवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया, जब कोयले से लदी एक मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। यह घटना कटनी के एनकेजे (नै ख़ुँह ल्लुमढह) क्षेत्र के अंतर्गत गायत्री नगर आउटर के पास हुई है। इस घटना के बाद से इस व्यस्त रेल मार्ग पर आवागमन पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है।

सुबह 11 बजे हुआ हादसा प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिलासपुर की ओर से आ रही कोयला लोड मालगाड़ी शनिवार सुबह लगभग 11 बजे कटनी पहुंचने वाली थी। इसी दौरान गायत्री नगर आउटर के पास ट्रेन के चार से अधिक डिब्बे पटरी से नीचे उतर गए। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

रेलवे प्रशासन में मचा हड़कंप हादसे की खबर मिलते ही रेल प्रशासन तुरंत अलर्ट मोड पर आ गया। मौके पर जीआरपी (ड्ढ), आरपीएफ (ड्ढ) के जवानों के साथ रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम पहुंच चुकी है। एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (ड्ढ) की मदद से बेपटरी हुए डिब्बों को वापस ट्रैक पर लाने और रेल लाइन को दुरुस्त करने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। यात्री ट्रेनें प्रभावित इस दुर्घटना के कारण कटनी-बिलासपुर मार्ग पर चलने वाली कई यात्री ट्रेनों के परिचालन पर असर पड़ा है। रूट बाधित होने की वजह से कुछ ट्रेनों को बीच के स्टेशनों पर रोका गया है, जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिकता ट्रैक को जल्द से जल्द खाली कर यातायात बहाल करने की है।

व्यापारी के साथ हुई मारपीट, चार पर केस दर्ज

प्रतापगढ़। व्यापारी के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के विद्याधर हुलासगढ़ निवासी बद्री प्रसाद मिश्र पुत्र सूर्यप्रसाद मिश्र ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उनका पुत्र जगदंबा प्रसाद मिश्र बीती चार मार्च को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अपने सीमेंटेड रूढा ब्रिक फील्ड कार्यालय पर बैठा था। आरोप है कि इसी बीच इटैला गांव के अवधेश सिंह अपने पुत्र अंकुर सिंह व राजा सिंह तथा अजय सिंह के साथ वहां पहुंचे और जगदंबा प्रसाद को मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने पीड़ित के वाहन के शीशे क्षतिग्रस्त कर दिये। मारपीट की यह घटना सीसी फुटेज में कैद है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में 'गृहलक्ष्मी स्वाभिमान अभियान' पर वैचारिक संगोष्ठी का सफल आयोजन

देव मणि शुक्ल

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल, नोएडा द्वारा सेक्टर 34 स्थित 'अपना घर आश्रम' में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल (अभातेममं) के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'गृहलक्ष्मी स्वाभिमान अभियान' रहा, जिसे एक विशेष उध शू और वैचारिक वार्ता के रूप में संपन्न किया गया।

सामाजिक उत्थान की दिशा में एक कदम पिछले 30 वर्षों से सामाजिक सेवा में निरंतर सक्रिय नोएडा तेरापंथ महिला मंडल ने इस आयोजन को एक नेक कार्य के साथ जोड़ते हुए सेवा और विमर्श का संगम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों (उध) के प्रतिनिधियों ने शिरकत की और महिला सशक्तिकरण की ज़मीनी हकीकत पर चर्चा की।

प्रमुख वक्ताओं के विचार संगोष्ठी में उपस्थित वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि महिला सशक्तिकरण की शुरुआत स्वयं महिला के भीतर से होनी चाहिए। मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहाः

ड स्वयं की पहचानः जब तक महिला स्वयं अपने सशक्तिकरण की ओर पहला कदम नहीं बढ़ाएगी, तब तक वह सरकारी नीतियों और संस्थाओं के प्रयासों का पूर्ण लाभ नहीं ले सकेगी।

ड समर्थन का आश्वासनः उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष श्री विकास जैन ने महिलाओं को हर कदम पर सहयोग देने और उनके स्वाभिमान की रक्षा के लिए तत्पर रहने का आश्वासन दिया।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति कार्यक्रम में अपना घर आश्रम के चेयरमैन श्री रतन जी उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन सचिव श्री निरंजन जी गुप्ता, संवेदना फाउंडेशन से श्वेता जी गुप्ता, सोच फाउंडेशन की ट्रस्टी वंदना जी गुप्ता, नवरतन फाउंडेशन के श्री अशोक जी श्रीवास्तव और नोएडा मंडल से कुसुम जी बैद सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार साझा किए।

मंडल का नेतृत्व इस सफल आयोजन में अभातेममं की सह-मंत्री अर्चना जी भंडारी, नोएडा महिला मंडल की अध्यक्षा प्रीति जी तातेड़, उपाध्यक्ष सुमन जी बोथरा, पूर्वाध्यक्ष कुसुम जी बैद, कार्यक्रम संयोजिका कुसुम जी जैन एवं प्रेम जी सेखानी सहित मंडल की अनेक सक्रिय सदस्याएं उपस्थित रहीं।

संस्था के बारे में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल (अभातेममं) तेरापंथ जैन समाज का एक अत्यंत सशक्त संगठन है। भारत और नेपाल में 500 से अधिक शाखाओं और 65,000 से अधिक सदस्यों के विशाल नेटवर्क के साथ यह संस्था पिछले पांच दशकों से संस्कार निर्माण, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में राष्ट्रव्यापी स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।

मासूम के अपहरण मामले में पीड़ित मां ने एसपी से लगायी गुहार

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के एक गांव में साढ़े चार वर्ष की मासूम के अपहरण को लेकर दर्ज हुए मुकदमे से नाराज पीड़ित मां ने शुक्रवार को एसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगायी है। एसपी ने न्याय का पूरा भरोसा पीड़िता को दिलाया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव की पीड़िता ने एसपी को दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि बीती तीन मार्च की शाम करीब साढ़े सात बजे गांव का ही आरोपी विकास वर्मा उर्फ जेलर पुत्र हरकेश वर्मा उसकी साढ़े चार वर्षीया पुत्री को बदनीयती से जबरन उठा ले गया। खोजबीन के दौरान पीड़ित मासूम को गांव की बाग में छोडकर भाग निकला। पीड़िता मां का आरोप है कि बाग में मासूम बदहवाश मिली। उसने रोते हुए आरोपी द्वारा कपड़ा उतार देने की बात भी कही। आरोप है कि प्रकरण में पुलिस ने समुचित घटना पर कार्रवाई न करते हुए सिर्फ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर दिया। इधर आरोपी मुकदमें में समझौता करने का दबाव बनाते हुए जानलेवा धमकी दे रहा है। पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगायी है।

मानिकपुर रजबहा तथा मिश्रदयालपुर माइनर में पानी न आने से खेती हो रही चौपट

किसानों में पानी बिना मचा हाहाकार, सिंचाई बिभाग के अधिकारी कुम्भ कर्णी नींद में मस्त

प्रतापगढ़। गेंहूँ की सिंचाई का समय चल रहा है। मौसम भी गरम हो गया है। पानी की नहरों में आवश्यकता है। सब किसानों के पास इन्जन या अन्य पानी की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। जिसके पास पानी की सुविधा है वह दोगुना पैसा लूट रहे है। किसान दूर दूर से मँहगे पानी लाकर किसी तरह सीचते है। सरकार लगातार हर नहरों में पानी हेड से लेकर टेल तक पहुँचाएं जाने का आदेश दी है। लेकिन सिचाई बिभाग के जिम्मेदार अधिकारी कुम्भ कर्णी नींद में सो रहे है। फागुन महीना बीत गया मिश्रदयालपुर हनुमान नगर माइनर हेड से लेकर टेल तक सूखी पड़ी है। सिंचाई विभाग के अधिकारी केवल कुर्सी पर बैठकर कुम्भ कर्णी नींद में सो रहे है। और कागजी कोर्रम को पूरा कर सरकार के पैसों को लूटकर रहे है। मानिकपुर रजबहा में तथा मिश्रदयालपुर हनुमान नगर माइनर में हेड से लेकर टेल तक पानी न होने से किसान परेशान है। और नहर सूखी पड़ी है। नई बाजार सुवंश चौराहा, कदमपुर, बेती, पुरनेमऊ, मनोखर बाग, डीहा, कुटी, महेवामोहनपुर, चिरैया, मिश्रदयालपुर, हनुमान नगर संकट मोंचन धाम,तिवरानन का पुरवा, बटौआ, हथिगवां,मल्ला का पुरवा, पूरेजीत, परसीपुर, धीमी, नौबस्ता, आदि सैकड़ो गांवों में नहरों से सिंचाई होती है। पानी नहर में नहीं है। सिचाई बिभाग पानी के नाम पर केवल फार्मेटी कर कागजी कोर्रम पूरा कर देती है। हेड से लेकर टेल तक लगातार पानी कभी नही पहुंचाती है। जिससे किसानों ने परेशान होकर नहरों में पानी अतिशीघ्र पहुंचाएं जाने की उच्चधिकारियों से मांग किया है। बालयोगी जी महराज, शौक लाल सरोज,विवेक जी महराज बजरंग सेना जिलाध्यक्ष,विमल कुमार मिश्र, अनुराग कुमार पाडेय, आनंद कुमार पाडेय,लाल जी यादव, मुकेश कुमार दिनेश सिंह,गजानन्द यादव, विनय कुमार,वंशी लाल मौर्या,शरद कुमार शुक्ला,आदि सैकड़ो किसानों ने मानिकपुर रजबहा तथा मिश्रदयालपुर माइनर में हेड से लेकर टेल अतिशीघ्र पानी पहुँचाने की मांग किया है।

किशोरी के अपहरण का केस दर्ज

प्रतापगढ़। किशोरी के अपहरण को लेकर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित पिता ने पुलिस को तहरीर देकर अनहोनी की आशंका जतायी है। लालगंज कोतवाली के एक गांव के पीड़ित पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती पांच मार्च की शाम करीब पांच बजे उसकी चौदह वर्षीया पुत्री घर से शौच के लिए निकली थी। घर न लौटने पर काफी खोजबीन के बाद भी किशोरी का कहीं पता नहीं चला। पीड़ित ने अनहोनी की आशंका जताते हुए अज्ञात व्यक्ति द्वारा किशोरी के अपहरण का आरोप लगाया है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है।

करछना के धरवारा ख़ेक्सा में होली मिलन समारोह की धूम,विधायक पीयूष रंजन निषाद सहित दिग्गज नेताओं ने बिखेरे भाईचारे के रंग

प्रयागराज/करछना। होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में गुरुवार को विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत धरवारा ख़ेक्सा में भव्य 'होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। इस समारोह में क्षेत्र के राजनैतिक दिग्गजों और प्रबुद्ध जनों का जमावड़ा लगा, जहाँ आपसी गिले-शिकवे भुलाकर सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया। मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक माननीय पीयूष रंजन निषाद रहे। समारोह स्थल पर पहुँचते ही ग्रामवासियों और आयोजकों द्वारा उनका ढोल-नगाड़ों और माल्यार्पण के साथ जोरदार स्वागत किया गया। विधायक जी ने अपने संबोधन में कहा कि होली का पर्व हमारी भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा का प्रतीक है, जहाँ रंग और गुलाल के जरिए ऊंच-नीच और जाति-पाति के भेदभाव को समाप्त किया जाता है। उन्होंने धरवारा ग्राम सभा की एकता की सराहना करते हुए सभी को होली की बधाई दी। प्रमुख अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर क्षेत्र के कई वरिष्ठ नेता और समाजसेवी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए, जिनमें मुख्य रूप से शामिल रहेः श्री कमलेश द्विवेदी (ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि, करछना) श्री रमाकान्त विश्वकर्मा (उपाध्यक्ष, किसान मोर्चा, काशी क्षेत्र) श्री शिवदत्त पटेल (पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा यमुनापार) श्री रामतौल पटेल (पूर्व ब्लॉक प्रमुख, करछना) श्री राजेश पटेल (जिला पंचायत सदस्य, करछना) श्री अश्विनी कुमार जैन आयोजन और भाईचारा समारोह के आयोजक और धरवारा के भावी प्रधान पद प्रत्याशी जितेन्द्र कुमार मिश्र (बब्बू मिश्र) ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराए अधिकारी - सीडीओ

रायबरेलीः- मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की

शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 50, पुलिस 10 एवं अन्य 15 कुल 75 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 04 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए।पुलिस अधीक्षक ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, क्षेत्राधिकारी नगर अरुण कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सात समंदर पार भी बिखरा 'होली हैं' का उल्लास

टैम्पा में रंगों की गूंजः फ्लोरिडा होली मेला में 6 हजार प्रवासी भारतीयों ने रचा सांस्कृतिक उत्सव,संगीत और भारतीय परंपराओं का अद्भुत उत्सव,अमेरिका की धरती पर भी दिखा भारतीय संस्कृति का जीवंत उत्साह

रायबरेली/टैम्पा, फ्लोरिडा।फाल्गुन के रंग जब भारत की सीमाओं से निकलकर सात समंदर पार पहुंचते हैं, तो वह केवल उत्सव नहीं बल्कि संस्कृति के वैश्विक विस्तार का प्रतीक बन जाते हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के टैम्पा शहर में आयोजित फ्लोरिडा होली मेला 2026 में ऐसा ही नज़ारा देखने को मिला, जहां लगभग छह हजार प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और स्थानीय नागरिकों ने रंग, गुलाल, संगीत और भारतीय परंपराओं के साथ होली का उल्लास मनाया। रंगों की उड़ती फुहारों और 'होली है' के जयघोष के बीच पूरा वातावरण भारतीय संस्कृति की जीवंत छटा से सराबोर दिखाई दिया। टैम्पा में आयोजित यह भव्य आयोजन फ्लोरिडा के सबसे बड़े होली समारोहों में शामिल रहा। कार्यक्रम का सफल आयोजन आरती शुक्ला और संकुल सेठ के नेतृत्व में किया

गया। उनकी दूरदृष्टि, समर्पण और सूक्ष्म योजना ने इस उत्सव को केवल रंगों का पर्व नहीं रहने दिया, बल्कि इसे भारतीय विरासत, एकता और सांस्कृतिक गौरव के भव्य मंच में बदल दिया। इस आयोजन में भारतीय मूल के परिवारों के साथ-साथ विभिन्न देशों के लोगों ने भी भाग लिया, जिससे भारतीय परंपराओं की वैश्विक स्वीकार्यता का दृश्य सामने आया।

कार्यक्रम का मंच संचालन सिद्धि मिश्रा और अदिति हरदास ने किया। उनकी जीवंत शैली, आकर्षक संवाद और ऊर्जावान प्रस्तुति ने पूरे दिन दर्शकों को कार्यक्रम से जोड़े रखा। वहीं डिजिटल प्रचार-प्रसार और सोशल मीडिया अभियान की जिम्मेदारी उर्वी कावा ने संभाली, जिनकी रणनीतिक मार्केटिंग और प्रभावी संचार के कारण यह आयोजन फ्लोरिडा ही नहीं बल्कि आसपास के राज्यों तक चर्चा का विषय बन गया। उत्सव में मीनल जैन, संगीत और नृत्य ने माहौल को चरम पर पहुंचा दिया। डीजे रॉन मिल्टन और यतिन की दमदार प्रस्तुतियों ने बॉलीवुड हिट्स और उत्सवधर्मी धुनों के साथ पूरे मैदान को झूमने पर मजबूर कर दिया। रंगों की बौछार और संगीत की लय के बीच युवा, बच्चे और परिवार एक साथ थिरकते नजर आए। कार्यक्रम में पारंपरिक गुलाल, भारतीय व्यंजन, सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां और बच्चों के लिए विशेष गतिविधियां भी आयोजित की गईं। इससे न केवल प्रवासी भारतीयों को अपने देश की सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर मिला, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी भारतीय त्योहारों की आत्मा को करीब से महसूस करने का मौका मिला। फ्लोरिडा होली मेला ने यह साबित कर दिया कि भारतीय संस्कृति की पहचान केवल भारत की भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है। जहां-जहां भारतीय प्रवासी बसते हैं, वहां-वहां उनके साथ भारत की परंपराएं, उत्सव और सांस्कृतिक मूल्य भी उसी जीवंतता के साथ खिल उठते हैं। रंगों, संगीत और भाईचारे के संदेश के साथ टैम्पा का यह आयोजन प्रवासी भारतीयों के लिए गर्व का क्षण बन गया और वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति की सशक्त उपस्थिति का एक और जीवंत उदाहरण बना।

सैदपुर कोतवाली के बगल में प्रतिबंधित मांगुर मछली का कारोबार, वीडियो वायरल होने के बाद मचा हंगामा

सैदपुर। नगर में प्रतिबंधित मांगुर मछली की खुलेआम बिक्री का मामला सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि सैदपुर कोतवाली से महज लगभग 50 मीटर की दूरी पर पिछले कई महीनों से मांगुर मछली धड़ल्ले से बेची जा रही है, लेकिन पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।सूत्रों के माने तो स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार पुलिस को इसकी सूचना दी गई, लेकिन इसके बावजूद न तो मौके पर छापेमारी की गई और न ही विक्रेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई। इससे लोगों में

नाराजगी और आक्रोश का माहौल है।बताया जा रहा है कि होली के एक दिन पहले प्रतिबंधित मांगुर मछली से लदी चार पिकअप गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब दो घंटे तक मछलियों को उतारकर खुलेआम बिक्री की जाती रही। जिसका शोसल मीडिया आरोप है खूब वायरल हो रहा है, प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार को भी इसकी सूचना दी गई थी, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।गौरतलब है कि मांगुर मछली की बिक्री पर पर्यावरण और जलीय जीवों के संरक्षण के मद्देनजर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद नगर क्षेत्र में खुलेआम इसकी बिक्री होना प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल खड़े कर रहा है।इस पूरे मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि सैदपुर कोतवाली के मुख्य कारखास की मिलीभगत से अवैध मछली कारोबार को संरक्षण मिल रहा है।

श्रामणेर दीक्षा एवं बौद्धाचार्य प्रशिक्षण के दूसरे दिन हुई प्रशिक्षुओं की विभिन्न स्थानों में चारिकाएं

आधुनिक समाचार

अमेठी। बोधिसत्व डॉ भीमराव अम्बेडकर मेमोरियल स्कूल भीमी में चल रहे प्रशिक्षण के दूसरे दिन श्रामणेर प्रशिक्षुओं व बौद्ध भिक्षुओं ने विभिन्न गांवों का दौरा कर धम्म प्रचार किया। चारिका के लिए जिन गांवों का दौरा किया

गया उनमें से कुछ स्थानों में देहली, मुबारकपुर, कुतुबपुर, हारीपुर, बहादुरपुर, अहिमाने, दुर्गापुर, महमदपुर, मोहदीपुर, आदि रहे। इस अवसर पर वहाँ मौजूद रहे कुछ प्रमुख बौद्ध धर्म गुरुओं श्रामणेरों व अन्य प्रमुख लोगों में भंते धम्म दीप भंते शीलमित्र भंते प्रज्ञा मित्र भंते शीलमित्र रामसमुझ बौद्धाचार्य, राम अभिलाष बौद्धाचार्य, राममिलन, किशोरीलाल, लक्ष्मण प्रसाद बौद्ध, राम औतार, कन्धई राम बौद्धाचार्य, श्याम लाल भारती, पूरे केशरी, गुरुप्रसाद बौद्धाचार्य दरपीपुर, जियालाल बौद्ध, नीरज बौद्ध नुवावां, व के पी सविता बौद्ध गौरीगंज आदि रहे। जहाँ जहाँ चारिका के लिए ये बौद्ध अनुयायी गये वहां बौद्ध उपासकों ने जोरदार स्वागत सम्मान किया। कहीं-कहीं बैंड बाजों से भी स्वागत-सत्कार किया गया। बौद्ध भिक्षुओं व श्रामणेरों के इस दल का अमेठी व सुल्तानपुर में चर्चा का विषय बन गया हैं। लगभग चालीस चीवरधारी लोगों का भ्रमण कौतूहल का विषय बना हुआ है।

होली के रंगीन पर्व पर नैनी में शानदार सामंजस्यः जिला अपराध निरोधक कमेटी और पुलिस ने उत्सव को बनाया सुरक्षित और खुशहाल

प्रयागराजः बुधवार को होली के रंगीन त्योहार पर नैनी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था चाक-चौबंद रही। जिला अपराध निरोधक कमेटी के सचिव श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव के सशक्त निर्देशों पर थाना नैनी पुलिस और स्थानीय चौकियों ने उत्सव को सकुशल संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाई।एडीए चौकी प्रभारी श्री अमित कुमार, काशीराम पुलिस चौकी प्रभारी रामानंद विश्वकर्मा, छुवकी चौकी प्रभारी मनोज सिंह और उनके समर्पित पुलिस बल ने उत्सव स्थलों पर डेरा डाले रखा। पुलिस प्रशासन के पूर्ण समन्वय से जिला

अपराध निरोधक कमेटी की यमुनानगर यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा अपनी पूरी टीम के साथ सक्रिय रहीं।क्षेत्रीय कमेटी प्रभारी विमल सक्सेना, शिव प्रताप सिंह, अश्विनी कुशवाहा, सक्षम शर्मा सहित अन्य सदस्यगणों ने भी उत्साहपूर्वक सहयोग किया। इस सामूहिक प्रयास से नैनी में होली शांतिपूर्ण और आनंदमय रही, जिसमें कोई अप्रिय घटना नहीं घटी।स्थानीय निवासियों ने पुलिस और कमेटी की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। जिला अपराध निरोधक कमेटी और थाना नैनी पुलिस ने एक बार फिर साबित किया कि समन्वित प्रयास से त्योहार सुरक्षित बनाए जा सकते हैं

होली के रंगों में सराबोर नजर आईं मॉडल दीक्षा श्रीवास्तव फैंस बोले-'ब्लू जींस और व्हाइट टी-शर्ट में लगती हो बवाल!'

आधुनिक समाचार

होली के पावन अवसर पर शहर की चर्चित मॉडल ङदीक्षा श्रीवास्तवङ अपने रंग-बिरंगे अंदाज़ को लेकर सोशल मीडिया पर छा गईं। ब्लू जींस और व्हाइट टी-शर्ट में होली खेलती हुई उनकी तस्वीरें सामने आते ही फैंस के बीच वायरल हो गईं।

दीक्षा श्रीवास्तव ने सादगी और स्टाइल का ऐसा कॉम्बिनेशन पेश किया कि हर कोई उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सका। चेहरे पर गुलाल, आंखों में चमक और मुस्कुराहट ने उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा दिए।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा - 'वाह! ब्लू जींस और व्हाइट टी-शर्ट में तो आप बवाल लग रही हो।' 'सिंपल लुक में भी इतना ग्लैमर कमाल है।' 'होली का असली रंग तो आज आप पर दिख रहा है।' दीक्षा श्रीवास्तव ने भी अपने फैंस को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों का यह त्योहार प्यार, भाईचारे और खुशियों का प्रतीक है। उन्होंने सभी से सुरक्षित और खुशहाल होली मनाने की अपील की।

मॉडल दीक्षा श्रीवास्तव का यह होली लुक अब चर्चा का विषय बन चुका है और फैंस बेसब्री से उनके अगले फोटोशूट का इंतजार कर रहे हैं।

बेटियां नहीं होंगी पिता पर बोझ, लाखों बेटियों की शादी में सहयोग का संकल्प-प्रदेश अध्यक्ष रानी सिंह

आधुनिक समाचार

सोनभद्र।फ़ास्ट रिलीफ चैरिटेबल ट्रस्ट (ईएफ) की टीम द्वारा शुक्रवार को जनपद सोनभद्र में बेटी विवाह शगुन योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के घर पहुंचकर भौतिक सत्यापन किया गया। यह निरीक्षण संस्था की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रानी सिंह के नेतृत्व तथा प्रांतीय संगठन मंत्री अरुण सिंह कुशवाहा के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष ओम शंकर नारायण शर्मा, जिला अध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार कुशवाहा, जिला महामंत्री सर्वजीत कुमार सिंह, जिला कोषाध्यक्ष शरीफ अहमद, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंगल चरण सिंह, करमा ब्लॉक अध्यक्ष मुख्तार अंसारी, करमा ब्लॉक महामंत्री बादल सिंह, घोरावल ब्लॉक महामंत्री अरविंद कुमार गिरी,घोरावल ब्लॉक संगठन मंत्री सुनील कुमार मिश्रा तथा रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक अध्यक्ष श्रृंगी ऋषि सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

टीम द्वारा रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक के ग्राम पिपरी, पोस्ट धनीपुर निवासी किसान मुख्तार अहमद तथा करमा ब्लॉक के ग्राम कठपुरवाँ, पोस्ट बैडांड निवासी किसान अरविंद कुमार सिंह के घर पहुंचकर उनकी बेटियों के विवाह हेतु आवश्यक दस्तावेजों और बैंक खाते की जानकारी प्राप्त कर भौतिक सत्यापन किया गया।

इस दौरान एफआरसीटी के सहयोग की जानकारी मिलने पर लाभार्थी परिवार अत्यंत भावुक हो उठे और संस्था के इस जनकल्याणकारी कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। ग्राम प्रधान संतोष कुमार मौर्य भी मौके पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी एफआरसीटी टीम द्वारा संचालित इस योजना की प्रशंसा की।

प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रानी सिंह ने बताया कि संस्था के संस्थापक श्री महेन्द्र वर्मा की प्रेरणा से शुरू की गई बेटी विवाह शगुन योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बेटी अपने पिता या समाज पर बोझ न बने। उन्होंने कहा कि एफआरसीटी का लक्ष्य लाखों बेटियों की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करना है और यह सेवा निरंतर जारी रहेगी।

प्रांतीय संगठन मंत्री अरुण सिंह कुशवाहा ने बताया कि एफआरसीटी परिवार के लगभग 85 हजार सदस्य निर्धारित अंशदान के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में सीधे धनराशि भेजते हैं, जिससे प्रत्येक बेटी के विवाह में लगभग दो से ढाई लाख रुपये तक का सहयोग संभव हो पाता है। जिला अध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार कुशवाहा ने बताया कि संस्था के रजिस्टर्ड सदस्य को गंभीर बीमारी होने पर 10 लाख रुपये तक, बेटी के विवाह में 5 लाख रुपये तक तथा सदस्य के आकस्मिक निधन होने पर उसके नामिनी परिवार को 50 लाख रुपये तक सहयोग कराने का लक्ष्य रखा गया है।

जिला महामंत्री सर्वजीत कुमार सिंह ने जानकारी दी कि अब तक संस्था द्वारा 6 दिवंगत सदस्यों के परिवारों को लगभग 70 लाख रुपये से अधिक तथा बेटी विवाह शगुन योजना के तहत 59 बेटियों को लगभग 72 लाख रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा चुका है।

रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक मिर्जापुर मंडल अध्यक्ष ने बताया कि फरवरी माह में सोनभद्र की दो बेटियों सहित प्रदेश की 11 बेटियों के विवाह में लगभग सवा दो-दो लाख रुपये का सहयोग दिया गया था और मार्च माह में भी दर्जनों बेटियों के विवाह में लाखों रुपये का सहयोग कराया जाएगा।

इस अवसर पर टीम के सभी पदाधिकारियों ने लाभार्थी बेटियों अलीना और आकृति मौर्य को उनके सुखद वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

रार्बटसगंज ब्लॉक अध्यक्ष श्रृंगी ऋषि जी ने बताया कि 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग का कोई भी उत्तर प्रदेश का नागरिक या प्रदेश में कार्यरत व्यक्ति frctup.com वेबसाइट पर जाकर संस्था का सदस्य बन सकता है।

ग्लोबल डायमंड आइकॉन अवॉर्ड 2026 से सम्मानित होंगे डॉ. बृजेश महादेव

जयपुर में 5 अप्रैल को मिलेगा सम्मान

सोनभद्र। बेसिक शिक्षा विभाग के नवाचारी शिक्षक एवं समाजसेवी डॉ. बृजेश कुमार सिंह 'महादेव' का चयन ग्लोबल डायमंड आइकॉन अवॉर्ड 2026 के लिए किया गया है। यह सम्मान भव्य फाउंडेशन, जयपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित ग्लोबल डायमंड आइकन अवार्ड एवं अंतरराष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन के अवसर पर 5 अप्रैल 2026 को प्रदान किया जाएगा। फाउंडेशन की निदेशक डॉ. निशा माथुर व संस्थापक शैलेंद्र माथुर ने ई-मेल के माध्यम से डां बृजेश महादेव के चयन की जानकारी देते हुए बताया कि इस समारोह में देश-विदेश के कई विशिष्ट अतिथि, शिक्षाविद् तथा मंत्रीगण उपस्थित रहेंगे।

सोनभद्र जनपद के निवासी डॉ. बृजेश महादेव, जो वर्तमान में पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी, नगवां में सहायक अध्यापक तथा ब्लॉक स्काउट मास्टर नगवां के रूप में कार्यरत हैं, को यह सम्मान शिक्षा, साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रदान किया जा रहा है। डॉ. बृजेश महादेव एक प्रख्यात शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं दूरदर्शी व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। प्रारंभ से ही वे शिक्षा, समाज और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहे हैं। उनकी शैक्षणिक रुचि शोध,

नवाचार और समाजोपयोगी ज्ञान के विकास की ओर केंद्रित रही है। शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान केवल कक्षा शिक्षण तक सीमित न रहकर शैक्षिक संस्थानों के विकास, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण उत्थान तक विस्तृत है।

उन्हें शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से भी सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें प्रमुख हैं– एशियन एजुकेशन अवॉर्ड, नेशनल बिल्डर्स अवॉर्ड तथा राज्य आईसीटी अवॉर्ड। वे एक सक्रिय स्काउट मास्टर के रूप में भी विशिष्ट सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

डॉ. बृजेश महादेव ने समाज के शैक्षिक और बौद्धिक विकास के लिए एक दर्जन से अधिक विद्यालयों एवं पुस्तकालयों की स्थापना और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही उनके द्वारा एक दर्जन से अधिक पुस्तकों का लेखन व प्रकाशन भी किया गया है, जो शिक्षा, समाज और विचार-जगत में उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। उनका व्यक्तित्व सरल, कर्मठ और प्रेरणादायक है। वे मानते हैं कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। उनका जीवन शिक्षा, सेवा और संस्कारों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। डॉ बृजेश महादेव राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सोनभद्र के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष भी हैं। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के शिक्षकों, समाजसेवियों और शुभचिंतकों ने उन्हें अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

शहीद स्मारक-संकटमोचन धाम पहुंचे जगद्गुरु रामस्वरूपाचार्य, बालरूप हनुमान के दर्शन कर की आरती

मुंशीगंज के राष्ट्रीय स्तर के ऐतिहासिक शहीद स्मारक पर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि, भक्तों को अपने हाथों से प्रसाद वितरित कर दिया आशीर्वाद

रायबरेली। जनपद के ऐतिहासिक स्थल मुंशीगंज स्थित श्री संकटमोचन धाम में शनिवार की सायं आध्यात्मिक आस्था और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला, जब अनन्त श्री विभूषित सर्वाम्नाय श्री कामदगिरी पीठाधीश्वर, श्रीमद् जगद्गुरु रामानन्दाचार्य पूज्य श्री 108 रामस्वरूपाचार्य जी महाराज (चित्रकूट, मध्य प्रदेश) धाम पहुंचे। उन्होंने मंदिर में विराजमान बालरूप हनुमान के दिव्य स्वरूप का विधिवत दर्शन-पूजन कर आरती उतारी और भक्तों को अपने हाथों से प्रसाद वितरित करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।

शाम लगभग 5:15 बजे मंदिर परिसर पहुंचे जगद्गुरु महाराज के आगमन से वातावरण पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत हो उठा। उन्होंने संकटमोचन धाम में पूजन-अर्चन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। दर्शन-पूजन के उपरांत उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए सनातन धर्म की मर्यादा, सेवा और राष्ट्रभक्ति के महत्व का संदेश दिया।

इसके बाद जगद्गुरु रामस्वरूपाचार्य जी महाराज ने समीप स्थित राष्ट्रीय स्तर के ऐतिहासिक स्थल शहीद स्मारक मुंशीगंज पहुंचकर स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले अमर सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता और गौरव की रक्षा के लिए शहीदों का त्याग सदैव प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन की ओर से जगद्गुरु महाराज का अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया तथा उन्हें भगवान राम का विग्रह भेंट किया गया।बताते चलें कि संकटमोचन धाम की आध्यात्मिक महिमा मुंशीगंज स्थित संकटमोचन धाम की अपनी विशिष्ट आध्यात्मिक मान्यता है। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार यहां बालरूप हनुमान जी का दिव्य स्वरूप स्वयं प्रकट हुआ था। प्रारंभ में इस विग्रह को पीपल के वृक्ष की छांव में स्थापित किया गया, जहां भक्तजन श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करने लगे। समय के साथ श्रद्धालुओं की आस्था और सेवा से यह स्थान विकसित होकर आज एक प्रतिष्ठित धाम के रूप में स्थापित हो गया है, जहां दूर-दराज से श्रद्धालु संकटमोचन हनुमान के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचते हैं। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का भारी भीड़ उपस्थित रही । इस अवसर पर प्रो. डॉ. संजय सिंह, डॉ. अजींद्र प्रताप सिंह, प्रदीप पांडेय, राकेश तिवारी, सतीश चंद्र मौर्य, शिवराज मौर्य, राम प्रकाश चौधरी, डॉ. विपिन सिंह, सुरेश गुप्ता, अनुष्का यादव सहित मातृभूमि सेवा मिशन के संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, रामराज गिरी, भगवत प्रताप सिंह,राकेश मिश्रा, रेनू, पलक गुप्ता, संगीता यादव, मीनाक्षी, नीलू सिंह, रनिता सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 13, 14 व 15 मार्च को

रायबरेलीः- क्रीडाधिकारी रायबरेली धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार जिला खेल कार्यालय पं0 मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन निर्धारित सारणी के अनुसार किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक/बालिका खिलाडियों की प्रविष्टि निःशुल्क है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक/बालिका दोनों वर्गों के दोनों एवेन्टस के स्थान पाने वाले विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये जायेगें। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ी/टीम अपनी प्रविष्ट एक दिन पूर्व जिला खेल कार्यालय, रायबरेली में दर्ज करा सकते है।निर्धारित सारणी के अनुसार एथलेटिक्स बालक/बालिका प्रतियोगिता का आयोजन मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली एवं बास्केटबॉल बालक/बालिका प्रतियोगिता का आयोजन एस0जे0एस0 स्कूल रायबरेली में 13 मार्च 2026 को किया जा रहा है।इसी प्रकार जूडो, कबड्डी एवं बैडमिंटन बालक/बालिका प्रतियोगिता का आयोजन 14 मार्च 2026 को, टेबुल-टेनिस, हैण्डबॉल एवं वॉलीबॉल बालक/बालिका प्रतियोगिता 15 मार्च 2026 को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली में आयोजित किया जा रहा है। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ी/टीम प्रतियोगिता की अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय पं0 मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली से प्राप्त कर सकते है।

17 मार्च से गेहूँ खरीद प्रारम्भः कृषक बंधु गेहूँ विक्रय हेतु अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराकर न्यूनतम समर्थन मूल्य का उठाएं लाभ : सोनी गुप्ता

रायबरेलीः जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत कृषकों से गेहूँ खरीद 17 मार्च, 2026 से प्रारम्भ कराये जाने के उच्चाधिकारियों द्वारा निर्देश दिये गये है।

उन्होंने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत भारत सरकार द्वारा सीधे किसानों से गेहूँ क्रय हेतु गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य रू0 2585.00 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष रू0 160 प्रति कुन्तल अधिक गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। जनपद रायबरेली में कृषकों से गेहूँ खरीद हेतु कुल 93 गेहूँ क्रय केन्द्रों का अनुमोदन जिलाधिकारी द्वारा किया गया है, जिसमें खाद्य विभाग के 34, पी0सी0एफ0 के 29, पी0सी0यू0 के 15, यू0पी0एस0एस0 के 08, भारतीय खाद्य निगम के 05 एवं मण्डी परिषद के 02 केन्द्र शमिल है। इसके अतिरिक्त जनपद में 13 मोबाइल गेहूँ क्रय केन्द्रों के माध्यम से भी कृषकों के घर पर उनकी सुविधानुसार गेहूँ की तौल पूर्ण करायी जायेगी। उक्त सभी स्थापित राजकीय क्रय केन्द्रों एवं मोबाइल क्रय केन्द्रों पर कृषकों से गेहूँ खरीद का कार्य किया जायेगा।

गेहूँ विक्रय हेतु ऑनलाइन कृषक पंजीकरण/नवीनीकरण प्रारम्भ है।

कृषक बन्धुं द्वारा अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवाया जा सकता है। गेहूँ की बिकी हेतु कृषकों को खाद्य तथा रसद विभाग की वेबसाइट ि.ल्ुदन.ग्रह अथवा विभाग के मोबाइल ऐप ळइ ख्र्ध्ङ्- श्र्ध्ङ्ध् पर पंजीकरण/ नवीनीकरण कराना अनिवार्य है।खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान खरीद हेतु पंजीकरण करा चुके कृषकों को गेहूं विक्रय हेतु पुनः पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं, परन्तु पंजीकरण का नवीनीकरण कराना होगा। सभी कृषक घर बैठे भी मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन अपना पंजीकरण कर सकते है। गेहूँ बिक्री हेतु ओ0टी0पी0 आधारित पंजीकरण की व्यवस्था है। कृषक भाई पंजीकरण हेतु वर्तमान मोबाइल नंबर अंकित कराएं एवं एस0एम0एस0 द्वारा प्रेषित ओ0टी0पी0 भरकर पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण करें। गेहूँ बिक्री के समय राजकीय क्रय केन्द्रों पर किसान के स्वंय उपस्थित न होने पर पंजीकरण प्रपत्र में परिवार के नामित सदस्य का विवरण एवं आधार नंबर फीड कराना अनिवार्य है। किसानों को गेहूं के मूल्य का भुगतान उनके आधार लिंक्ड बैंक खाते में किया जायेगा।कृषक बन्धु अपने जिस बैंक खाते में भुगतान प्राप्त करना चाहते है, उसको आधार सीडेड एवं बैंक शाखा द्वारा एन0पी0सी0आई0 पोर्टल पर मैप करा दें। बैंक खाता सक्रिय होने हेतु आवश्यक है कि उसमें पिछले तीन महीने में धनराशि का लेन-देन किया गया हो।

किसान पंजीकरण करनें, भूमि के रकबे का सत्यापन, खरीद व एम0एस0पी0 पेंमेट की अद्यतन स्थिति जानने हेतु ळइ ख्र्ध्ङ्- श्र्ध्ङ्ध् मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें अथवा क्यू0आर0 कोड स्कैन करें। वर्तमान में 06 फरवरी 2026 तक जनपद रायबरेली में अपना गेहूँ राजकीय क्रय केन्द्रों पर विक्रय हेतु किसान पंजीकरण की तहसीलवार स्थिति है, तहसील महाराजगंज में पंजीकृत किसान 37, रायबरेली (सदर) में 56, लालगंज 13, डलमऊ 18, ऊंचाहार 28 एवं तहसील सलोन में 53 कुल 205 पंजीकृत किसान है। जिला खाद विपरण अधिकारी ने जनपद रायबरेली के सभी कृषक बन्धुओं से कहा है कि अधिक से अधिक संख्या में गेहूँ विक्रय हेतु अपना ऑनलाइन पंजीकरण ससमय कराएं एवं भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उठाये।

दिशा समिति की बैठक में सांसद ने दिए विकास कार्यों को गति देने के निर्देश

सोनभद्र। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सांसद छोटेलाल खरवार ने की। बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा की गई और अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे विकास कार्यों को समय से पूरा करें और इसकी सूचना जनप्रतिनिधियों को दें।सांसद ने कहा कि विकास कार्यों

के लिए मिलने वाली धनराशि का सही तरीके से उपयोग किया जाए और इसकी जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी जाए। उन्होंने कहा कि पटवध से बसुहारी सम्पर्क मार्ग का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाए, जिससे उस क्षेत्र के ग्रामीणों को राहत मिल सके।बैठक में नगर पालिका परिषद की अध्यक्षा ने बताया कि नगर के विभिन्न स्थानों पर बिजली के तार और खम्भे जर्जर हो गए हैं, जिन्हें तत्काल ठीक कराया जाए। सांसद ने निर्देश दिया कि नगर के सभी क्षेत्रों में बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और जो ग्राम नगर पालिका परिषद में शामिल हुए हैं, उनमें विद्युतीकरण और पेयजल कनेक्शन की व्यवस्था की जाए।बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि हर घर नल योजना के अन्तर्गत किये गये पेयजल कनेक्शन की स्थिति ठीक नहीं है, इसे तत्काल ठीक कराया जाए। सांसद ने कहा कि लोढ़ी में टोल प्लाजा के कारण आये दिन जाम लगता है, इसके लिए ट्रकों के लिए अलग लेन और आम जनमानस एवं एम्बुलेन्स आदि के लिए अलग लेन बनायी जाए।बैठक में अनपरा में निर्मित 100 बेड के अस्पताल को सही तरीके से संचालित कराये जाने और उस अस्पताल में पोस्टमार्टम की सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग की गई। मुख्य चिकित्साधिकारी ने डाक्टरों और अन्य स्टाफ की कमी की बात बतायी, जिस पर सांसद ने निर्देश दिया कि इसके लिए शासन को लिखे गये पत्र की प्रति उपलब्ध करायी जाए। बैठक में अध्यक्ष जिला पंचायत राधिका पटेल, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, ब्लाक प्रमुख म्योरपुर मानसिंह गौंड़, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 पंकज कुमार राय, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह सहित सम्मानित जनप्रतिनिधिगण व कमेटी के सदस्यगण उपस्थित रहें।

निःशुल्क एक वर्षीय कार्यालय प्रबन्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

इच्छुक पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र 25 मार्च तक करें जमा

रायबरेलीःजिला सेवायोजन अधिकारी तनुजा यादव ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली के अधीन उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र के अप्रैल-2026 से प्रारम्भ होने वाले सत्र में निःशुल्क एक वर्षीय "कार्यालय प्रबन्ध प्रशिक्षण" कार्यक्रम में प्रवेश हेतु अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़ी जाति के पुरूष एवं महिला अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। उक्त प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल में अंग्रेजी एक विषय सहित इण्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, एवं आयु सीमा 18 से 35 वर्ष, छूट नियमानुसार (दिनांक 01.04.2026) को होनी चाहिए। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत आशुलिपि, टंकण, हिन्दी, अंग्रेजी भाषा, सामान्य ज्ञान, सामान्य गणित, तर्कशक्ति सचिवीय पद्धति, बुक कीपिंग एवं एकाउंटेंसी, कम्प्यूटर परिचालन आदि विषयों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा।इच्छुक पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रमाणित फोटो एवं प्रमाण पत्रों की प्रतियों सहित विलम्बतम् 25 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं। उक्त वर्ग के विकलांग अभ्यर्थियों को 3 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा एवं नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जायेगी। आवेदन पत्र का प्रारूप जिला सेवायोजन कार्यालय के सूचना पट्ट पर उपलब्ध है। प्रवेश हेतु साक्षात्कार अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिये 27 मार्च 2026 एवं अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 28 मार्च 2026 को प्रातः 10:00 बजे से सेवायोजन कार्यालय प्रांगण में होगा। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली से सम्पर्क करें। प्रशिक्षण की अवधि में अभ्यर्थी को कही भी अध्ययनरत अथवा नियोजित नहीं होना चाहिए। इस हेतु कोई मार्ग व्यय देय न होगा।

जन औषधि स्वस्थ और समृद्ध भारत की अहम कड़ीः रूबी प्रसाद

- पालिका अध्यक्ष ने कहा, पीएम मोदी के प्रयासों से करोड़ों परिवारों को सस्ती दवाओं का मिल रहा लाभ
- 8वें जन औषधि दिवस पर गण्यमान्य जनों को जन औषधि मित्र सम्मान से नवाजा गया

सोनभद्र - आम जनता को कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं उपलब्ध कराने के पीएम मोदी की कोशिशों के साथ शनिवार को एक और मजबूत कड़ी जुड़ी, 8वें जन औषधि दिवस के रूप में। करकी माइनर के अलावा राबर्ट्सगंज रोडवेज रोड स्थित जन औषधि केंद्र पर हुए समारोह में जन औषधि पर परिचर्चा के साथ ही जन औषधि मित्र अभियान का भी कारवां आगे बढ़ा।

रोडवेज रोड स्थित जन औषधि केंद्र पर तरनि फाउंडेशन फार लाइफ की ओर से हुए मुख्य समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने आम जन को कारगर और किफायती दवाओं के बारे में जानकारी दी

और उन्हें स्वस्थ एवं समृद्घ भारत के लिए पीएम मोदी की ओर से किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। पिछले आठ सालों में जन औषधि के जरिए आम जनता को मिल रहे फायदों के बारे में लाभार्थियों से जानकारी की। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि आम जन को सस्ती दवा उपलब्ध कराने की पीएम मोदी की यह मुहिम करोड़ों गरीब परिवारों के लिए वरदान बन गई है। आज जन औषधि स्वस्थ एवं समृद्ध भारत की अहम कड़ी बन गई है। उन्होंने आम जन और सोनभद्रवासियों की तरफ से इसके लिए पीएम मोदी का आभार जताया। यहां पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद को जन औषधि मित्र सम्मान से नवाजा गया। पालिकाध्यक्ष के अलावा यहां अपना दल एस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिनेश बियार, अनिल कुमार सिंह, सरदार गुरप्रीत सिंह, पियूष कुमार वर्मा, अजय कुमार मौर्य, आनंद कुमार जायसवाल, रमेश जायसवाल एवं मोहम्मद खुर्शीद आलम खान को जन औषधि मित्र सम्मान दिया गया। उधर, करकी माइनर में दिनेश प्रताप सिंह, पंडित उमाकांत मिश्र, उमेश प्रताप सिंह, वीर बहादुर उर्फ बेलाल सिंह, रमेश प्रताप सिंह, लाल मिश्रा, मोहम्मद सईद एवं मोहम्मद जमालुद्दीन खान को इस मौके पर जन औषधि मिश्र सम्मान से सम्मानित किया गया।

चांदेमऊ के विमल ने यूपीएससी में पाई शानदार सफलता ऑल इंडिया रैंक 107 से बढ़ाया जिले का गौरव

रायबरेली। जिले के गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र के चांदेमऊ गांव के होनहार युवक विमल ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 107 हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे रायबरेली जिले का नाम रोशन किया है। सीमित संसाधनों के बावजूद लगातार प्रयास और दृढ़ संकल्प के बल पर मिली इस सफलता ने युवाओं के लिए प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। बताया जाता है कि विमल ने कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। पांचवें प्रयास में मिली इस सफलता ने उनके संघर्ष और धैर्य को सार्थक कर दिया। परिवार की आर्थिक सीमाओं के

बावजूद माता-पिता ने उनकी पढ़ाई में कभी बाधा नहीं आने दी और हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाते रहे।

विमल की सफलता की खबर मिलते ही चांदेमऊ गांव सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

ग्रामीणों का कहना है कि साधारण परिवेश से निकलकर इतनी बड़ी सफलता हासिल करना क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा है। विमल की यह उपलब्धि साबित करती है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो सफलता जरूर मिलती है।

इंडोर स्टेडियम में सांसद एवं विधायक खेल महोत्सव का आयोजन

देव मणि शुक्ल

नोएडा सेक्टर-21 स्थित इंडोर स्टेडियम में दो दिवसीय (07 मार्च व 08 मार्च 2026) आयोजित सांसद खेल महोत्सव एवं विधायक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन सांसद डा. महेश शर्मा एवं विधायक पंकज सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का संगम देखने को मिला, जिसमें नोएडा क्षेत्र से जूनियर, सब-जूनियर तथा छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया।सांसद एवं विधायक ने उपस्थित खिलाड़ियों से संवाद किया और उन्हें प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

आज आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, कबड्डी, वालीबॉल, कुश्ती, जूडो, वेटलिफ्टिंग, फुटबॉल तथा बैडमिंटन के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। विधायक पंकज सिंह ने खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उनके खेलों के बारे में जानकारी ली और कहा कि जो बच्चे अपने जिले और विधानसभा स्तर से आगे बढ़ेंगे, वे मंडलीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में भी भाग लेंगे।सांसद डा. महेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में सांसद खेल महोत्सव, फिट इंडिया, खेलो इंडिया तथा फिट यूथ फॉर विकसित भारत जैसे अभियानों के माध्यम से देश की युवा शक्ति खेलों के जरिए भारत के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगी।

इस आयोजन में महिपाल सिंह, जिला युवा कल्याण अधिकारी (गौतमबुद्ध नगर एवं बुलंदशहर) तथा प्रवेज अली, क्रीड़ाधिकारी गौतमबुद्धनगर एवं उक्त सभी खेलों के कोच की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सांसद खेल महोत्सव नोएडा गौतमबुद्ध नगर का समापन 08 मार्च 2026 को होगा। इस मौके पर नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, कार्यक्रम संयोजक संजय बाली, चंदगीराम यादव, उमेश त्यागी, मनीष शर्मा, डिम्पल आनंद, ओमवीर अवाना, विनोद शर्मा, मुक्तानंद प्रधान, उमेश पहलवान, मनोज चौहान, भूपेश चैधरी, राजकुमार बंसल, अमित त्यागी, घनश्याम यादव, लोकेश कश्यप, रामनिवास यादव, विपुल शर्मा, राजेश सिंह, प्रमोद बहल, गौतम शर्मा, सत्यनारायण महावर, शशीधर उपाध्याय, मनीष तिवारी, दीनबंधु कुमार कुशवाहा, प्रदीप चौहान, नीरज चैधरी, रामकिशन यादव सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

वेबिनार में बोले प्रधानमंत्री मोदी कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा देना जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'कृषि और ग्रामीण परिवर्तन' विषय पर बजट के बाद आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा से भरना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में कृषि और ग्रामीण विकास को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं और वेबिनार में सामने आए सुझाव इन प्रावधानों को तेजी से जमीन पर उतारने में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक बाजार तेजी से बदल रहे हैं और दुनिया में कृषि उत्पादों की मांग भी नए रूप में सामने आ रही है। ऐसे में भारतीय किसानों को ध्यान में रखते हुए खेती को अधिक से अधिक निर्यात उन्मुख बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत की विविध जलवायु परिस्थितियां और अनेक एग्रो-क्लाइमेटिक जोन देश को कृषि उत्पादन में विशेष बढ़त देते हैं, जिनका बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि केंद्रीय बजट में हाई-वैल्यू एग्रीकल्चर पर विशेष जोर दिया गया है। इसके तहत ऐसे कृषि उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है जिनकी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक मांग है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि केरला और तमिलनाडु के किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए इस बार नारियल उत्पादन को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। इसके अलावा पूर्वोत्तर क्षेत्र की फसलों को भी बढ़ावा देने का प्रस्ताव बजट में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बजट के प्रावधानों का पूरा लाभ देश को मिले, इसके लिए विशेषज्ञों के अनुभव और सुझाव बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बजट में आवंटित हर रुपये का लाभ वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक जल्द से जल्द पहुंचे, इसके लिए ठोस रणनीति बनानी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि, ग्रामीण कारीगर और श्रम आधारित गतिविधियां भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ भी है और इसी सोच के साथ सरकार लगातार इस क्षेत्र को मजबूत करने के प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत लगभग 10 करोड़ किसानों को अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी जा चुकी है। वहीं न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में किए गए सुधारों से किसानों को लागत से डेढ़ गुना तक लाभ मिल रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत करीब 2 लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया गया है, जिससे किसानों का जोखिम कम हुआ है और उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिली है। वेबिनार में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित संबंधित मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ भी शामिल हुए।

भारत की खुशहाली और आर्थिक मजबूती का आधार : केंद्रीय उत्पाद शुल्क

भारत की आर्थिक प्रगति के पीछे उन हजारों हाथों का योगदान है, जो देश के राजस्व को मजबूत करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। इन्हीं प्रयासों को सम्मान देने और आम जनता को कर व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 24 फरवरी को देश में एक विशेष अवसर के रूप में इस दिन को मनाया जाता है। यह समय हमारे देश की वित्तीय व्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि इसी दिन साल 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक कानून बनाया गया था। भले ही आज के दौर में टैक्स की प्रणालियां बदल गई हों और जीएसटी ने एक बड़ा स्थान ले लिया हो, लेकिन देश की तरक्की में उत्पाद शुल्क का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। एक आम नागरिक के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि आखिर टैक्स चुकाने से उसे क्या मिलता है। इसका जवाब बहुत ही सरल और सुंदर है। जब देश की फैक्ट्रियों में सामान बनता है और उस पर सरकार को शुल्क मिलता है, तो वही पैसा घूमकर समाज के कल्याण के लिए वापस आता है। हमारे गाँव और शहरों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें, अंधेरे को दूर करती बिजली की रोशनी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के आधुनिक हथियार, यह सब उसी कर के पैसे से संभव हो पाता है जो एक जिम्मेदार उद्यमी और नागरिक द्वारा चुकाया जाता है। इस प्रकार, कर का भुगतान करना केवल एक कानूनी काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्र की सेवा करने जैसा है। इसी संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि एक मजबूत कर प्रणाली ही देश की आंतरिक सुरक्षा और बाहरी खतरों से निपटने की शक्ति प्रदान करती है। जब सरकार के पास पर्याप्त संसाधन होते हैं, तभी नई तकनीकों और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर निवेश किया जा सकता है। यह राजस्व ही है जो आपदाओं के समय राहत कार्य चलाने और देश के करोड़ों गरीब परिवारों तक मुफ्त राशन और जरूरी सुविधाएं पहुँचाने में मदद करता है। बिना मजबूत वित्तीय आधार के कोई भी देश अपने नागरिकों के सपनों को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए, उत्पाद शुल्क केवल एक सरकारी उगाही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक सशक्त माध्यम भी है, जो उद्योगों से कर लेकर समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान में खर्च किया जाता है। समय के साथ सरकारी कामकाज के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। आज का दौर डिजिटल क्रांति का है और अब टैक्स चुकाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने या लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं रह गई है। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को इतना सरल और पारदर्शी बना दिया है कि कोई भी व्यापारी घर बैठे अपना हिसाब-किताब पूरा कर सकता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, बल्कि व्यापार करने में भी आसानी हुई है। यह समय उन अधिकारियों और कर्मचारियों के परिश्रम को भी सलाम करने का है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि देश का खजाना सुरक्षित रहे और कहीं भी राजस्व की चोरी न हो। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि कर के माध्यम से एकत्र किया गया धन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ईंधन की तरह काम करता है। जब हमारे उद्योग जगत में पारदर्शिता बढ़ती है, तो विदेशी निवेश भी भारत की ओर आकर्षित होता है। यह निवेश न केवल नई फैक्ट्रियां लगाता है, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। हमारी आर्थिक नीतियां तभी सफल हो सकती हैं जब राजस्व विभाग और करदाता के बीच विश्वास का एक मजबूत रिश्ता हो। यही विश्वास आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर और भी ऊंचा स्थान दिलाएगा।

रंगोत्सव होली के सियासी और सांस्कृतिक मायने

कमलेश पांडे

रंगपर्व होली भले ही भारतीय सभ्यता-संस्कृति से अनुप्राणित है, लेकिन गुलामी काल में यह पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति के सामाजिक दुष्प्रभाव से भी यह अछूती नहीं बची है। आमतौर पर यह रंगोत्सव देश-दुनिया में हंसी ठिठोली का त्योहार समझा जाता है। इस दौरान आमलोगों में रंग-गुलाल खेलने के साथ-साथ मीठे पकवानों, नमकीन मांसाहारों और नशीले पदार्थों के सेवन जैसे (भांग), द्रव्य (शराब) और गैस (गांजा) का प्रयोग बहुतायत में देखने को मिलता है जिससे लोग झूम उठते हैं।

आमतौर पर शुद्र यानी सेवक पर्व होली आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है, जब घोर दुश्मन भी एक दूसरे के गले मिलने से नहीं हिचकते हैं। बदलते जमाने के अनुरूप लोकपर्व होली का रंगोत्सव भारतीय राजनीति में व्यक्तित्व ब्रांडिंग का भी पर्याय बन चुका है। यह वसंत पर्व अब सामाजिक-राजनीतिक ध्रुवीकरण, सांप्रदायिक तनाव और चुनावी रणनीति का प्रतीक बन गया है। लोकतांत्रिक भारत में यह प्रवृत्ति वर्ष दर वर्ष गहराती जा रही है। खासकर 2026 में ही बिहार, यूपी और अन्य राज्यों में नेताओं के बड़बोले बयानों ने इसे और उभार दिया। इससे सांप्रदायिक विवाद को भी बढ़ावा मिला।

जहां बीजेपी विधायकों और अधिकारियों ने मुस्लिम समुदाय से होली पर घर में रहने या नमाज स्थगित करने की अपील की, जिससे विपक्ष ने ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुड़दंगियों पर सख्ती का संदेश दिया, जबकि बिहार में शराबबंदी पर बहस ने इसे

राजनीतिक रंग से जोड़ा। कहना न होगा कि अब ये बयान हिंदुत्व के सियासी एजेंडे को मजबूत करने की भरपूर कोशिश दिखाते हैं। इससे चुनावी रणनीति भी प्रभावित होती है। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौर में होली पर नेताओं ने रंग खेलकर वोटरों से जुड़ने की कोशिश की। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के होली बहिष्कार के ऐलान पर बीजेपी ने हिंदू विरोधी करार दिया।

देखा जाए तो ऐसे विवाद आने वाले चुनावों में सामाजिक ध्रुवीकरण का हथियार बन सकते हैं। लिहाजा इन्हें काबू में करने के लिए पुख्ता प्रशासनिक इंतजाम किये गए हैं। खासकर राज्यों में पुलिस ने सांप्रदायिक तनाव, स्टंटबाजी और अराजकता रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। सिर्फ दिल्ली में ही 15,000 जवान, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर पूरे देश में ऐसी ही निगरानी की जा रही है। ऐसे में यह सब इस महत्वपूर्ण त्योहार को शांतिपूर्ण बनाए रखने की चुनौती को भी दर्शाता है।

भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में यदि नजर डालें तो तो मौर्य काल से मुगल काल तक होली भव्यता से मनाई जाती थी, जहां अशोक और अकबर जैसे शासक खुद भी इसमें भाग लेते थे। तब भी यह सामाजिक बाधाओं को तोड़ने का अवसर था, और आज भी यह जाति-वर्ग भेद मिटाकर सामाजिक एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश देता था। आज आधुनिक समय में भी होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बनकर राजनीतिक संदेशों से जुड़ गया है। आधुनिक राजनीतिकरण की प्रवृत्ति में बीजेपी जैसे दल इसे हिंदू एकता के प्रतीक के रूप में प्रचारित करते हैं, जबकि विपक्ष बहिष्कार जैसे बयानों को ध्रुवीकरण बताता है। वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़, बिहार में नेताओं के बयानों ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है। चुनावी वर्षों में रंग खेलना वोटर जुड़ाव की रणनीति है। जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो होली अब हुड़दंग या सांस्कृतिक एजेंडे से जोड़कर देखी जाती है, जो सामूहिकता को राजनीतिक लाभ में बदल देती है। यह प्रेम-एकता का संदेश देने के बजाय धार्मिक भावनाओं को उकसाने का माध्यम बन चुका है। खासकर नेताओं द्वारा होली पर रंग लगाने की परंपरा अब आधुनिक राजनीतिक प्रचार का हिस्सा बन चुका है, जो भगवान श्रीकृष्ण द्वारा शुरू की गई पौराणिक रंग खेलने की प्रथा से अभिप्रेरित है। वर्तमान दौर में यह जनता से सीधा जुड़ाव बनाने और निज छवि सुधारने की रणनीति के तौर पर देखा जाने लगा है। पौराणिक आधार पर यदि गौर फरमाएं तो रंग लगाने की परंपरा द्वापर युग से कृष्ण-राधा लीला से जुड़ी है, जहां कृष्ण ने अपनी मां यशोदा के सुझाव पर राधा को रंग लगाकर समानता का संदेश दिया। इसलिए ब्रज क्षेत्र में यह प्रथा लोकप्रिय हुई, जो बाद में पूरे भारत में फैली है।

प्राचीन काल में प्राकृतिक रंग जैसे टेसू के फूलों से शुरू हुई यह परंपरा सामाजिक एकता का प्रतीक बनी। बाद में राजनीतिक लोगों ने भी इसे अपनाना शुरू कर दिया।आजादी के बाद नेताओं ने इसे चुनावी लाभ के लिए अपनाया; पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटल बिहारी बाजपेयी से लेकर वर्तमान नेता जैसे नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ तक रंग खेलकर जनसंपर्क बढ़ाने की परंपरा अनवरत रूप से जारी है। तमाम वृत्तांत पढ़े देखे सुने जा सकते हैं। 2026 में बिहार, यूपी में राज्यसभा चुनावों के दौरान चिराग पासवान जैसे नेताओं ने इसे वोटर जुड़ाव के हथियार बनाया। यह हिंदुत्व एजेंडे को मजबूत करने और ध्रुवीकरण का माध्यम भी बन गया।

जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो यह परंपरा दुश्मनी भुलाने का संदेश देती है, लेकिन सियासत में ध्रुवीकरण बढ़ाती है। नेताओं के रंग लगाने से पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता है, पर सांप्रदायिक विवाद भी जन्म लेते हैं। होली भारतीय संस्कृति में सामाजिक समरसता, प्रेम और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह वसंत ऋतु के आगमन के साथ नई शुरुआत और सामूहिक आनंद का उत्सव है। इससे सामाजिक एकता मजबूत होती है।

सच कहूं तो रंगों की होली जाति, वर्ग और लिंग की बाधाओं को तोड़ती है, जहां सभी एक-दूसरे को गले लगाते हैं और पुरानी कटुता भुला देते हैं। खासकर ब्रज की लठमार होली जैसी परंपराएं महिलाओं की सशक्तता और कृष्ण-राधा के प्रेम को दर्शाती हैं। यह भाईचारा और सौहार्द्र का संदेश देती है। जहां तक आध्यात्मिक महत्व की बात है तो होलिका दहन अधर्म पर धर्म की विजय दिखाता है, जो प्रह्लाद की भक्ति से प्रेरित है। यह हिरण्यकश्यप की पुत्र प्रताड़ना से मुक्ति का पर्व है।

तीसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगाँठ से पहले मोदी सरकार ने कई राज्यों में राज्यपाल पद पर फेरबदल कर दिये बड़े सियासी संकेत

नीरज कुमार दुबे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपाल तथा उपराज्यपालों की नई नियुक्तियों की घोषणा की। इस फैसले को व्यापक प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। इस बदलाव के तहत पश्चिम बंगाल, तमिल नाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना, नागालैंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और लद्दाख सहित कई स्थानों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

सबसे प्रमुख बदलाव तमिल नाडु के राज्यपाल आरएन रवि के स्थानांतरण के रूप में सामने आया है। उन्हें अब पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह सीवी आनंद बोस का स्थान लेंगे, जिन्होंने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बोस पिछले साढ़े तीन वर्ष से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे और उन्होंने दिल्ली में राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंपा।

तमिल नाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर को वहां का नया राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले वह केरल में राज्यपाल के रूप में कार्य कर रहे थे। चुनावी माहौल को देखते हुए इस नियुक्ति को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दिल्ली और लद्दाख में भी अहम बदलाव हुए हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को अब लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। संधू लंबे समय तक कूटनीतिक सेवा में रहे हैं और विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी राज्यपाल बदले गए हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को अब तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं तेलंगाना के राज्यपाल रहे जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। नागालैंड के नए राज्यपाल के रूप में बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव को जिम्मेदारी दी गई है। बिहार में भी नई नियुक्ति की गई है। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है। सेना में लंबे अनुभव वाले हसनैन सुरक्षा और रणनीति के मामलों के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन्होंने आरिफ मोहम्मद खान की जगह ली है। इस फेरबदल में हिमाचल प्रदेश के लिए भी नई नियुक्ति की गई है। लद्दाख के उपराज्यपाल रहे कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है। कविंदर गुप्ता ने

गुरुवार को लद्दाख के उपराज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल हालांकि काफी चर्चा में रहा। हम आपको याद दिला दें कि कविंदर गुप्ता को जुलाई 2025 में लद्दाख का उपराज्यपाल बनाया गया था। उनके कार्यकाल के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह शहर में हिंसक घटना हुई थी। उस दिन क्षेत्र को संवैधानिक सुरक्षा देने की मांग को लेकर चल रहा प्रदर्शन हिंसक हो गया था। हालात बिगड़ने पर पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें करगिल युद्ध का एक पूर्व सैनिक भी शामिल था। इस घटना ने देश भर में व्यापक चर्चा को जन्म दिया था। तमिल नाडु में आर एन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सरकार के बीच संबंध भी काफी तनावपूर्ण रहे। सत्तारुढ़ डीएमके ने कई बार आरोप लगाया कि राज्यपाल निर्वाचित सरकार के समानांतर राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। राज्यपाल रवि ने कई विधेयकों को मंजूरी देने में देर की थी। इसके बाद अप्रैल 2025 में उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और दस विधेयकों को प्रभावी रूप से स्वीकृत मान लिया गया। राज्यपाल रवि कई बार विधानसभा में सरकार के तैयार भाषण को पढ़े बिना ही बाहर चले गए या फिर अपने विचारों के अनुसार भाषण में बदलाव किया। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि निर्णय उन पर होता तो वे नीट से छूट देने वाले विधेयक को कभी मंजूरी नहीं देते। इन घटनाओं के कारण राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी रही।

आरएन रवि का प्रशासनिक और सुरक्षा क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। वह भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं और खुफिया ब्यूरो में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। वर्ष 2014 से 2021 के बीच वे नागा शांति वार्ता के लिए केंद्र सरकार के वार्ताकार भी रहे थे। उधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर आरएन रवि की नियुक्ति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से वे चकित और चिंतित हैं। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार से इस बारे में पहले कोई परामर्श नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह स्थापित परंपरा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कुछ राजनीतिक हितों के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो यह संविधान की भावना और देश की संघीय संरचना के लिए चिंताजनक स्थिति होगी। बहरहाल, मोदी सरकार जल्द ही अपने तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे करने वाली है। ऐसे में माना जा रहा है कि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों और बदलावों का दौर शुरू हो चुका है।

देखना होगा कि आने वाले समय में मोदी मंत्रिमंडल में क्या फेरबदल होते हैं या अन्य महत्वपूर्ण पदों पर क्या बदलाव देखने को मिलते हैं।

युद्ध देखते देखते भारत के दरवाजे तक पहुँच गया, दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता उभर कर सामने आई है क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस घटना ने न केवल श्रीलंका बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत की सामरिक स्थिति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना इस बात का संकेत है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष अब फारस की खाड़ी से निकल कर हिंद महासागर तक पहुंच गया है, जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जहां श्रीलंका के सांसद इस मुद्दे पर अपनी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वहीं भारत में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा है। हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। श्रीलंका की नौसेना को युद्धपोत से संकट संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने अब तक 87 शव बरामद किए हैं और 32 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य नाविक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और उनकी खोज के लिए अभियान जारी है। हम आपको बता दें कि यह घटना श्रीलंका के प्रमुख बंदरगाह नगर गाले से लगभग चालीस किलोमीटर दक्षिण में हुई। यह स्थान फारस की खाड़ी से काफी दूर है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष चल रहा है। इसलिए इस घटना ने यह संकेत दिया है कि समुद्री संघर्ष का दायरा तेजी से फैल रहा है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के माध्यम से कहा है कि दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ईरान का युद्धपोत हिंद महासागर में डूबने की घटना यह दर्शाती है कि यह संघर्ष अब भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में देश को मजबूत और संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक स्वायत्तता को बनाए रखना इस समय अत्यंत आवश्यक है। दूसरी ओर, श्रीलंका के सांसद नामल राजपक्षे ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह केवल श्रीलंका की ही नहीं

बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना है कि युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर चल रहा हो, लेकिन उसके प्रभाव अब हिंद महासागर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के तट से लगभग चालीस किलोमीटर दूर इस प्रकार की सैन्य गतिविधि यह दर्शाती है कि वैश्विक शक्तियों का संघर्ष अब इस समुद्री क्षेत्र तक फैल रहा है। श्रीलंकाई सांसद नामल राजपक्षे ने श्रीलंका की सरकार से यह भी सवाल किया है कि क्या उसे इस सैन्य कार्रवाई की पहले से जानकारी थी? उनका कहना है कि सरकार को देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस हमले से पहले अवगत थी या नहीं? उन्होंने कहा कि यदि सरकार को पहले से जानकारी थी तो उसे यह बताना चाहिए कि ऐसी गतिविधि को लेकर कौन से कदम उठाए गए?

उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रीलंका को इस प्रकार की सैन्य गतिविधि की सूचना नहीं दी गई थी तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे छोटे देशों की समुद्री संप्रभुता और सुरक्षा पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े देश की सैन्य कार्रवाई श्रीलंका के आसपास के जल क्षेत्र में होती है तो इस पर खुली चर्चा और पारदर्शिता आवश्यक है। राजपक्षे ने दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापक संवाद की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों को मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रत्येक देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि बड़े देशों के बीच संघर्ष छोटे देशों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैलता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद एक ईरानी युद्धपोत को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की नौसैनिक शक्ति को सीमित करना उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण भाग है। देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है। इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है। साथ ही इस घटना से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि समुद्र के विशाल क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे हिंद महासागर आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है। बहरहाल, श्रीलंका के निकट हुई यह घटना इस बात का संकेत है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब व्यापक समुद्री क्षेत्र तक फैल सकता है। ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के लिए आवश्यक है कि वह मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें और संभावित संकटों के लिए तैयार रहें।

दिलों से जुड़ी प्रेरक भावनाओं का पर्व है होली

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। बदलती युग-सोच एवं जीवनशैली से होली त्योहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति एवं परम्परा हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती हैं। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक उन्नत आत्मउन्नयन एवं सौहार्द का माहौल बनाएं, जहां हमारी संस्कृति एवं जीवन के रंग खिलखिलाते हुए देश ही नहीं दुनिया में अहिंसा, प्रेम, भाई-चारे, साम्प्रदायिक सौहार्द के रंग बिखेरें। पर्यावरण के प्रति उपेक्षा एवं प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाएं।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, होली फाल्गुन महीने की पूर्णिमा को मनाई जाती है। यह वसंत ऋतु के आगमन का जश्न है। इस वर्ष होली पर अनेक शुभ योग बनने से होली का महत्व अधिक है। सर्वार्थसिद्धि योग, रवि योग, धनशक्ति योग, बुधादित्य योग मिलाकर बनते हैं पंच महायोग। कुंभ राशि में शनि, मंगल और शुक्र ग्रह होने से बनते हैं त्रिग्रही योग। इस बार होली पर रहने वाली है चंद्र ग्रहण की छाया, जिससे कुछ राशियों को मिलेगा शुभ परिणाम। इस प्रकार समस्त बड़े-छोटे, सूक्ष्म और वृहत् योग 340 वर्षों बाद प्राप्त हो रहे हैं, जो विशेष फलदायी, शुभ एवं नवीन उत्सवमयी होने का सूचक हैं। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट् समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। वस्तुतः होली आनंदोल्लास का पर्व है।

होली की परम्पराएँ श्रीकृष्ण की लीलाओं से सम्बद्ध हैं और भक्त हृदय में विशेष महत्व रखती हैं। श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर होली का रंगभरा और रंगीनीभरा त्यौहार मनाना एक विलक्षण अनुभव है। मंदिरों की नगरी वृन्दावन में फाल्गुन शुक्ल एकादशी का विशेष महत्व है। इस दिन यहाँ होली के रंग खेलना परम्परागत रूप में प्रारम्भ हो जाता है। मंदिरों में होली की मस्ती और भक्ति दोनों ही अपनी अनुपम छटा बिखेरती है। होली जैसे त्यौहार में जब अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, ब्राह्मण-शूद्र आदि सब का भेद मिट जाता है, तब ऐसी भावना करनी चाहिए कि होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ाएँ दुःख, चिंताएँ, द्वेष-भाव आदि जल जाएँ तथा जीवन में प्रसन्नता, हर्षोल्लास तथा आनंद का रंग बिखर जाए। होली का कोई-न-कोई संकल्प हो और यह संकल्प हो सकता है कि हम स्वयं शांतिपूर्ण एवं स्वस्थ जीवन जीये और सभी के लिये शांतिपूर्ण एवं निरोगी जीवन की कामना करें। ऐसा संकल्प और ऐसा जीवन सचमुच होली को सार्थक बना सकते हैं। होली शब्द का अंग्रेजी भाषा में अर्थ होता है पवित्रता। पवित्रता प्रत्येक व्यक्ति को काम्य होती है और इस त्योहार के साथ यदि पवित्रता की विरासत का जुड़ाव होता है तो इस पर्व की महत्ता शतगुणित हो जाती है। प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान करते हुए आत्मिक खुशी का जरिया भी बनाये। जीवन को हर रंग में जीने और स्वीकारने की कला सबको नहीं आती। उसके लिए जरूरत होती है, एक मस्तमौला नजरिए की। समुद्र से मिलने को तत्पर, मीलों बहती रहने वाली नदी की ऊर्जा की। ऊर्जा और आनंद के इसी मेल का प्रतीक है होली का त्यौहार, जो लगातार बदलते रहने के बावजूद बना रहता है, ध्रुव है, सत्य है। जितने रंग प्रकृति के हैं, उतने ही हमारे हैं और प्रकृति हर पल रंग बदलती है। पुरानी पत्तियां शाख छोड़ती नहीं हैं कि नई खिलनी शुरू हो जाती हैं। पतझड़ और बसंत साथ ही चलते रहते हैं। धरती के भीतर के घुप अंधेरों को चीर कर बाहर निकला बीज, फूल, शाख, पत्तियां और फल के रंग धर लेता है। उगने, डूबने, खिलने, फैलने, मिलने, सूखने, झड़ने, चढ़ने, उतरने और खत्म होने का हर रंग प्रकृति में है और है होली के मनभावन पर्व में। पर प्रकृति हो या होली इनसे उदासीन हम, कुछ ही रंगों में सिमट जाते हैं। गिले-शिकवों, उदासी, तेरे-मेरे, क्रोध और कुंठा में ही अटक जाते हैं। नतीजा, जिंदगी में तनाव और उदासी घिरने लगती है। होली जैसे त्यौहारों के बावजूद जीवन के सारे रंग फिके पड़ रहे हैं। न कहीं आपसी विश्वास रहा, न किसी का परस्पर प्यार, न सहयोग की उदात्त भावना रही, न संघर्ष में एकता का स्वर उठा। बिखराव की भीड़ में न किसी ने हाथ थामा, न किसी ने आग्रह की पकड़ छोड़ी। यूँ लगता है सब कुछ खोकर विभक्त मन अकेला खड़ा है फिर से सब कुछ पाने की आशा में। कितनी झूठी है यह प्रतीक्षा, कितनी अर्थ शून्य है यह अगवानी।

हम भी भविष्य की अनगिनत संभावनाओं को साथ लिए आओ फिर से एक सचेतन माहौल बनाएँ। उसमें सच्चाई का रंग भरने का प्राणवान संकल्प करें। होली के लिए माहौल भी चाहिए और मन भी चाहिए, ऐसा मन जहाँ हम सब एक हों और मन की गंदी परतों को उखाड़ फेकें ताकि अविभक्त मन के आइने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। कलाकार एमी ग्रेंट के अनुसार, 'काला रंग गहराई देता है। इसे मिलाए बिना किसी वास्तविकता को रचा नहीं जा सकता।' जीवन में सुख-दुख दोनों हैं। दोनों एक-दूसरे में बदलते रहते हैं। हमें सुख अच्छा लगता है और दुख में हम घबरा उठते हैं। सारी कोशिशें ही दुखों से बचने की होती हैं। होली का अवसर भी सारे दुःखों को भूलकर स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का अवसर है।

होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है। यह मन और मस्तिष्क को परिष्कृत करता है। न्यूरोबायोलिस्ट और रिसर्चर सेमिर जैक कहते हैं, 'मस्तिष्क में प्यार और नफरत को जनरेट करने वाली वायरिंग एक ही होती है।' इस भावना की कुछ अलग तरह से व्याख्या करते हैं लेखक और समाजशास्त्री पेजिल पामरोज, 'प्रेम आत्मा के स्तर पर होता है और नफरत भावना के स्तर पर।' होली प्रेम एवं संवेदनाओं को जीवंतता देने का दुर्लभ अवसर है। यह नफरत को प्यार में बदल देता है। यह पर्व बाहरी दुनिया में मौज-मस्ती का अवसर ही नहीं देता, बल्कि भीतरी दुनिया का साक्षात्कार भी कराता है। महान् दार्शनिक संत आचार्य महाप्रज्ञ ने प्रेक्षाध्यान के माध्यम से विभिन्न रंगों की साधना कराते हुए आत्मा को उजालने एवं भीतरी दुनिया को उन्नत बनाने की विधि प्रदत्त की है। रोमन सम्राट व चिंतक मार्क्स ऑरेलियस ने कहा भी है, 'मन के विचारों में रंगी होती है आत्मा।' जैन दर्शन भी कहता है कि जैसे विचार होते हैं, वैसे ही कर्म परमाणु आत्मा से चिपक जाते हैं। आत्मा के तमाम रंगों तक पहुंचने की हमारी यात्रा मन से होकर गुजरती है। हमें अपने विचारों को सही रखना होता है। उसमें दूसरों के लिए जगह छोड़नी होती है। नकारात्मक ऊर्जा के नुकसान से बचने के लिए होली के रंगों में सराबोर होना, रंगों का ध्यान करना, अपनी पर्वमय संस्कृति से रू-ब-रू होना फायदेमंद साबित होता है।

..तो रोज करें एक्सरसाइज

चेहरे पर जमा चर्बी या डबल चिन न सिर्फ आपके लिए मोटापे का अलार्म है बल्कि यह आपके व्यक्तित्व की रौनक खत्म कर देता है। इसे छिपाने के लिए आप कितना ही मेकअप क्यों न थोपें, इनसे हमेशा केलिए छुटकारा पाना आसान नहीं है। जानिए ऐसी कसरतों के बारे में जो आपके चेहरे पर जमा फैटस को कम करने में आपकी मदद करेंगी। हाँ, इनके साथ सही दिनचर्या और सेहतमंद खानपान को तरजीह देना कतई न भूलें। **मुस्कान को स्ट्रेच करें**: यह कसरत बेहद आसान है। इसे करने के लिए पहले मुस्कराएं और फिर मुस्कान के दोनों छोरों को उंगलियों की मदद से स्ट्रेच करें। कुछ सेकंड बाद छोड़ दें। इसे पांच से आठ बार दोहराएं। **गुब्बारा फुलाएं**: गहरी सांस लें और मुंह में इतनी हवा भरें जैसे गुब्बारा फुलाने के लिए मुंह में हवा भरते हैं। पांच सेकंड तक इसी मुद्रा में रहें। अब पांच सेकंड तक दाएं गाल को दबाएं और फिर बाएं गाल को। फिर सामान्य मुद्रा में आ जाएं। इस प्रक्रिया को पांच से आठ बार दोहराएं। **लॉयन फेस**: इसे करने के लिए मुंह जितना खोल सकते हैं खोलें, सांस बाहर छोड़ें। आंखें जितनी खोल सकें खोलें। दो से तीन मिनट तक इसी अवस्था में रहें। इसके बाद सामान्य मुद्रा में आकर गहरी लंबी सांस लें। **आसान उपाय, घटाएंगे पेट की चर्बी** : पेट पर जमा होती चर्बी न सिर्फ आपकी फिट बॉडी पर ग्रहण की तरह दिखती है बल्कि सेहत के लिए भी किसी ग्रहण से कम नहीं है। पेट की बढ़ती चर्बी और वजन पर ब्रेक लगाने का इरादा अगर आप घंटों एक्सरसाइज और डाइटिंग पर मशक्कत के डर से नहीं बना पा रहे हैं ?तो अपने वेट लॉस के प्लान में इन पांच आसान उपायों को शामिल करें, फायदा आप खुद महसूस करेंगे। **क्रंच पर पसीना बहाना छोड़ें** :अधिकतर लोग अगर ऐसा सोचते हैं कि जिम में जाकर घंटों तक क्रंच लगाने से ही पेट की चर्बी जाएगी तो इस गफलत से बाहर निकलें। ऐसे भी कई वर्कआउट हैं जिन्हें अगर आप रोज 15 से 20 मिनट भी अपने रुटीन में शामिल करें तो यकीनन आप अपनी तोंद कम कर सकेंगे। पिलाटे, सूर्य नमस्कार, योग, स्टेबिलिटी बॉल जैसे कई आसान वर्कआउट पेट की चर्बी कम करने का प्रभावी माध्यम हैं। **समय पर खाना खाएं** : खाने में ये लें या न लें जितना जरूरी है उससे कहीं अधिक जरूरी है कि खाना हमेशा सही समय पर खाएं। द जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म में प्रकाशित शोध की मानें तो रोज नियत समय पर भोजन करने से शरीर में वे हार्मोन कम बनते हैं जो आपको बार-बार भूख लगाने में बड़ा रोल निभाते हैं। **डाइट में बढ़ाएं ये एन्जाइम्स** : ब्रोमेलियन नामक एन्जाइम पेट की चर्बी कम करने में अहम भूमिका निभाता है। अनानास में यह अच्छी मात्रा में होता है। यह भोजन में प्रोटीन और फाइबर को पचाने में भी मदद करता है जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म सही रहता है। **रिफाइंड अनाज के बदले मोटा अनाज लें** : अगर आपकी पुरानी पीढ़ी घर की बनी बाजरे की रोटी या चक्की से निकले दरदरे आटे को सेहत की चाबी मानती है तो वे गलत नहीं हैं। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में भी माना गया है कि बारीक या रिफाइंड अनाज के बजाय मोटा अनाज पेट की चर्बी को कम करने में अधिक असरदार है। **भरपूर नींद लें** : चर्बी घटाने में स्ट्रेस हार्मोन का भी बड़ा महत्व है। मायो क्लीनिक में प्रकाशित शोध के अनुसार जो लोग रोज संतुलित नींद लेते हैं उनमें स्ट्रेस हार्मोन कम बनते हैं जिससे शरीर में फैटस कम होता है।

त्वचा को इस तरह हमेशा बनाए रख सकती हैं एकदम जवाँ

स्किन की नेचुरल ब्यूटी को बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि उसकी अतिरिक्त देखभाल की जाए। आमतौर पर महिलाएं स्किन की देखभाल के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्टस का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन लंबे समय तक लगातार ब्यूटी प्रॉडक्टस का इस्तेमाल करने से उसमें मौजूद केमिकल्स स्किन को फायदा कम और नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो नेचुरल तरीकों से भी अपनी स्किन का ख्याल रख सकती हैं। ऐसी ही एक चीज है ओटमील। इसकी मदद से तैयार किया गया फेस पैक आपकी स्किन की हर समस्या को दूर करके एक निखरी त्वचा प्रदान करता है.. **बादाम और ओटमील** : इस पैक को बनाने के लिए आप सबसे पहले दो-तीन बादाम लेकर उसे क्रश करें। अब इसमें करीबन दो टेबलस्पून दूध मिलाएं। अब आप इसमें ओटस मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाकर करीबन 10-15 मिनट के लिए यूं ही छोड़ दें। अब आप साफ पानी से चेहरा वॉश कर लें। यह फेस पैक हर स्किन टाइप के लिए अच्छा माना जाता है। चूंकि यह टैनिंग कम करने के साथ-साथ स्किन को ब्राइटेन करता है, इसलिए आप इस पैक को गर्मी व मानसून में आसानी से अप्लाई कर सकती हैं। **बेसन व ओटस** : बेसन को तो सालों से बतौर पैक इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे में अगर इसमें ओटस मिलाकर लगाया जाए तो आपको दोगुना लाभ मिलता है। बेसन व ओटस फेस पैक हर स्किन के लिए है। यह स्किन को भीतर से साफ करने के साथ-साथ उसे स्मूद भी बनाता है। इस पैक को बनाने के लिए आप एक टेबल स्पून बेसन लेकर उसमें एक टेबलस्पून ओटस व एक टीस्पून शहद मिलाएं। अब इसे स्मूद बनाने के लिए इसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिलाएं। अब आप इस पैक को चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। अंत में आप पानी की मदद से चेहरा वॉश कर लें। **ओटस व शहद** : अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप ओटस व शहद का फेस पैक चेहरे पर अप्लाई कर सकती हैं। इस पैक को बनाने के लिए आप दो टेबलस्पून ओटमील लेकर उसमें एक टेबलस्पून शहद मिलाएं।

प्लास्टिक कचरे से गहराता संकट

प्लास्टिक ज़िन्दगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। अमूमन हर चीज़ के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल हो रहा है, वो चाहे दूध हो, तेल, घी, आटा, चावल, दालें, मसालें, कोल्ड ड्रिंक, शर्बत, सनैक्स, दवायें, कपड़े हों या फिर ज़रूरत की दूसरी चीज़ें सभी में प्लास्टिक का इस्तेमाल हो रहा है। बाज़ार से फल या सब्ज़ियां ख़रीदो, तो वे भी प्लास्टिक की ही थैलियों में ही मिलते हैं। प्लास्टिक के इस्तेमाल की एक बड़ी वजह यह भी है कि टिन के डिब्बों, कपड़े के थैलों और काग़ज़ के लिफ़ाफ़ों के मुक़ाबले ये सस्ता पड़ता है। पहले कभी लोग राशन, फल या तरकारी ख़रीदने जाते थे, तो प्लास्टिक की टोकरियां या कपड़े के थैले लेकर जाते थे। अब ख़ाली हाथ जाते हैं, पता है कि प्लास्टिक की थैलियों में सामान मिल जाएगा। अब तो पत्तल और दोनो की तर्ज़ पर प्लास्टिक की प्लेट, गिलास और कप भी ख़ूब चलन में हैं। लोग इन्हें इस्तेमाल करते हैं और फिर कूड़े में फेंक देते हैं। लेकिन इस आसानी ने कितनी बड़ी मुश्किल पैदा कर दी है, इसका अंदाज़ा अभी जनमानस को नहीं है। दरअसल, प्लास्टिक कचरा पर्यावरण के लिए एक गंभीर संकट बन चुका है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक़ देश में सबसे ज़्यादा प्लास्टिक कचरा बोतलों से आता है। साल 2015-16 में करीब 900 किलो टन प्लास्टिक बोतल का उत्पादन हुआ था। राजधानी दिल्ली में अन्य महानगरों के मुक़ाबले सबसे ज़्यादा प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। साल 2015 के आंकड़ों की मानें, तो दिल्ली में 689.52 टन, चेन्नई में 429.39 टन, मुंबई में 408.27 टन, बेंगलुरु में 313.87 टन और हैदराबाद में 199.33 टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। सिर्फ़ दस फ़ीसद प्लास्टिक कचरा ही रि-साइकिल किया जाता है, बाक़ी का 90 फ़ीसद कचरा पर्यावरण के लिए नुक़सानदेह साबित होता है। रि-साइक्लिंग की प्रक्रिया भी प्रदूषण को बढ़ाती है। रि-साइकिल किए गए या रंगीन प्लास्टिक थैलों में ऐसे रसायन होते हैं, जो ज़मीन में पहुंच जाते हैं और इससे मिट्टी और भूगर्भीय जल विषैला बन सकता है। जिन उद्योगों में पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर तकनीक वाली रि-साइकिलिंग इकाइयां नहीं लगी होतीं। उनमें रि-साइक्लिंग के दौरान पैदा होने वाले विषैले धुएं से वायु प्रदूषण फैलता है। प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है, जो सहज रूप से मिट्टी में घुल-मिल नहीं सकता। इसे अगर मिट्टी में छोड़ दिया जाए, तो भूगर्भीय जल की रिचार्जिंग को रोक सकता है। इसके अलावा प्लास्टिक उत्पादों के गुणों के सुधार के लिए और उनको मिट्टी से घुलनशील बनाने के इरादे से जो रासायनिक पदार्थ और रंग आदि उनमें आमतौर पर मिलाए जाते हैं, वे भी अमूमन सेहत पर बुरा असर डालते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि प्लास्टिक मूल रूप से नुक़सानदेह नहीं होता, लेकिन प्लास्टिक के थैले अनेक हानिकारक रंगों, रंजक और अन्य तमाम प्रकार के अकार्बनिक रसायनों को मिलाकर बनाए जाते हैं। रंग और रंजक एक प्रकार के औद्योगिक उत्पाद होते हैं, जिनका इस्तेमाल प्लास्टिक थैलों को चमकीला रंग देने के लिए किया जाता है। इनमें से कुछ रसायन कैंसर को जन्म दे सकते हैं और कुछ खाद्य पदार्थों को विषैला बनाने में सक्षम होते हैं। रंजक पदार्थों में कैडमियम जैसी जो धातुएं होती हैं, जो सेहत के लिए बेहद नुक़सानदेह हैं। लम्बे समय तक जस्ता के इस्तेमाल से मस्तिष्क के ऊतकों का क्षरण होने लगता है। हालांकि पर्यावरण और वन मंत्रालय ने रि-साइकिंल्ड प्लास्टिक मैन्यूफैक्चर एंड यूसेज़ रूल्स-1999 जारी किया था। इसे 2003 में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम-1968 के तहत संशोधित किया गया है, ताकि प्लास्टिक की थैलियों और डिब्बों का नियमन और प्रबंधन सही तरीक़े से किया जा सके। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने धरती में घुलनशील प्लास्टिक के 10 मानकों के बारे में अधिसूचना जारी की थी।

भारत की वो रहस्यमय गुफाएं जिनका हैं पुरातात्विक महत्व

एलोरा गुफा को एल्लोरा के नाम से भी जाना जाता है लेकिन इसका मूल नाम वेरुल है। एलोरा की गुफा एक पुरातात्विक स्थल है, यह महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित है। इन्हें राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा बनवाया गया था। अपनी स्मारक गुफाओं के लिए प्रसिद्ध, एलोरा युनेस्को द्वारा घोषित एक विश्व धरोहर स्थल है। **अजंता की गुफाएं** : अजंता की गुफाओं में बौद्ध धर्म द्वारा प्रेरित और उनकी करुणामय भावनाओं से भरी हुई शिल्पकला और चित्रकला पाई जाती है, जो मानवीय इतिहास में कला के उत्कृष्ट और अनमोल समय को दर्शाती है। बौद्ध तथा जैन सम्प्रदाय द्वारा बनाई गई ये गुफाएं सजावटी रूप से तराशी गई हैं। महाराष्ट्र में औरंगाबाद शहर से लगभग 107 किलोमीटर की दूरी पर अजंता की ये गुफाएं पहाड़ को काट कर विशाल घोड़े की नाल के आकार में बनाई गई हैं। **बोरा गुफाएं** : दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में बेलम व बोरा गुफाएं प्रसिद्ध हैं। बोरा गुफाएं विशाखापट्टनम से 90 किलोमीटर की दूरी पर हैं। गुफाएं क्षैतिज विमान पर 100 मीटर और ऊर्ध्वाधर विमान पर लगभग 75 मीटर के साथ खुलती हैं। **बेलम गुफाएं** : आंध्र के कुरनूल से 106 किलोमीटर दूर बेलम गुफाएं स्थित हैं। मेघालय की गुफाओं के बाद ये भारतीय उपमहाद्वीप की दूसरी सबसे बड़ी प्राकृतिक गुफाएं हैं। इन्हें मूल रूप से तो 1854 में एचबी फुटे ने खोजा था लेकिन दुनिया के सामने 1982 में यूरोपीय गुफा विज्ञानियों की एक टीम ने इन्हें मौजूदा स्वरूप में पेश किया। **उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएं** : उदयगिरि और खंडगिरि ओडीशा में भुवनेश्वर के पास स्थित दो पहाड़ियाँ हैं। इन पहाड़ियों में आंशिक रूप से प्राकृतिक व आंशिक रूप से कृत्रिम गुफाएँ हैं जो पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व की हैं। हाथीगुम्फा शिलालेख में इनका वर्णन कुमारी पर्वत के रूप में आता है। ये दोनों गुफाएं लगभग दो सौ मीटर के अंतर पर हैं और एक दूसरे के सामने हैं। ये गुफाएं अजन्ता और एलोरा जितनी प्रसिद्ध नहीं हैं, लेकिन इनका निर्माण बहुत सुंदर ढंग से किया गया है। **बादामी गुफा** : कर्नाटक के बगलकोट जिले की ऊंची पहाड़ियों में स्थित बादामी गुफा का आकर्षण अद्भुत है। बादामी गुफा में निर्मित हिंदू और जैन धर्म के चार मंदिर अपनी खूबसूरत नक्कागशी, कृत्रिम झील और शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध हैं। बादामी गुफा में दो मंदिर भगवान विष्णु और एक भगवान शिव को समर्पित है और चौथा जैन मंदिर है। गुफा तक जाती सीढ़ियां इसकी भव्यता में चार चांद लगाती हैं। **अमरनाथ गुफा** : अमरनाथ हिन्दुओं का एक प्रमुख तीर्थस्थल है। यहाँ की प्रमुख विशेषता पवित्र गुफा में बर्फ से प्राकृतिक शिवलिंग का निर्मित होना है। प्राकृतिक हिम से निर्मित होने के कारण इसे स्वयंभू हिमानी शिवलिंग भी कहते हैं।

व्यायाम शुरू करने से पहले जरूर करें वार्मअप एक्सरसाइज

आपने अक्सर देखा होगा कि कुछ लोग जब जिम में एक्सरसाइज करने जाते हैं तो सीधे ही ट्रेडमिल पर चढ़ जाते हैं। लेकिन व्यायाम का यह तरीका गलत है। इसके कारण कभी-कभी आपकी मांसपेशियों में खिंचाव आ जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप एक्सरसाइज शुरू करने से पहले बॉडी को उसके लिए तैयार करें। इसके लिए थोड़ा वार्मअप करना बेहद आवश्यक है। यह वार्मअप एक्सरसाइज आपकी मांसपेशियों में रक्त संचार बढ़ाकर आपकी बॉडी को हल्का गर्म करती है, जिसके कारण आप न सिर्फ बेहतर तरीके से व्यायाम कर पाते हैं, बल्कि इससे आपके चोटिल होने की संभावना भी काफी हद तक कम हो जाती है। तो चलिए जानते हैं इन वार्मअप एक्सरसाइज के बारे में- **रस्सी कूदना** : बॉडी को गर्म करने के लिए रस्सी कूदना एक अच्छा विचार है। इसे आप बतौर वार्मअप एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज को करने के लिए आप एक बात का खास ख्याल रखें कि शुरूआत में आप धीरे-धीरे ही रस्सी कूदें। आप चाहें तो शुरू में महज एक ही पैर का इस्तेमाल करें और बाद में आप दोनों पैरों का प्रयोग कर सकते हैं। **स्पीड वॉक** : स्पीड वॉक को भी एक अच्छी वार्मअप एक्सरसाइज माना जाता है। चहलकदमी करते समय आप शुरूआत छोटे कदमों से ही करें। कुछ देर बाद आप अपनी रफ्तार बढ़ाएं। स्पीड वॉक के दौरान कुछ लोग धीरे-धीरे रनिंग करना शुरू कर देते हैं लेकिन आप ध्यान रखें कि आपको स्पीड में वॉक ही करना है। **फुल बॉडी स्ट्रेच** : यह एक्सरसाइज भी व्यायाम के शुरूआत में की जा सकती है। फुल बॉडी स्ट्रेच से आपकी बॉडी की हर मसल्स में लचीलापन आता है और आपकी बॉडी एक्सरसाइज के लिए तैयार हो जाती है। फुल बॉडी स्ट्रेच के लिए आप सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। इस दौरान अपनी कमर व गर्दन को सीधा रखें। अब आप अपने हाथ को सिर के ऊपर रखें और सांस लेते हुए धीरे-धीरे पूरे शरीर को ऊपर की ओर खींचे। जब आप ऐसा कर रहे होंगे तो आपको अपने पैर की उंगलियों से लेकर हाथों की उंगलियों तक खिंचाव महसूस होगा। अब आप कुछ क्षण इसी अवस्था में रहें। अब आप सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे पहले की ही तारह सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब आप चार से पांच बार ऐसा करें। **नीअप** : नीअप करने से आपके पैरों को काफी लाभ मिलता है। एक्सरसाइज की शुरूआत में आप इसका अभ्यास करें। इसके लिए आप सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और अपनी पीछ को सीधा रखें। अब आप बारी-बारी अपने एक-एक पैर को घुटने से मोड़कर ऊपर उठाएं और उसके विपरीत तरफ वाले हाथ से उसे छुएं और वापस पैर नीचे ले जाएं। वार्मअप के लिए आप करीबन दोनों पैरों से 20-20 के दो सेट का अभ्यास करें।

मेडिटेशन के हैं फायदे अनेक, सभी दर्दों का इलाज हो जाएगा

कहते हैं कि समय का पहिया किसी के लिए नहीं रूकता। समय के साथ जैसे-जैसे उम्र बढ़ने लगती है, मनुष्य को बहुत सी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। खासतौर से, वर्तमान युग की जीवनशैली को देखते हुए कम उम्र में ही ढेरों बीमारियां भी मनुष्य के शरीर को अपना घर बना लेती हैं। इन सब परेशानियों से निजात पाने के लिए आपको महंगे व दर्दनाक ट्रीटमेंट करवाने पड़ते हैं। लेकिन यदि आप मेडिटेशन का सहारा लें तो आपको बिना किसी दर्द के अपनी सभी मर्ज का इलाज मिल जाएगा। मेडिटेशन आपके सिर्फ तन को ही नहीं, बल्कि मन को चुस्त-दुरूस्त बनाकर आपको हर तरह से फिट बनाता है। इसे कहते हैं हींग लगे न फिटकरी और रंग भी चोखा। **फायदों की खान** : मेडिटेशन एक ऐसी दवा की तरह काम करता है, जिसके जरिए बाहरी व भीतरी हर तरह के मर्ज का इलाज किया जा सकता है। इसके फायदों की तो कोई गिनती ही नहीं है। इससे आपकी एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही इससे दिमाग भी तेज और एक्टिव होता है। यह आपके एजिंग के साइन्स को कम करके आपको लंबे समय तक जवां बनाता है।

ये काम करने से आपके जीवन में होगा सब कुछ ठीक

अकसर लोगों को भ्रम हो जाता है कि उनका शरीर और दिमाग एक प्रकार का दीया है, जिसमें उनके विचारों, भावनाओं और क्रियाओं से प्रकाश उत्पन्न होता है। लेकिन मेरा मानना है कि हम ऊर्जा हैं, जो अपने विचारों और भावनाओं रूपी दीये से प्रकाश पैदा करते हैं। **गहरी सांस लें** : किसी तनावपूर्ण स्थिति में अकसर हमारे दिमाग और शरीर में तालमेल खत्म हो जाता है। ऐसी स्थिति में अपने विचारों पर से ध्यान हटाकर उसे अपने शरीर पर केंद्रित करें। कोई भी एहसास हमारे शरीर में लगभग 90 सेकेंड तक ही जीवित रहता है। अगर उसी समयावधि में हम उस पर काबू पा लेते हैं तो वह हमें प्रभावित नहीं कर पाता। इसलिए तनाव की स्थिति में दस तक गिनकर गहरी सांस लें और धीरे-धीरे बाहर छोड़ें। फिर अपने सीने पर हाथ रख कर सांसों को संयमित करें। **विचारों के कारण को पहचानें** : जब गहरी सांसों द्वारा आप अपने विचारों पर काबू पा लें तो उन कारणों को पहचानने की कोशिश करें, जो तनाव की स्थिति उत्पन्न करते हैं। कारण कोई भी हो सकता है। यदि आप तमाम प्रयासों के बावजूद भी अपना वजन कम नहीं कर पा रहे, तो यह तनावपूर्ण स्थिति पैदा कर सकता है। या फिर सोशल मीडिया पर दूसरों की पोस्ट पढ़ने से भी तनाव होता है। सेहत और रिश्तों से जुड़ी बातें भी तनाव देती हैं। आपके साथ क्या कारण है, ये आपको पहचानना है। **तनाव के कारणों को तौलें** : शांत दिमाग से स्वयं से पूछें कि जिन बातों पर आपको गुस्सा आ रहा है या चिंता हो रही है, क्या वास्तव में वे चीजें बहुत जरूरी हैं? कहीं आप अकारण ही तनाव तो नहीं झेल रहे? अकसर हम हालात को अपने मन मुताबिक ही समझने लगते हैं, जबकि सच कुछ और ही होता है। कभी-कभी हमें मालूम होता है कि कुछ घटनाओं को घटित होने से हम नहीं रोक सकते, ऐसे में व्यर्थ तनाव लेने का कोई लाभ नहीं होता। **जो अच्छा लगता है, वही करें** : हम सबके जीवन में कुछ न कुछ ऐसा अवश्य होता है, जो तमाम चिंताओं के बावजूद हमें सुकून और आनंद देता है। अपने जीवन के खुशनुमा पलों की तरफ ध्यान लगाएं। अपनी पसंद का संगीत सुनें, कोई अच्छी किताब पढ़ें या फिर किसी दोस्त से मिलें। ऐसा कुछ करें जिसे करने से आपको शांति मिले और तनाव खत्म हो। इस तरह आप तनाव में खुद को संयमित रख पाएंगे। **बुरे विचारों पर लगाए लगाम** : सोचना दरअसल हमारे पाचन तंत्र की तरह काम करता है। मतलब यह है कि जिस प्रकार हमारे द्वारा ग्रहण किया गया भोजन पचना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, उसी तरह दिमाग में हमेशा कोई ना कोई विचार आना भी एक ऐसी क्रिया है, जिसे हम रोक नहीं सकते।

नहीं तो हो जाएंगी हड्डियां कमजोर

अमेरिकी या ब्रिटिश लोगों की तुलना में भारतीय लोगों की हड्डियां पारंपरिक रूप से कमजोर और विकृत होती हैं और भारतीयों में ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डी विकार) होने का खतरा अधिक रहता है भारत में घुटनों की सर्जरी का स्वरूप अमेरिका की सर्जरी से बिल्कुल अलग है। भारतीय उपमहाद्वीप में लोगों के घुटने की हड्डियां कमजोर होती हैं। अमेरिकी लोगों में ऐसा देखने को नहीं मिलता वहां पर लोगों के घुटने की हड्डी का आकार भी यहां के लोगों की तुलना में बड़ा होता है। इसका एक कारण यह है कि भारत में लोग घुटने के दर्द या बीमारी को नजरअंदाज करते हैं और बिल्कुल अंत समय में सर्जरी का विकल्प चुनते हैं। कमजोर हड्डियों का दूसरा बड़ा कारण नियमित व्यायाम की कमी है। भारतीय लोग शारीरिक गतिविधियों को नजरअंदाज करते हैं जिससे हड्डियां कमजोर होती हैं और बाद में तकलीफ बढ़ती है। पश्चिमी देशों में लोग स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा सचेत होते हैं और नियमित रूप से व्यायाम आदि करते हैं, इसलिए उनकी हड्डियां मजबूत और उच्चतम गुणवत्ता वाली होती हैं। प्रतिदिन वॉक करें। अगर हो सके तो फुटबॉल खेलें यह एक प्रकार का एक्सरसाइज ही है। ऑफिस में या कहीं भी जाएं तो लिफ्ट के बदले सीढियों का इस्तेमाल करें।अपने कुत्ते को वॉक पर खुद लेकर जाएं। बच्चों के साथ खेलें, लॉन में नंगे पांव चलें, घर के आसपास पेड़ पौधे लगाऐं, यानि कि वो सब करें जिनसे आप खुद को एक्टिव रख सकें। ऐसी जगह एक्सरसाइज न करें जहां भीड़भाड़ ज्यादा हो।तले-भुने भोजन, और अन्य फैटी चीजों से परहेज करें यह बहुत से बीमारियों की जड़ होती है। विशेषज्ञों के अनुसार तनाव कम करने के लिए सकारात्मक विचार बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। तनाव कम करने के लिए रोज कम से कम आधा घंटा ऐसे काम करें, जिसे करने में आपको मन लगता हो।

छपरा जंक्शन का बदलेगा स्वरूप आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस- डीआरएम आशीष जैन

वाराणसी। यात्रियों को बेहतर सुविधा देने और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने की दिशा में छपरा जंक्शन के पुनर्विकास कार्यों ने अब रफ्तार पकड़ ली है। इसी क्रम में वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने मंडलीय अधिकारियों के साथ छपरा जंक्शन का व्यापक निरीक्षण किया और स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता व प्रगति की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छपरा स्टेशन के सेकेंड एंट्री पर चल रहे निर्माण कार्यों को देखा तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यों को समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छपरा जंक्शन को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को सुरक्षित,सुगम आरामदायक यात्रा अनुभव मिल सके। निरीक्षण के बाद छपरा स्टेशन के आरआरआई पैनल के समीप नवनिर्मित अधिकारी विश्राम गृह का उद्घाटन भी किया गया। इस विश्राम गृह का फीता वरिष्ठ मेठ छपरा मनोहर सिंह राणा द्वारा काटकर उद्घाटन कराया गया। इस दौरान आयोजित

समारोह को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने कहा कि अधिकारी विश्राम गृह के निर्माण से मंडल पर कार्यरत अधिकारियों तथा छपरा जंक्शन के पुनर्विकास कार्य से जुड़े रेल अधिकारियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे स्टेशन के विकास से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों को गति मिलेगी कार्यों के निष्पादन में भी सहूलियत होगी। उन्होंने इंजीनियरिंग विभाग समेत सभी संबंधित विभागों की सराहना करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा में योजनाबद्ध तरीके से इस विश्राम गृह का निर्माण पूरा करना सराहनीय उपलब्धि है। इस अवसर पर सोनाली पॉल, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर विनीत कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शेख रहमान, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर यशवीर सिंह, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी एस. रमेश कुमार, उपमुख्य इंजीनियर (गति शक्ति) शशांक पाण्डेय, मंडल विद्युत इंजीनियर दीपक यादव,सहायक मंडल इंजीनियर ए.के. राय तथा स्टेशन निदेशक छपरा राजेश कुमार सहित कई वरिष्ठ पर्यवेक्षक रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को बताया कि छपरा जंक्शन के पुनर्विकास कार्यों के पूरा होने के बाद स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा,जिससे यात्रियों को बेहतर सेवा सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगी।

13 मार्च को होगी विशेषाधिकार समिति की बैठक

चित्रकूट । मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल ने बताया कि प्रदेश विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति के सभापति गोविंद नारायण शुक्ल के सभापति में 12 मार्च को 3:30 बजे सड़क मार्ग द्वारा झांसी से प्रस्थान कर चित्रकूट पहुंचेगी एवं रात्रि विश्राम करेंगी। समिति 13 मार्च को सुबह 10 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार चित्रकूट में जनपद बांदा, महोबा तथा हमीरपुर के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी और समिति उक्त बैठक में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक तथा जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श कर अद्यतन जानकारी प्राप्त करेंगी।

8 को होगी प्रतियोगिता

चित्रकूट । क्रीड़ाधिकारी चित्रकूट धाम मंडल अरविंद कुमार सोनकर ने बताया कि खेल निदेशालय द्वारा निर्देश के क्रम में क्षेत्रीय खेल कार्यालय जनपद के तत्यक्रम में फिट इंडिया महिला सप्ताह के उपलक्ष्य में स्पोर्ट्स स्टेडियम चित्रकूट में 8 मार्च को प्रातः 8 बजे से एथलेटिक्स महिला प्रतियोगिता 100 मीटर 200 मीटर 400 मीटर का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली महिला खिलाड़ी उल ईतंज चवतजंस पर रजिस्ट्रेशन कराकर प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते हैं।

सामाजिक समरसता का प्रतीक है होली-सेनानी

देऊम पूरब में सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच सम्पन्न हुआ होली मिलन

प्रतापगढ़।सांगीपुर इलाके के पूरे शिवगुलाम देऊम पूरब गांव में आयोजित होली मिलन समारोह में जहां गीत संगीत के बीच लोग भावविभोर दिखे वहीं वक्ताओं ने होली को सामाजिक एकता और आपसी सद्भावना का प्रतीक ठहराया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता शिवप्रकाश मिश्र 'सेनानी' ने कहा कि होली का पर्व हमारी सामाजिक समरसता,एकता और आपसी सद्भावना को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व बैर भाव को भुलाकर गले लगने का संदेश देता है। उन्होंने सनातन संस्कृति की मजबूती और पर्वों के बारे में बच्चों को जागरूक करने की अपील की।आरएसएस के विभाग प्रचारक ओमप्रकाश जी ने कहा कि होली धर्म, न्याय और हमारी संस्कृति को जीवन्त रखने का मार्ग प्रशस्त करती है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राणा सूबेदार सिंह 'चौहान' ने कहा कि ऐसे आयोजन से सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है। संचालन साहित्यकार अंजनी 'अमोघ' ने किया। समारोह में भागवताचार्य पं रामशिरोमणि पांडेय,पं विनय शुक्ल, व्यापार मंडल अध्यक्ष अखिलेश मिश्र, आचार्य बृजबिहारी मिश्र, समाजसेवी धनंजय मिश्र, रामकृष्ण नगरहा आदि ने भी होली को सामाजिक एकता का प्रतीक

ठहराया।इसके पूर्व आयोजक समाजसेवी प्रशांत मिश्र ने सभी का स्वागत किया। आभार उत्कर्ष मिश्र रिषू ने व्यक्त किया।समारोह में गीतकार डा परशुराम क्रोधी ने अपनी टीम के कलाकारों के साथ समारोह को ऊंचाईयां दी।इस मौके पर शंभूनाथ मिश्र, कमलराज मिश्र, बद्रीप्रसादए मिश्र,डा रघुवर मिश्र, अरविंद मिश्र, अशोक मिश्र, सुधीर तिवारी, फूलचंद्र पांडेय, विपिन पांडेय, करुणापति मिश्र, एडवोकेट कश्यप कृष्णराज मिश्र,डा विद्याभूषण मिश्र, सुभाषचंद्र मिश्र, इंद्रदेव मिश्र, मनीष तिवारी, सुशील तिवारी आदि मौजूद रहे।

पहाड़ी में हुआ ग्राम चौपाल का आयोजन

चित्रकूट। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम पंचायत रायपुर बागर विकासखंड पहाड़ी के पंचायत सचिवालय प्रांगण में ग्राम चौपाल का आयोजन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व चंद्रशेखर की अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न हुए ग्राम चौपाल में खंड विकास अधिकारी पहाड़ी, सहायक विकास अधिकारी (ग्राम विकास), सहायक विकास अधिकारी (कृषि), पशु चिकित्सा अधिकारी, अवर अभियंता जल निगम एवं अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी तथा संबंधित ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम प्रधान उपस्थित रहे। ग्राम चौपाल में समस्त विभागों ने शासन द्वारा चलाई जा रही अपनी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी साथ ही यह भी अवगत कराया कि शासन की समस्त योजनाओं को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य रूप से अपने बैंक खातों की ई-केवाईसी एवं आधार मोबाइल लिंकेज अनिवार्य रूप से करवा लें जिससे शासन की सभी योजनाओं का लाभ खाते में सीधे प्राप्त हो सके। आवास के संबंध में समस्त ग्राम वासियों को अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत सर्वे का कार्य संपन्न हो चुका है शासन से धनराशि प्राप्त होने पर चरणबद्ध तरीके से सभी पात्र लाभार्थियों को आवास योजना का लाभ प्राप्त हो सकेगा। उपस्थित ग्राम वासियों के द्वारा आवास की मांग, बिजली के खंभे, नाली निर्माण एवं जलापूर्ति के संबंध में समस्या से अवगत कराया गया। उपस्थित ग्राम वासियों की समस्याओं को नोट कर एवं नियमानुसार निस्तारण के निर्देश दिए गए। फॉर्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी, गोल्डन कार्ड विविध पेंशन योजना को ऑनलाइन करने के निर्देश भी दिये गये।

अकबरपुर ब्लॉक के शाहाबापुर गांव में होली मिलन व फाग कार्यक्रम का आयोजन

कानपुर/देहात।अकबरपुर ब्लॉक क्षेत्र के शाहाबापुर गांव में शुक्रवार 6 मार्च 2026 को भारतीय किसान यूनियन के जिला सचिव प्रताप सिंह फौजी के आवास पर होली मिलन समारोह एवं फाग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों व किसान यूनियन पदाधिकारियों ने भाग लिया और होली के पर्व की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि के रूप में भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह प्रधान, नगर पंचायत अकबरपुर के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गुड्डन तथा अमर यादव मौजूद रहे। इस दौरान फाग गायक मनोज यादव, दुर्गा पूर्वा और अर्जुन पहलवान शाहाबापुर ने फाग व भजन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह प्रधान, अकबरपुर अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गुड्डन, भारतीय किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष गुलाब सिंह फौजी, पूर्व भूमि विकास बैंक अध्यक्ष रविंद्र सिंह यादव, घनश्याम तिवारी पप्पू, राधेश्याम यादव, पप्पू यादव, सुरेश चंद्र फौजी, अमर यादव, भारत सिंह यादव, मुकेश गुप्ता, कन्हैया शुक्ला, चंद्रपाल सिंह, कमलेश सिंह, प्रहलाद सिंह, हर स्वरूप बड़े पहलवान सहित आसपास के कई गांवों के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और फाग गीतों के साथ उत्साहपूर्वक त्योहार का आनंद लिया।

सफाई व्यवस्था दुरुस्त न हुई तो नगर पालिका अधिशासी अधिकारी के खिलाफ होगी दण्डात्मक कार्यवाही

जगह-जगह गंदगी मिलने पर डीएम ने दिए निर्देश

चित्रकूट।जिलाधिकारी पुलकित गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा शुक्रवार को संयुक्त रूप से रामघाट, सीतापुर एवं बेड़ी पुलिया क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने रामघाट के समीप पार्किंग हेतु प्रस्तावित विवादित भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने तहसीलदार को निर्देशित किया कि तत्काल भूमि की पैमाइश कराकर स्थिति स्पष्ट करें तथा अवैध अतिक्रमण को अविलंब हटाया जाए। रामघाट पुलिस सहायता केंद्र निरीक्षण के दौरान रामघाट प्रवेश द्वार पर लगे अवैध पोस्टर व पंपलेट देख उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिशासी अधिकारी

नगर पालिका को निर्देशित किया कि शहर में अवैध रूप से प्रचार सामग्री लगाने वालों के विरुद्ध जुर्माना अधिरोपित कर विधिक कार्रवाई की जाए। राजस्व वृद्धि हेतु उन्होंने विज्ञापन सामग्री के लिए विधिवत टेंडर प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने 1122.58 लाख की लागत से बन रहे पर्यटन सुविधा केंद्र का जायजा लिया। उन्होंने बाउंड्री वॉल से सटी निजी दीवार को हटाने तथा गेट पर रखे अवैध लकड़ी के स्टालों को हटाकर संबंधित पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। यूपीटीयू चौराहे पर बंधन योजना के तहत प्रस्तावित पर्यटन सूचना केंद्र हेतु सोमवार तक तहसीलदार व अधिशासी अधिकारी कर्वी को संयुक्त निरीक्षण आख्या प्रस्तुत करने को कहा गया। मेले के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए बेड़ी पुलिया क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक ने तहसीलदार को पार्किंग हेतु भूमि चिह्नित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने रामसैया के पास भी पार्किंग स्थल विकसित करने की बात कही। बेड़ी पुलिया चौराहे को अर्ध-चक्राकार आकार में विकसित करने का सुझाव दिया गया ताकि यातायात सुचारू रहे। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई संतोषजनक न मिलने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क किनारे लगी दुकानों को यात्री शेड एवं शौचालय के आगे समतलीकरण कराकर वेंडिंग जोन में स्थानांतरित किया जाए। साथ ही बेड़ी पुलिया चौराहे पर चौड़ीकरण हेतु विभागीय मद से कार्य कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी कर्वी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने दिए एक सप्ताह के भीतर यूटिलिटी शिफ्टिंग पूर्ण करने के निर्देश

चित्रकूट । जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित उनके चेंबर में पटेल तिराहा से देवांगना मार्ग के फोर-लेन रोड के चौड़ीकरण की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक मुख्य रूप से फोर लेन के मार्ग में आने वाली बाधाओं एवं यूटिलिटी शिफ्टिंग के त्वरित निस्तारण पर केंद्रित रही। जिलाधिकारी ने पटेल तिराहा से सोनेपुर पेट्रोल पंप के मध्य मार्ग में आने वाले विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर एवं पेयजल पाइपलाइनों को शिफ्ट करने का कार्य एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण करने को निर्देशित किया है। उन्होंने निर्देशित किया कि बढ़ते हुए तापमान के दृष्टिगत सी.सी. रोड का निर्माण कार्य मार्च माह में ही पूर्ण कर लिया जाए, ताकि कंक्रीट की गुणवत्ता प्रभावित न हो। साथ ही परियोजना के शेष समस्त कार्यों को हर हाल में 30 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यों में गति लाने हेतु उन्होंने जल निगम, जल संस्थान, विद्युत विभाग एवं लोक निर्माण विभाग को आपस में समन्वय स्थापित करने तथा अपने विभागीय मानचित्र एक-दूसरे के साथ साझा करने को कहा, ताकि कार्य के दौरान किसी भी प्रकार का तकनीकी व्यवधान उत्पन्न न हो। इसके साथ ही निर्देशित किया कि संबंधित विभाग गुणवत्तापूर्ण कार्य कराएंगे। किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, कार्य न किए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी इस बैठक में लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम एवं जल संस्थान के अधिशासी अभियंता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने बियावल में चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं

चित्रकूट। ग्राम पंचायत बियावल में मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। आयोजित चौपाल में लगभग 250 ग्रामवासी उपस्थित रहें। उपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा ग्रामवासियों को मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, शादी अनुदान योजना, किसान सम्मान निधि एवं पोषाहार वितरण से सम्बन्धित, समूह गठन के माध्यम से स्वरोजगार हेतु एवं अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी। उपस्थित 2 महिलाओं के द्वारा मुख्य विकास अधिकारी को पेंशन सम्बन्धी समस्या के सम्बन्ध में अवगत कराया गया, जिसके निस्तारण हेतु सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण विकास खण्ड मऊ, को निर्देशित किया गया है। जिसका निस्तारण सहायक विकास अधिकारी द्वारा मौके पर ही कर दिया गया है। ग्रामवासियों के द्वारा महिला आंगनाबाडी के द्वारा पोषाहार वितरण में लापरवाही बरतने

के सम्बन्ध में अवगत कराया गया, जिस पर उपस्थित बाल विकास परियोजना अधिकारी मऊ के द्वारा मौके पर ही समस्या का निराकरण कर दिया गया। वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के द्वारा एक पेड मां के नाम योजना की जानकारी आमजनमानस को दी गयी। मुख्य विकास अधिकारी जनपद के द्वारा खण्ड विकास अधिकारी मऊ, ग्राम प्रधान एवं ग्राम विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि ग्राम पंचायत में कैम्प लगाकर वृद्धा पेंशन, निराश्रित पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन के अवशेष लाभार्थियों को, जो कि पेंशन पाने से वंचित रह गये है, को एक सप्ताह के अन्दर विशेष शिविर लगाकर लाभार्थियों को रजिस्ट्रेशन कराकर यथाशीघ्र पेंशन का लाभ दिलाया जाये। मौके पर उपस्थित आंगनबाडी एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी मऊ को निर्देशित किया गया कि विकास खण्ड अन्तर्गत संचालित आंगनबाडी केन्द्रों का समय से नियमित संचालन कराया जाये। नियमानुसार पोषाहार का वितरण कराया जाये। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उपस्थित प्रभारी चिकित्साधिकारी मऊ को निर्देशित किया गया कि आयुष्मानकार्ड बनाने में तत्परता के साथ 60 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों के आयुष्मानकार्ड अवश्य बनवा दिये जाये, जिससे वृद्धावस्था के कारण होने वाली बीमारियों का सुगमता से ईलाज सम्भव हो सके।

जिसमें ओमप्रकाश यादव खण्ड विकास अधिकारी मऊ, धर्मेन्द्र सिंह बाल विकास परियोना अधिकारी मऊ, प्रभारी चिकित्साधिकारी मऊ, सहायक विकास अधिकारी ग्राम विकास मऊ, सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण मऊ, सहायक विकास अधिकारी सहकारिता मऊ, सहित कृषि विभाग, शिक्षा विभाग एवं वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में एसपी ने ली परेड की सलामी

चित्रकूट । शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन्स में साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों एवं उपस्थित पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, तत्पर और अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के शारीरिक व्यायाम कराए गए। स्वास्थ्य के लाभ के लिए परेड की दौड़ करायी गयी। साथ ही रैतिक परेड की तैयारी का जायजा लेकर प्रतिसार निरीक्षक को सुधार हेतु निर्देशित किया गया तथा परेड में शामिल अधिकारी व कर्मचारियों को अनुशासन, एकरूपता और कर्तव्यनिष्ठा के संबन्ध में बताया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर अरविन्द कुमार वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक रामशीष यादव, प्रभारी आरटीसी शिवमूरत यादव व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कटैयाखादर में चौपाल लगाकर एडीएम ने सुनी समस्याएं

चित्रकूट। ग्राम पंचायत कटैयाखादर में अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) स्वप्निल कुमार की अध्यक्षता में जन चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम प्रधान घनश्याम सिंह एवं सचिव रामनरायण पाण्डेय नें ग्राम चौपाल का आयोजन कराया।

विकासखण्ड रामनगर के खण्ड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम वासियों को शासन द्वारा सभी योजनाओं के बारें में जानकारी दी गयी एवं विभिन्न विभागीय अधिकारियों को अपने विभाग के योजनाओं के बारे में जनमानस को जागरूक करने के लिए कहा। तथा जन चौपाल में कृषि विभाग का कैम्प, चिकित्सा विभाग का कैम्प, समाज कल्याण विभाग का कैम्प व इण्डियन बैंक का कैम्प लगाया गया। जिसके द्वारा मौजूदा स्थिति में ही जनमानस की समस्याओं का निस्तारण किया गया। जिसमें उपकृषि निदेशक द्वारा विभाग की फार्मर रजिस्ट्री, क्राप सर्वे एवं अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी। इसके बाद सहायक विकास अधिकारी द्वारा नियोजन विभाग की फैमिली आईडी के बारे में जागरूक किया गया। इसके बाद स्वास्थ केन्द्र रामनगर के चिकित्साधिकारी द्वारा जन चौपाल में आयुष्मान कार्ड के बनाने हेतु कैम्प में जनमानस को कार्ड बनवानें हेतु प्रेरित किया एवं चिकित्सा विभाग की विभिन्न योजनाओं से जनमानस को जागरूक किया।

एन.आर.एल.एम. की योजनाओं को सहायक विकास अधिकारी द्वारा स्वयं सहायता समूहों में पात्र लाभार्थियों को जोडकर शासन की विभिन्न योजनाओं से महिलाओं को लाभान्वित कराये जानें हेतु जनमानस को प्रेरित किया गया। खण्ड शिक्षाधिकारी रामनगर द्वारा छात्र एवं छात्राओं को प्राप्त हो रहे किताबों एवं ड्रेस हेतु अभिभावकों के खात्तों में धनराशि का भुगतान किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग के विभिन्न योजनाओं से ग्राम विकास अधिकारी द्वारा वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेशन निराश्रित पेंशन एवं कन्या सुमंगला योजना के बारें में जनमानस को जागरूक किया। पशु चिकित्साधिकारी द्वारा गौवंशों के टीकाकरण एवं मौसमी बीमारियों से गौवंशो के बचाव हेतु जनमानस को जागरूक किया। अन्त में अपर जिलाधिकारी द्वारा जनमानस को सम्बोधन दिया एवं उनकी शिकायतों को सुना, जिसमें ग्राम पंचायत में उत्सव भवन निर्माण हेतु मांग, महिलाओं को मातृत्व वन्दना योजना से वंचित महिलाओं को सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना से लाभान्वित कराये जाने के सम्बन्ध में विद्युत आपूर्ति से सम्बन्धित शिकायतों को व पेंशन सम्बन्धित शिकायतों को सुना भी सभी। उन्होंने सम्बन्धित शिकायतों हेतु 10 दिवस के अन्दर विभागीय अधिकारियों को निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

इसके बाद अपर जिलाधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय कटैयाखादर एवं गौशाला का भी निरीक्षण किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्साधिकारी, उपकृषि निदेशक, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त स्वतःरोजगार, उपायुक्त श्रम रोजगार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बिना नोटिस घर गिराने के मामले में भाकियू ने दी आंदोलन की धमकी

चित्रकूट । जनपद के मऊ तहसील क्षेत्र से प्रशासनिक कार्यवाई को लेकर एक परिवार ने आरोप लगाया है कि बिना किसी नोटिस और वैधानिक प्रक्रिया के उनका मकान जेसीबी मशीन से गिरा दिया गया। पीड़ित किसान नरेश तिवारी के साथ भारतीय किसान यूनियन जिलाध्यक्ष राम सिंह राही ने पूरे मामले की शिकायत उपजिलाधिकारी मऊ को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित के अनुसार वह कई वर्षों से अपनी निजी भूमि पर मकान बनाकर परिवार सहित निवास कर रहा था। लेकिन अचानक प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और बिना कोई लिखित नोटिस या सूचना दिए जेसीबी मशीन द्वारा मकान को ध्वस्त कर दिया। पीड़ित का कहना है कि यदि निर्माण को लेकर कोई आपत्ति या अवैधता का मामला था तो प्रशासन को पहले नोटिस देना चाहिए था, ताकि वह अपना पक्ष रख सके और कानूनी प्रक्रिया का पालन हो सके। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि राजस्व टीम द्वारा पहले भूमि की पैमाइश की गई थी, जिसमें भूमि उसकी बताई गई। इसके बावजूद बिना किसी पूर्व सूचना के मकान को गिरा दिया गया, जो पूरी तरह नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक मनमानी को दर्शाता है। मकान टूटने से परिवार को भारी आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक पीड़ा भी झेलनी पड़ रही है। इस पूरे मामले ने अब राजनीतिक और किसान संगठनों का भी ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष विनय त्रिपाठी तथा अन्य पदाधिकारियों ने मऊ एसडीएम से मुलाकात कर पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। भाकियू जिलाध्यक्ष ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो भारतीय किसान यूनियन द्वारा आंदोलन किया जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा किसी अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जाती है तो कानून के तहत पहले नोटिस देना और वैधानिक प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य होता है, लेकिन इस मामले में ऐसा होता नहीं दिख रहा है फिलहाल पीड़ित की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने मामले की जांच कराने की बात कही है। तहसील अध्यक्ष विनय त्रिपाठी, महामंत्री शत्रुघन सिंह, तहसील प्रभारी नीलकंठ द्विवेदी, ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रभान सिंह, हेमराज सिंह, ज्ञान सिंह सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विकास भवन में महिला जनसुनवाई का आयोजन

चित्रकूट। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग के तत्वावधान में जनपद में महिला जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम आगामी 9 मार्च को प्रातः 11:00 बजे से विकास भवन सभागार, में आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा द्वारा किया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान महिलाएं महिला हिंसा, घरेलू उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना, या विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं तथा किसी भी विवाद को सदस्या के समक्ष सीधे प्रस्तुत कर सकेंगी। जनसुनवाई के बाद सदस्या द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक भी की जाएगी, जिसमें महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की प्रगति का जायजा लिया जाएगा।

शिक्षा के मजबूत वातावरण में विकास को मिलती है शक्ति- मोना

कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता ने वार्षिकोत्सव में मेधावी छात्राओं को लैपटॉप प्रदान कर किया सम्मानित

प्रतापगढ़। भटनी स्थित छोटू इण्टरनेशनल कान्वेंट स्कूल में हुए वार्षिकोत्सव का शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। छात्रा सृष्टि, श्रेया, कोमल आदि ने सरस्वती वंदना तथा स्वागत गान की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। विधायक मोना ने वार्षिकोत्सव में सरयू समाज कल्याण संस्थान की ओर से मेधावी छात्रा प्रिया सरोज व अर्पिता सरोज को लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया। बतौर मुख्य अतिथि विधायक मोना ने कहा कि शिक्षा के जरिए ही किसी भी क्षेत्र व समाज तथा

राष्ट्र का उत्थान हुआ करता है। उन्होने कहा कि रामपुरखास में सांसद प्रमोद तिवारी की शिक्षा के क्षेत्र में प्राथमिकता के चलते मेधावियों को ज्ञान का लक्ष्य हासिल करने का वातावरण सुदृढ़ हुआ है। उन्होने कहा कि सर्वश्रेष्ठ रामपुरखास का आदर्श इस क्षेत्र को शत प्रतिशत साक्षरता से संतृप्त किया जाना है। वहीं उन्होने कहा कि क्षेत्र में विकास की सभी आवश्यक योजनाओं का लगातार संचालन इसकी सर्वश्रेष्ठता है। विशिष्ट अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सुशील पासी तथा योगेश पासी ने भी शैक्षिक परिवेश की मजबूती को राष्ट्रीय विकास के लिए मुख्य आधार बताया। निदेशक हरिश्चंद्र सरोज ने अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ0 नन्हेंलाल यादव ने किया। प्रबंधक हरीलाल सरोज ने आभार प्रदर्शन किया। वहीं विधायक आराधना मिश्रा मोना ने क्षेत्र के शेषपुर धनापुर, भकरा, सीताराम का पुरवा आदि स्थानों पर भी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुई। इस मौके पर भुवनेश्वर शुक्ल, जिपंस रघुनाथ सरोज, लालजी यादव, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ला, राकेश चतुर्वेदी, अशोक सिंह, मक्खन लाल साहू, आनन्द पाण्डेय, निसार अहमद, रविशंकर शुक्ला, लालजी पटेल, राम आसरे सरोज, छोटे लाल सरोज, आचार्य विद्याधर पटेल, रमेश तिवारी आदि रहे।

संक्षिप्त समाचार

पहले दो बेटियों की हत्या फिर सुसाइड की कोशिश

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में स्थित एक घर से दो बहनों की लाश मिली। जबकि, मां बेहोश मिली। उनका इलाज एम्स में जारी है। पुलिस ने अंदेशा जताया है कि ये हत्या के बाद आत्महत्या की कोशिश का मामला है। मगर एक सवाल का जवाब जो पुलिस तलाश रही है, वो है- आखिर मां ने ऐसा खौफनाक कदम क्यों उठाया? तारीख थी 5 मार्च 2026 की। दक्षिण दिल्ली का पॉश इलाका मालवीय नगरष्ठ ये इलाका गुरुवार शाम उस वक्त दहल गया, जब एक घर के भीतर से दो सगी बहनों की लाशें बरामद हुईं। शुरुआती जांच में जो कहानी निकलकर सामने आ रही है, वह रोंगटे खड़े कर देने वाली है। पुलिस को शक है कि एक मां ने ही अपनी 33 और 28 वर्षीय बेटियों की बेरहमी से हत्या की और उसके बाद खुद की जान लेने की कोशिश की। हालांकि, अभी मां के बयान लिए जाने बाकी हैं।

मार्च की शुरुआत में ही तपने लगा मध्यप्रदेश

भोपाल।मार्च का पहला सप्ताह खत्म होते-होते ही मध्यप्रदेश में गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। होली के मौके पर अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 3 डिग्री ज्यादा है। दिन के साथ-साथ रात का तापमान भी बढ़? लगा है, जिससे मौसम में गर्मी का अहसास तेज हो गया है। सबसे ज्यादा असर इंदौर और उज्जैन संभाग में देखने को मिला। वहीं भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में भी होली के दिन तेज धूप ने लोगों को झुलसाया। प्रदेशभर में आसमान साफ रहा और बारिश या बादलों की कोई स्थिति नहीं बनी, जिससे तापमान तेजी से ऊपर चढ़ा।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की और बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में मार्च के पहले पखवाड़े में ही कई शहरों में पारा 40 डिग्री तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

नशे में दंपती ने एक दूसरे के लिए जान देने का खेला खेल

हरदोई। यूपी के हरदोई जिले में अतरौली थाना क्षेत्र के चत्तुरखेड़ा में ईंट-भट्ठे पर काम करने वाले दंपती ने बुधवार को शराब पी। इसके बाद मजाक में ही एक दूसरे के लिए जान देने की बात कही। पति ने सिर ईंट पर पटक दिया, तो पत्नी भी फंदे पर लटक गई। पति को मामूली चोटें आईं, लेकिन पत्नी की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बरिया के मजरा कन्हईखेड़ा निवासी बबलू चत्तुरखेड़ा के ईंट भट्ठे पर पत्नी कुंती (34) व दो बच्चों के साथ रहकर मजदूरी करता है। कुंती भी वहीं मजदूरी करती थी। बबलू ने बताया कि बुधवार सुबह उसने और कुंती ने एक साथ बैठकर शराब पी। इसी दौरान हंसी मजाक में बबलू ने कहा कि हम तुम्हारे लिए जान दे रहे हैं और तुम हमारे लिए मरो। इसके बाद बबलू ने ईंट पर सिर पटक दिया।

चुनावों से पहले गवर्नर्स का बड़ा फेरबदल,आरएन रवि बंगाल तो वी.के.सक्सेना को मिली लद्दाख की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी राज्यसभा चुनावों से ठीक पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को देशभर के राज्यपालों और उपराज्यपालों के पदों में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल किया है। राष्ट्रपति भवन से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उन्होंने डॉ सी वी आनंद बोस का स्थान लिया है, जिन्होंने गुरुवार को ही इस्तीफा दे दिया था।

व्यापक प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत, विनय कुमार सक्सेना को दिल्ली के उपराज्यपाल पद से स्थानांतरित करके लद्दाख का उपराज्यपाल बनाया गया है, जबकि पूर्व राजनयिक तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। अन्य महत्वपूर्ण परिवर्तनों में, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया है, जबकि तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को स्थानांतरित करके महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव को नागालैंड का राज्यपाल और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, लद्दाख के निवर्तमान उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है, और केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर तमिलनाडु के राज्यपाल के अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे। इस बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नव नियुक्त उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू का औपचारिक रूप से स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि दिल्ली को उनके व्यापक राजनयिक अनुभव से काफी लाभ होगा। गुप्ता ने पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली के नव नियुक्त माननीय उपराज्यपाल श्री तरनजीत सिंह संधू जी का हार्दिक स्वागत और बधाई। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए आपको एक बार फिर से बधाई। हमें पूरा विश्वास है कि दिल्ली की जनता को आपके व्यापक राजनयिक अनुभव से लाभ होगा। आपके मार्गदर्शन में, हम राजधानी की प्रगति और जन कल्याणकारी पहलों में निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे। आपके सफल कार्यकाल के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

आंध्र प्रदेश में तीसरा बच्चा पैदा करने पर मिलेंगे 25,000, एन चंद्रबाबू नायडू ने दिए बड़े संकेत

भोपाल। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू में राज्य की संख्या बढ़ाने के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि राज्य में जो भी माता-पिता दूसरे बच्चा पैदा करेंगे, सरकार उन्हें 25000 रुपये का इंसेंटिव (आर्थिक मदद) देने पर विचार कर रही है। एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के सीएम की बागडोर संभालने के बाद कहा था कि दक्षिण की आबादी घट रही है। ऐसे में हमें ज्यादा बच्चों के बारे में सोचना चाहिए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार गिरती जन्म दर को बढ़ावा देने के लिए यह बयान दिया था। अब नायडू ने कहा कि सरकार दूसरा बच्चा करने वाले जोड़ों को आर्थिक मदद देने की दिशा में सोच रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव मिला है। हम निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले 90 दिनों में 13 साल से कम उम्र के बच्चों की इस तक कोई पहुंच न हो। इस बात पर चर्चा चल रही है कि यह आयु सीमा 13 साल होनी चाहिए या 16 साल।

इक़बाल मिर्ची के 'अपराध लोक' पर ईडी का बड़ा प्रहार, मुंबई-दुबई में 700 करोड़ की संपत्ति होगी जब्त!

मुम्बई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के तहत एक विशेष पीएमएलए अदालत में याचिका दायर कर मुंबई और दुबई में दिवंगत ड्रग तस्कर इकबाल मेमन और उनके परिवार की लगभग 700 करोड़ रुपये की 15 संपत्तियों को स्थायी रूप से जब्त करने की मांग की है। याचिका में वर्ली स्थित संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें राबिया मेंशन, मरियम लॉज और सी व्यू प्रॉपर्टीज शामिल हैं, साथ ही दुबई में लगभग 15 संपत्तियां भी शामिल हैं, जिनमें बुर दुबई में होटल मिडवेस्ट अपार्टमेंट और बिजनेस बे और डीईसी टावर्स में एक दर्जन से अधिक वाणिज्यिक और आवासीय इकाइयां शामिल हैं।ईडी का आरोप है कि परिवार ने भारत में ट्रस्ट संस्थाओं और दुबई में कॉर्पोरेट होल्डिंग्स का उपयोग करके इन संपत्तियों के वास्तविक मालिकों के रूप में काम किया और दागी संपत्तियों को वैध संपत्ति के रूप में प्रदर्शित किया। ईडी ने अपनी याचिका में कहा फरार आरोपी ने भारत आने से इनकार कर दिया है और उसे पहले ही भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। इस मामले के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ हैं और जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, आर्थिक अपराध गंभीर हैं और इन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। प्रार्थना है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उसकी संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया जाए। 2021 में अदालत ने मिर्ची की पत्नी हाजरा और बेटों आसिफ और जुनैद को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन जारी होने के बावजूद भारत न लौटने पर एफईओ अधिनियम के तहत भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया था। इस अधिनियम के तहत, अदालत को संपत्ति जब्त करने का आदेश देने का अधिकार है।1986 से शुरू हुए इतिहास का पता लगाते हुए, ईडी ने पाया कि मिर्ची ने मूल रूप से वर्ली के भूखंड सर मोहम्मद यूसुफ ट्रस्ट से एक साझेदारी फर्म के माध्यम से 6.5 लाख रुपये में हासिल किए थे। सरकारी कुर्की से बचने के लिए, कथित तौर पर 1991 में एक 'कार्यवाहक समझौता' तैयार किया गया था, जिससे ट्रस्ट को मालिक के रूप में दिखाया जा सके, जबकि मिर्ची का वास्तविक नियंत्रण बना रहा।

जेडीयू का अगला बॉस कौन? नीतीश कुमार के बेटे निशांत का नाम सबसे आगे

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के एक दिन बाद, पार्टी सूत्रों ने बताया कि जनता दल (यूनाइटेड) के बेटे निशांत कुमार को जल्द ही पार्टी की कमान सौंपी जा सकती है। इस घटनाक्रम ने पार्टी के भीतर उसके भावी नेतृत्व और संगठनात्मक दिशा को लेकर गहन चर्चाओं को जन्म दिया है। नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने से जेडीयू में उत्तराधिकार का प्रश्न खुल गया है, जो इस बात को लेकर आंतरिक मतभेदों से जूझ रही है कि आगे पार्टी का नेतृत्व कौन करेगा।

कई वरिष्ठ नेता इस दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं, जिनमें कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और बिहार के मंत्री अशोक चौधरी और विजय चौधरी शामिल हैं। हालांकि, पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि विभिन्न गुटों में मतभेदों ने नेतृत्व परिवर्तन को जटिल बना दिया है। इस अनिश्चितता के बीच, निशांत कुमार एक संभावित सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के कई सदस्यों का मानना है कि सक्रिय राजनीति में उनका प्रवेश एकता बनाए रखने और संभावित विभाजन को रोकने में सहायक हो सकता है, ऐसे समय में जब जेडीयू एक नाजुक राजनीतिक दौर से गुजर रही है। आज नीतीश कुमार की अध्यक्षता में होने वाली पार्टी की बैठक में नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा होने और प्रमुख नेताओं की भूमिकाओं पर विचार-विमर्श होने की संभावना है। बैठक में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाएगा कि नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने के बाद पार्टी स्थिरता कैसे बनाए रख सकती है और सत्ता का सुचारू हस्तांतरण कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है। हालांकि निशांत कुमार अब तक चुनावी राजनीति से काफी हद तक दूर रहे हैं, लेकिन पार्टी के कई सदस्य उन्हें एक अपेक्षाकृत तटस्थ व्यक्ति के रूप में देखते हैं जो आंतरिक मतभेदों को दूर कर सकते हैं।

पार्टी की गुटबाजी से मुक्त उनकी छवि को प्रतिस्पर्धी नेताओं के बीच तनाव कम करने में एक संभावित लाभ के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी नेता जेडीयू के मुख्य समर्थक आधार, विशेष रूप से कुर्मी-कोइरी समुदायों पर नेतृत्व परिवर्तन के संभावित प्रभाव का भी आकलन कर रहे हैं, जिन्होंने पारंपरिक रूप से नीतीश कुमार का समर्थन किया है।

स्मार्ट मीटर को लेकर ऊर्जा मंत्री का जवाब विरोधाभासी

जबलपुर। मप्र विधानसभा में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विधायक सुरेश राजे को लिखित जवाब में बताया कि परिसरों में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों का खर्च उपभोक्ताओं से नहीं वसूला जायेगा। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने ऊर्जा मंत्री द्वारा स्मार्ट मीटर फ्री में लगाए जाने संबंधी जवाब को विरोधाभासी बताया है। उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष डॉ.पीजी नाजपांडे ने बताया कि बिजली कंपनियों ने 10.19 प्रतिशत रेट बढ़ाने हेतु नियामक आयोग को प्रस्तुत वार्षिक राजस्व आवश्यकता रिपोर्ट (एआरआर) में स्मार्ट मीटरों के खर्च हेतु 820.62 करोड़ उपभोक्ताओं से वसूला जाए, यह मांग की है। डॉ.पीपी नाजपांडे ने बताया कि इस एआरआर के पृष्ठ 129 में स्मार्ट मीटरों के ऑपरेशनल खर्च पर 307 करोड़ तथा पृष्ठ 133 में लीज चार्ज खर्च हेतु 513.62 करोड़ कुल 820.62 करोड़ के खर्च की वसूली की अनुमति मांगी है।

ओडिशा में सीआईएसएफ स्थापना दिवस पर गरजे अमित शाह

बोले- 31 मार्च तक देश से नक्सलवाद का होगा खात्मा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दोहराया कि सुरक्षा बल 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के अपने संकल्प को पूरा करेंगे। कटक में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस पर बोलते हुए अमित शाह ने नक्सलवाद के उन्मूलन में सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और सीआईएसएफ ने इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे ओडिशा हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना, सीआईएसएफ ने नक्सलवाद के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शाह ने साफ तौर पर कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च, 2026 तक यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। हमारे सुरक्षा बल तिरुपति से पशुपति तक रेड

कॉरिडोर बनाने और अपना वर्चस्व स्थापित करने का सपना देखने वालों को पूरी तरह से पराजित करेंगे। अमित शाह ने देश के लिए सीआईएसएफ कर्मियों के 'वीरता और आत्मबलिदान' की सराहना करते हुए उनकी सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 56 वर्षों में, सीआईएसएफ ने न केवल अपने मूल उद्देश्य को पूरा किया है, बल्कि हर तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को रूपांतरित भी किया है। वीरता और बलिदान भारत के गौरवशाली इतिहास की पहचान हैं। इन गुणों को समर्पण के साथ जोड़ते हुए और आधुनिक हथियारों से लैस होकर, सीआईएसएफ ने हर तरह की चुनौतियों का सामना करने का साहस दिखाया है। मैं बल के सभी कर्मियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। शाह ओडिशा के कटक जिले के मुंडाली स्थित खारवेला क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए थे। केंद्रीय गृह मंत्री का भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने स्वागत किया, जब वे विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए राज्य पहुंचे थे। अमित शाह भुवनेश्वर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के परिसर में स्थित केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) का भूमि पूजन भी करेंगे।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए ये खिलाड़ी नॉमिनेट,संजू सैमसन का नाम भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का समापन होने वाला है। जिसका फाइनल मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। हालांकि, इस मुकाबले से पहले पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले 8 खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवार्ड के लिए शॉर्ट लिस्ट कर लिया गया है। इस लिस्ट में भारतीय ओपनर संजू सैमसन का भी नाम शामिल है। जिन्होंने अपने आखिरी दो मैच में धमाकेदार पारी खेली है। उनके अलावा पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान का नाम भी है। **प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट अवॉर्ड के लिए ये 8 खिलाड़ी नॉमिनेटः विल जैक्सः** इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स ने अपनी टीम को टी20 वर्ल्ड कप में आठ में से 6 मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई। इशमें जैक्स को चार बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने टूर्नामेंट में 8 मैच में 176.56 के स्ट्राइक रेट से कुल 226 रन बनाए। साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाज के तौर पर जैक्सने इंग्लिश टीम के लिए 9 विकेट भी लिए हैं। **साहिबजादा फरहानः** पाकिस्तान का भले ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन रहा हो। लेकिन पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान के एक खिलाड़ी साहिबजादा फरहान ही चमके। इस टूर्नामेंट में फरहान ने 6 पारियों में 76.60 औसत से 383 रन बनाए और एक ही टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी बनाया। फरहान एक ही टी20 वर्ल्ड कप में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका और नामीबिया के खिलाफ शतक जड़ा था।

लुंगी एनगिडीः साउथ अफ्रीका के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में लुंगी एनगिडी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में खेले 7 मैच में 12 विकेट अपने नाम करने में सफल रहे। एनगिडी ने टूर्नामेंट की शुरुआत कनाडा के खिलाफ 4 विकेट लेकर की, फिर अफगानिस्तान के खिलाफ 3 विकेट चटकाया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ भी सुपर 8 में तीन विकेट झटके थे। भारत के खिलाफ भले ही उन्होंने विकेट न मिले, लेकिन उन्होंने 4 ओवर में महज 15 रन दिए थे।

एडेन मार्करमः साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने इस टूर्नामेंट में अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया। उन्होंने 8 मैचों में तीन अर्धशतक के बदौलत 286 रन बनाए। हालांकि, मार्करम की कप्तानी वाली साउथ अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट से हार गई।

रचिन रविंद्रः न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने इस टूर्नामेंट में अपने बल्ले के साथ गेंद से भी टीम के लिए अहम योगदान दिया। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-8 का पहला मैच बारिश से धुल गया लेकिन रचिन ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में अपनी टीम को बढ़त दिलाई। उन्होंने 32 रन बनाए और 4/27 लेकर श्रीलंका को 107/8 पर रोक दिया। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 3/19 लिए, हालांकि, उनकी टीम का हार का सामना करना पड़ा।

संजू सैमसनः आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने भारत के पिछले दो मैचों में लगातार धमाकेदार प्रदर्शन किया, जिसके लिए उन्हें दोनों मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर-8 के अहम मुकाबले में सिर्फ 50 गेंदों में नाबाद 97 और फिर इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 42 गेंदों में तेज 89 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

शैडली वैन शाल्कविकः इस लिस्ट में अमेरिका के शैडली वैन शाल्कविक का नाम भी शामिल है। जिन्होंने इस टूर्नामेंट में कमाल का प्रदर्शन किया। इस अमेरिकी तेज गेंदबाज ने सिर्फ 4 मैचों में कुल 13 विकेट अपने नाम किए। वैन शाल्कविक ने 7 फरवरी को भारत के खिलाफ 4 विकेट लेकर टी20 2026 की शुरुआत की औरपाकिस्तान के खिलाफ अगले मैच में भी उन्होंने 4 विकेट लिए थे।

टिम सिफर्टः न्यूजीलैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने कीवी टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने 8 मैचों में कुल 274 रन बनाए हैं, सिफर्ट ने टूर्नामेंट की शुरुआत अफगानिस्तान और यूएई के खिलाफ अर्धशतक से की, लेकिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 58 न की अहम पारी खेली।

अभिषेक को फाइनल के लिए टीम से बाहर किये जाने संभावना नहीं

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जिस प्रकार से विश्वकप क्रिकेट के अब तक के मैचों में असफल रहे है उसके बाद से ही उनके फाइनल के लिए टीम में रहने को लेकर संशय पैदा हो गया है हालांकि उन्हें टीम से बाहर किये जाने की संभावनाएं नहीं हैं। माना जा है कि खिताबी मुकाबले के लिए टीम में बदलाव का जोखिम प्रबंधन नहीं लेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के दो सलामी बल्लेबाजों की किस्मत एकदम से विपरीत रही। अब सभी की नजरें इस बात पर रहेंगी कि अभिषेक इस मुकाबले में कैसा प्रदर्शन करते हैं। वह अपने पिछले छह मैचों में 0, 0, 0, 15, 10 और 9 रन ही बना पाये हैं। वे केवल एक ही मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ 50 से अधिक रन बना पाये थे। माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन फाइनल मुकाबले के लिए शीर्ष क्रम में कोई बदलाव नहीं करेगा। इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद अभिषेक के सलामी जोड़ीदार संजू सैमसन ने कहा, हम अपने सभी खिलाड़ियों का ध्यान रख रहे हैं। साथ ही कहा कि कोच और कप्तान को को अभिषेक पर पूरा भरोसा है। गौरतलब है कि मुंबई में पहले लीग मैच के बाद अभिषेक के पेट में संक्रमण हो गया था जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। इससे उनका वजन कम हो गया और प्रतियोगिता के महत्वपूर्ण चरण के दौरान उनकी लय बिगड़ गई। यही नहीं विरोधी टीमों ने उनपर अंकुश लगाने के लिए शुरुआती ओवरों में धीमी गति के गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है, विशेषकर ऑफ स्पिनरों और बाएं हाथ के स्पिनरों का। इससे उन्हें पारी की शुरुआत में वह गति नहीं मिल पाती जिसके साथ वे खेलना पसंद करते हैं। इस कारण वह शुरुआत में ही अपने विकेट गंवा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ पावरप्ले में उन्होंने ऑफ स्पिनर पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में कैच दे दिया था। वहीं नीदरलैंड के खिलाफ ऑफ स्पिनर ने उन्हें कोण लेती गेंद पर आउट किया।

संजू सैमसन ने किया कारनामा, टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 भारतीय

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ संजू सैमसन आए और छा गए। वहीं, अब टी20 वर्ल्ड कप 2026 में संजू ने फाइनल से पहले सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप 3 में एंट्री कर ली। संजू ने वेस्टइंडीज और फिर सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ कमाल की पारी खेली और दोनों मैचों में भारत की जीत के हीरो रहे। संजू ने दिखाया कि अहम मौकों पर वो टीम के लिए क्या कुछ कर सकते हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल रविवार को होगा, लेकिन उससे पहले बात अगर टीम इंडिया के लिए इस टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 खिलाड़ियों की बात की जाए तो ईशान किशन अब नंबर वन पर आ गए हैं। सेमीफाइनल से पहले तक सूर्यकुमार पहले स्थान पर थे, लेकिन अब तस्वीर फिलहाल तो बदल गई और कप्तान सूर्या दूसरे नंबर पर आ गए और संजू ने अपनी धाकड़ बल्लेबाजी के दम पर तीसरे स्थान पर कब्जा कर लिया।

बता दें कि, संजू सैमसन ने इस टूर्नामेंट में भारत के लिए अब तक कुल 4 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 2 फिफ्टी के साथ 232 रन बनाए हैं। इन 4 मैचों में संजू ने कुल 115 गेंदों का सामना किया है। इन गेंदों पर उन्होंने ये रन बनाने में सफलता हासिल की और तीसरे स्थान पर हैं। वहीं ईशान किशन ने 8 मैचों में 263 रन बनाए हैं और भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं जबकि दूसरे स्थान पर टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं।

सूर्यकुमार यादव ने इस टूर्नामेंट में अब तक खेले 8 मैचों में 242 रन एक फिफ्टी की मदद से बनाए हैं और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 84 रन रहा है। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर शिवम दुबे हैं जो लगातार भारत के लिए अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। दुबे ने अब तक खेले 8 मुकाबलों में भारत के लिए कुल 209 रन बनाए हैं जबकि हार्दिक पंड्या लिस्ट में 5वें स्थान पर हैं। पंड्या ने भारत के लिए अब तक खेले 8 मैचों में 2 अर्धशतक के साथ 199 रन बनाए हैं।

फाइनल में अगर बारिश ने बिगाड़ा खेल तो कौन बनेगा चैंपियन?

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में भारत नेइंग्लैंड को 7 रनों से मात देकर फाइनल में एंट्री कर ली है। जहां अब उसका खिताबी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के साथ होगा। ये महामुकाबला रविवार, 8 मार्च को खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले ये कि, अगर इस मुकाबले में बारिश बाधा बनती है तो कौन चैंपियन बनेगा? आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल के लिए भी रिजर्व डे रखा गया है। 8 मार्च को फाइनल मुकाबले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा और अगर ये मैच बारिश के कारण नहीं हो पाता है तो फिर अगले दिन यानी 9 मार्च सोमवार को ये मैच खेला जाएगा।फाइनल मैच में नतीजा निकालने के लिए दोनों टीमों को कम से कम 10-10 ओवर का मैच खेलना जरूर होगा। हालांकि, अन्य टी20 मुकाबले में 5-5 में ही नतीजा निकल जाता है, लेकिन आईसीसी के वर्ल्ड कप नियम के मुताबिक फाइनल में कम से कम दोनों टीमोंके लिए 10-10 ओवर खेलना जरूरी होता है।

एएफसी महिला एशियाई कपःटीम इंडिया की 'अग्निपरीक्षा'

दो बार की चैंपियन जापान से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वियतनाम के खिलाफ पिछले ग्रुप मैच में दमदार प्रदर्शन से भारतीय महिला फुटबॉल टीम का आत्मविश्वास जरूर बढ़ा होगा लेकिन शनिवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप के दूसरे मैच में जापान की मजबूत टीम से होने वाला मुकाबला उसके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। भारत ने ग्रुप सी के शुरूआती मैच में बुधवार को वियतनाम के खिलाफ हूटर से ठीक तीन मिनट पहले 'इंजुरी टाइम' में गोल गंवा दिया जिससे उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा और उसने अहम अंक गंवा दिया। वियतनाम 2023 फीफा विश्व कप में खेला था और उनके खिलाफ मैच में पदार्पण कर रही सैनफिडा नोंग्रम के बराबरी गोल से टीम का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन दुनिया की आठवें नंबर और दो बार की चैंपियन टीम जापान पूरी तरह से अलग टीम होगी और भारत से कहीं बेहतर होगी। अब कोच अमेलिया वाल्वरडे का काम अपनी टीम को मजबूत बनाए रखना और रक्षात्मक मजबूती पर काम करना होगा। इसके साथ ही उन्हें जवाबी हमले पर भी ध्यान देना होगा।

फीफा विश्व कप 2011 की विजेता टीम जापान ने अपने पिछले मैच में चीनी ताइपे के पेनल्टी क्षेत्र में 87 बार प्रवेश किया था जिससे शनिवार को कप्तान स्वीटी देवी की अगुआई वाला भारतीय डिफेंस काफी व्यस्त रहेगा। भारतीय टीम जापान के गोल की संख्या पर भी लगाम लगाने की कोशिश करेगी। वियतनाम और चीनी ताइपे शनिवार को एक और मैच में आमने-सामने होंगे। तीनों ग्रुप में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीम और तीसरे नंबर की दो बेहतर टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीम ब्राजील में होने वाले 2027 फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। वहीं क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीम विश्व कप के लिए एएफसी को दिए गए दो बचे हुए स्थानों के लिए प्लेऑफ खेलेंगी। प्लेऑफ हारने वाली दो टीम के पास प्लेऑफ टूर्नामेंट के जरिए ब्राजील के लिए क्वालीफाई करने का एक और मौका होगा। भारत और जापान एएफसी महिला एशियाई कप में तीसरी बार और 1999 में ग्रुप चरण के बाद पहली बार भिड़ेंगे।

जासूस बनकर लौट रही हैं विद्या बालन, नीयत के 11 पोस्टरों ने मचाई फैंस के बीच खलबली

मुम्बई। विद्या बालन की बहुप्रतीक्षित नाटकीय रिलीज़ नीयत के निर्माताओं ने प्रशंसकों को इसके रहस्य की दुनिया की एक झलक दी। नीयत से पहले निर्माताओं ने एक दिलचस्प टीज़र और फिल्म के मुख्य पात्रों के 11 पोस्टर का रिलीज किए हैं। नीयत के पोस्टर विद्या बालन के करेक्टर जासूस मीरा राव और 10 संदिग्धों से परिचित कराते हैं। जबकि टीज़र हमें मर्डर मिस्ट्री की दुनिया का पूर्वावलोकन देता है। प्रत्येक पोस्टर पात्रों की आकर्षक छवि को चित्रित करता है, अत्यधिक प्रत्याशा को बढ़ाता है।

नीयत में विद्या बालन के नेतृत्व में राम कपूर, राहुल बोस, नीरज काबी, शाहाना गोस्वामी, अमृता पुरी, दीपानिता शर्मा, निकी वालिया, शशांक अरोड़ा, प्राजक्ता कोली और दानेश रज़्वी सहित एक शानदार कलाकारों की टुकड़ी है। विद्या बालन के पोस्टर में उन्हें एक पुस्तकालय में खड़ा दिखाया गया है, जिसमें उनके पीछे किताबों का ढेर लगा हुआ है। वह स्वेटर की परतों में सजी हुई दिखाई देती है, जबकि उसके बगल में स्लाइडिंग दरवाजों पर प्रतिबिंब राम कपूर और उसके सामने खड़े अन्य लोगों को दिखाता है। पोस्टर पर लिखा है, 'नीयत। एक हत्या। कई रहस्य। इस बीच, निर्माताओं ने नीयत का टीज़र भी साझा किया, जिसमें कथावाचक को यह कहते हुए सुना जाता है, 'संदिग्ध आ रहे हैं। मकसद बन रहे हैं। तैयार हो जाओ दोस्तों। एक रहस्य आ रहा है। क्लासिक व्होडुननिट का निर्देशन अनु मेनन ने किया है, जिन्होंने आखिरी बार विद्या बालन को सुपरहिट 'शकुंतला देवी' में निर्देशित किया था, जो मानव कंप्यूटर के रूप में जानी जाने वाली महिला के जीवन और समय पर आधारित है। अनु मेनन के हालिया निर्देशन क्रेडिट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित श्रृंखला 'किलिंग ईव' के कई एपिसोड भी शामिल हैं। नीयत को अनु मेनन, प्रिया वेंकटरमन, अद्वैत कला और गिरवानी ध्यानी ने लिखा है और संवाद कौसर मुनीर ने लिखे हैं। विक्रम मल्होत्रा के नेतृत्व वाले अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, जिसमें शकुंतला देवी भी निर्मित है, और प्राइम वीडियो द्वारा सह-निर्मित, नीयत एक अप्रत्याशित जासूस (विद्या बालन) की एक मनोरंजक सस्पेंस कहानी बताती है, जो एक अरबपति की पार्टी में एक रहस्यमय हत्या की जांच करती है, जहां कुछ भी नहीं होता है। ऐसा लगता है और सभी संदिग्ध एक या दो रहस्य छिपाते हैं।

आखिर ऐसा क्या हुआ जो एक ही शख्स से तीन बार शादी करने को मजबूर हो गई थीं माला सिन्हा

नई दिल्ली। अर्धेन्दु बोस बंगला फिल्मों के जाने-माने निर्देशक थे। बोस माला की एक्टिंग से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने माला को अपनी फिल्म रोशनआरा में काम करने का ऑफर दिया। आखिर ऐसा क्या हुआ जो एक ही शख्स से तीन बार शादी करने को मजबूर हो गई थीं माला सिन्हा की कामयाबी की कहानी जितनी दिलचस्प है, उतनी ही उनकी शादी की भी। बॉलीवुड में माला सिन्हा ने उस समय अपनी पहचान बनाई थी, जब फिल्मी पर्दे पर नूतन, नर्गिस और मीना कुमारी जैसी एक्ट्रेसेस का बोलबाला था। इन एक्ट्रेसेस के बीच अपने आप को मशहूर करना आसान काम नहीं था। माला सिन्हा का बचपन का नाम अल्डा सिन्हा था। स्कूल में उनकी सहेलियां उन्हें डालडा कहकर पुकारा करती थीं। माला को अपनी पहली फिल्म अपने स्कूल से ही मिली। एक बार माला सिन्हा स्कूल के प्रोग्राम में अभिनय कर रहीं थीं तभी निर्देशक अर्धेन्दु बोस की नजरें उन पर पड़ी। अर्धेन्दु बोस बंगला फिल्मों के जाने-माने निर्देशक थे। बोस माला की एक्टिंग से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने माला को अपनी फिल्म रोशनआरा में काम करने का ऑफर दिया। बस यहीं से माला की फिल्मी सफर की शुरुआत हो गई। इसके बाद माला सिन्हा ने कई बंगला फिल्मों में काम किया। बॉलीवुड में माला को गुरुदत्त की प्यासा फिल्म से पहचान मिली। इसके बाद माला सिन्हा ने राजकपूर के साथ परवरिश और फिर सुबह होगी, देवानंद के साथ लव मैरिज और शम्मी कपूर के साथ फिल्म उजाला में हल्के फुल्के रोल कर अपने सिने करियर को एक नई दिशा देने में कामयाब रही। माला सिन्हा की कामयाबी की कहानी जितनी दिलचस्प है, उतनी ही उनकी शादी की भी। बॉलीवुड में अपने पांव जमाने के बाद माला सिन्हा शादी के बंधन में बंध गईं। माला सिन्हा ने अपने साथी कलाकार चिदंबर प्रसाद लोहानी के साथ 16 मार्च, 1968 को शादी की। इनकी शादी आज तक याद की जाती है। इसकी वजह माला की शादी में निभाई गई रस्में थी। सबसे पहले तो ईसाई माला सिन्हा और हिंदू सी.पी. लोहानी सिविल मैरिज कानून के अंतर्गत मैरिज रजिस्ट्रार के सामने मैरिज रजिस्टर पर हस्ताक्षर करके हस्बैंड ऐंड वाइफ बने। माला सिन्हा ईसाई थीं, इसी वजह से उनके पिता की इच्छा थी कि बेटी माला की शादी गिरिजाघर में कोई पादरी कराए। फिर इनकी शादी मुंबई के एक गिरजाघर में की गई।

मदर इंडिया के सेट पर नरगिस को बचाने के लिए आग में कूद गए थे सुनील दत्त

मुम्बई। नरगिस सुनील दत्त से काफी सीनियर थी, यही वजह थी कि वह उनकी इज्जत करते थे। सुनील दिल ही दिल में नरगिस को चाहते थे लेकिन कभी किसी से इसकी बात नहीं करते थे। एक दिन जब फिल्म 'मदर इंडिया' की शूटिंग चल रही थी तो सेट पर अचानक आग लग गई। जब मदर इंडिया की सेट पर नरगिस को बचाने के लिए आग में कूद गए थे सुनील दत्तमेहबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' में साथ काम करने वाले सुनील दत्त और नरगिस की लव स्टोरी की शुरुआत यही से हुई। बॉलीवुड में यूं तो कई लव स्टोरी हैं जिनके बारे में समय-समय पर हम आपको बताते ही रहते हैं। आज हम जिस लव स्टोरी का जिक्र करने जा रहे हैं उसे बॉलीवुड की अब तक की सबसे

बेहतरीन लव स्टोरी कहना गलत नहीं होगा। जी हां, हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के दो सुपरस्टार्स नरगिस और सुनील दत्त की। मेहबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' में साथ काम करने वाले सुनील दत्त और नरगिस की लव स्टोरी की शुरुआत यही से हुई। नरगिस सुनील दत्त से काफी सीनियर थी, यही वजह थी कि वह उनकी इज्जत करते थे। सुनील दिल ही दिल में नरगिस को चाहते थे लेकिन कभी किसी से इसकी बात नहीं करते थे। एक दिन जब फिल्म 'मदर इंडिया' की शूटिंग चल रही थी तो सेट पर अचानक आग लग गई। आग को देख सब सेट से भागने लगे, लेकिन नरगिस उस आगे की लपेटे में आ गई। जब सुनील दत्त की नजर नरगिस पर पड़ी तो वह बिना खुद के जान की परवाह किए बगैर आग में कूद गए और नरगिस को वहां से सुरक्षित निकाल लाए। हालांकि आग की चपेट से सुनील खुद नहीं बच पाए और थोड़े से जल गए। सुनील दत्त ने अपनी इस अदा से नरगिस को काफी हद तक प्रभावित किया था। सुनील दत्त ने जीवन के हर कठिन पड़ाव पर नरगिस का साथ दिया। सूत्रों की माने तो जब फिल्म की शूटिंग होती थी तो देर रात तक यह दोनों आपसे में बातें किया करते थे। यहां तक कि जब घर जाना होता तो दोनों एक-दूसरे को लेटर दे देते थे। जब उनकी फिल्म 1957 में रिलीज हुई तो लोगों को काफी पसंद आई। इसके ठीक एक साल बाद 1958 में सुनील और नरगिस ने शादी कर ली। शादी के कुछ समय बाद जब सुनील से नरगिस और राज कपूर के पास्ट के बारे में सवाल पूछा गया था तो उन्होंने कहा - मुझे उनके रिश्ते में रोमांस तो दिखी ही नहीं। मैं सिर्फ इतना ही जानता था कि वो मेरे जीवन में मेरी अर्धांगिनी के रूप में आईं है। मैं उनके अतित को लेकर चिंचित नहीं था।

आचार्य रजनीश पर फिल्म बनाएंगे सुभाष घई कहा-जबलपुर में ओशो के नाम पर बने यूनिवर्सिटी

जबलपुर (मध्यप्रदेश)। मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने मध्य प्रदेश सरकार से दिवंगत आध्यात्मिक गुरु आचार्य रजनीश 'ओशो'की ध्यान विधि पर अध्ययन के लिए जबलपुर में एक अनुसंधान केंद्र खोलने की मांग की। वह जबलपुर में आचार्य रजनीश के जन्मदिवस पर आयोजित बृहस्पतिवार से शुरू तीन दिवसीय 'ओशो अंतरराष्ट्रीय महोत्सव' के अवसर पर यहां तरंग सभागार में मीडिया से चर्चा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मैं मध्य प्रदेश सरकार से अनुरोध करता हूं कि जबलपुर में एक ऐसा बड़ा अनुसंधान केंद्र या संस्थान खोलें, जहां पर आचार्य रजनीश 'ओशो' की ध्यान विधि की शिक्षा लोगों को दी जा सके। फिल्मकार ने कहा कि

जबलपुर ओशो की कर्मभूमि है। यहां उन्होंने आध्यात्म को आत्मसात किया, इसलिए यहां एक शैक्षिक संस्थान होना चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे अपने बच्चों को ओशो के संदेशों से परिचित करवाएं, उनके वक्तव्य सुनाएं और ध्यान के लिए प्रेरित करें, जिससे उनका नजरिया जिंदगी के प्रति बदले और वे अंदर से भी मजबूत और सक्षम बन सकें। मालूम हो कि आचार्य रजनीश के जीवन संदेश को देश-दुनिया में प्रचारित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार उनके जन्मदिवस पर 11 दिसंबर से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ओशो महोत्सव का आयोजन कर रही है। आचार्य रजनीश को ओशो भी कहा जाता है। उन्होंने जबलपुर में अपने जीवन के करीब 21 बरस गुजारे थे।

जितेंद्र करना चाहते थे हेमा मालिनी से शादी कजन ने लगाया था यौन हमले का आरोप

मुम्बई। जितेंद्र को कभी बॉलिवुड का बहुत बड़ा स्टार तो नहीं माना गया मगर उन्होंने अपनी फिल्मों से लोगों के दिलों में खास जगह जरूर बनाई थी। पंजाब के अमृतसर में जन्मे जितेंद्र का असली नाम रवि कपूर है। उन्होंने बॉलिवुड में अपना मुकाम बनाने के लिए बहुत स्ट्रगल किया था। आइए, जानते हैं जितेंद्र की जिंदगी की कुछ अनसुनी बातें। **बिजनसमैन फैमिली के थे जितेंद्र मगर फिल्मों में लगा मनः** जितेंद्र की फैमिली जूलरी का बिजनस करती थी। उस समय पर जितेंद्र की फैमिली बॉलिवुड फिल्मों में जूलरी की सप्लाई भी करती थी। इसी बीच जितेंद्र का मन भी जूलरी के बिजनस से फिल्मों की तरफ चला गया और वक्त के साथ उन्होंने ठान लिया कि वह ऐक्टर ही बनेंगे। **राजेश खन्ना के बचपन के दोस्त थे जितेंद्रः** कम ही लोगों को पता है कि जितेंद्र और राजेश खनन स्कूल में क्लासमेट हुआ करते थे। दोनों ने मुंबई के सेंट सबैस्टियन गोअन हाई स्कूल से पढ़ाई की थी। इसके बाद जितेंद्र ने मुंबई के सिद्धार्थ कॉलेज में पढ़ाई की। राजेश खनन तो बहुत जल्द ही रातोंरात स्टार बन गए थे मगर जितेंद्र ने फिल्म इंडस्ट्री में काफी स्ट्रगल किया था। **पहली फिल्म में हिरोइन के बॉडी डबल बने थे जितेंद्रः** कम ही लोगों को पता है कि जितेंद्र को पहला रोल एक जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर मिला था। तब डायरेक्टर वी शांताराम ने अपनी फिल्म 'नवरंग' में ऐक्ट्रेस संध्या के बॉडी डबल के तौर काम दिया था। **वी शांताराम ने दिया नाम, केवल 100 रुपये मिलती थी तनख्वाह -100-** डायरेक्टर वी शांताराम ने ही जिंतेद्र का नाम रवि कपूर से बदल दिया था। उनकी मेहनत से इंप्रेस होकर वी शांताराम ने अपने यहां जितेंद्र को नौकरी पर रख लिया।

तब जितेंद्र को केवल 100 रुपये तनख्वाह में मिलते थे। **हेमा मालिनी से करना चाहते थे शादी मगर नहीं बनी बातः** एक समय था जब जितेंद्र ने हेमा मालिनी के साथ कई हिट फिल्मों में काम किया था। इसके बाद जितेंद्र हेमा मालिनी से शादी करना चाहते थे। जितेंद्र ने हेमा के लिए अपना रिश्ता भी भिजवाया था जिसके बाद इस शादी को तुड़वाने के लिए जितेंद्र की गर्लफ्रेंड शोभा और धर्मेंद्र हेमा के घर पहुंच गए थे। हेमा मालिनी के मुताबिक अंतिम समय पर उन्होंने ही जितेंद्र से शादी से इनकार कर दिया था। **14 साल की उम्र जितेंद्र की गर्लफ्रेंड थीं शोभाः** कम ही लोगों को पता है कि जितेंद्र अपनी पतनी शोभा कपूर को तब से डेट कर रहे हैं जब वह केवल 14 साल की थीं। इनका रिलेशनशिप काफी लंबा रहा है। शोभा कपूर शादी से पहले ब्रिटिश एयरवेज में एयर होस्टेस का काम भी कर चुकी हैं। जितेंद्र और शोभा की शादी 1974 में हुई थी। **कजन ने लगाया था जितेंद्र पर यौन शोषण का आरोपः** साल 2018 में जितेंद्र पर उनकी एक कजन ने ही चौकाने वाला आरोप लगाया था। उनकी शिमला में रहने वाली एक कजन ने आरोप लगाया था कि 1971 में जितेंद्र ने उनका यौन शोषण किया था। उनका आरोप था कि जब वह केवल 18 साल की थीं तब जितेंद्र ने नशे की हालत में उन पर यौन हमला किया था। हालांकि जितेंद्र ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था।

फिल्मों में मां का रोल निभाकर जीता दर्शकों का दिल, 10 साल तक की थी बैंक में नौकरी

मुम्बई। किस्मत अचानक से करवट लेती है और किसी भी शख्स की जर्नी ऐसी करवट लेती हैं, जिसके बारे में शायद ही उसने कभी सोचा हो। बता दें कि हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड एक्ट्रेस रीमा लागू की। आज ही के दिन यानी की 21 जून का जन्म हुआ था। रीमा लागू ने इंडस्ट्री में आने से पहले करीब 10 साल तक बैंक में नौकरी की थी। रीमा खुद जितनी खूबसूरत थीं, उससे कहीं अधिक उनका दिल खूबसूरत था। जब वह पर्दे पर अभिनय करती थीं, तो ऐसा लगता ही नहीं थी कि वह कोई रोल कर रही हैं। उन्हें मॉर्डन सिनेमा की मां कहा जाता था। आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सिरी के

मौके पर रीमा लागू की जिंदगी से जुड़े कुछ रोचक किस्सों के बारे में...

मुंबई में 21 जून 1958 को जन्मी रीमा लागू ने अपने बचपन में ही एक्टिंग का स्वाद चख लिया था।

उनकी मां मंदाकिनी खदबड़े फेमस मराठी एक्ट्रेस थीं। ऐसे में पढ़ाई करने के दौरान ही रीमा का भी एक्टिंग की तरफ रुझान बढ़ने लगा था। हाईस्कूल करने के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। इस दौरान उन्होंने मराठी सिनेमा से अपने सफर की शुरूआत की थी। मराठी सिनेमा में कई सालों तक अभिनय करने के बाद साल 1980 में रीमा लागू ने फिल्म 'कलयुग' से हिंदी सिनेमा में अपना पहला कदम रखा था। बता दें कि रीमा लागू का असली नाम नयन भड़भड़े था। बता दें कि एक्टिंग शुरू करने से पहले रीमा ने करीब 10 सालों तक बैंक में नौकरी की थी।

अभिनय के दौरान रीमा लागू की मुलाकात फेमस मराठी एक्टर विवेक लागू से हुए। कुछ मुलाकातों के बाद दोनों का प्यार परवान चढ़ने लगा और दोनों शादी के बंधन में बंध गए। जिसके बाद उन्होंने अपना नाम रीमा लागू रख लिया। कुछ सालों तक सब अच्छा चलने के बाद दोनों के बीच मनमुटाव होने लगा। जिसके बाद दोनों ने अपने रास्ते अलग करने का फैसला कर लिया। इनकी एक बेटी मृण्मयी लागू हैं। वह रीमा के साथ ही रहती थीं।

साल 1988 में पहली बाद रीमा लागू ने फिल्म 'कयामत से कयामत तक' में मां का रोल निभाया था। इस फिल्म में वह एक्ट्रेस जूही चावला की मां बनी थीं। इस फिल्म के बाद साल 1989 में आई फिल्म 'मैंने प्यार किया', साल 1991 में फिल्म 'साजन' में मां का रोल निभाया था। इन फिल्मों के जरिए रीमा लागू ने मां के किरदार में अपनी एक अलग पहचान बना ली थी। जिसके बाद यह साबित हो गया था कि रीमा लागू से बेहतर मॉर्डन जमाने की मां का रोल और कोई नहीं अदा कर सकता।

आपको जानकर हैरानी होगी कि अपनी मौत से कुछ घंटों पहले तक रीमा लागू काम कर रही थीं। बता दें कि शूटिंग कर वह अपने घर वापस लौटी। जिसके बाद रात में उनके सीने में तेज दर्द उठा। तबियत बिगड़ने पर एक्ट्रेस को अस्पताल ले जाया गया। जहां पर 18 मई 2017 को रीमा लागू की मौत हो गई।

आशुतोष शर्मा, जन्म से ही सुनने में है असमर्थ

मुम्बई।आशुतोष ने ब्यूटी पेजेंट का ख़िताब जीत कर पूरे गुडगाँव को गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया है। ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन भारत में पहली बार एम अस ब्यूटी पेजेंट द्वारा 28 फरवरी 2021 को दिल्ली ग्लिट्स वेस्टन इन हॉल में किया गया। यह प्रतियोगिता कई चरणों में पूर्ण हुई। मेगा फाइनल में 10 प्रतिभागियों में कड़ी प्रतिस्पर्धा में सब को पछाड़ कर आशुतोष ने यह ख़िताब प्राप्त किया। सब से अचभिंत करने वाली बात यह है कि आशुतोष जन्म से ही सुनने में असमर्थ है लेकिन इन विपरीत परिस्थयों में भी उसने कठिन परिश्रम और अथक प्रयासों से हंसराज कॉलेज, दिल्ली से बी कॉम होनोर्स और आईआईएम लखनऊ से ँ की डिग्री प्राप्त की और इस समय वह इंडसइंड बैंक में एसोसिएट मैनेजर कि पद पर कार्यरत है। उसका विश्वास कि उसको हर परिस्थिति में विजेता बनने में सहायक होता है। आशुतोष जैसी सोच और कभी न हारने कि जिद हमें अपने दैनिक जीवन की कठिनाइयों से न सिर्फ लड़ने की प्रेरणा देती है, अपितु हमारे हर उस डर को, झीझक को, एक आत्मविश्वास के साथ करके देखने और जीतने की भी उम्मीद देती है।

लंबे समय बाद टीवी पर नजर आई दिशा वकानी पर्सनल लाइफ को लेकर की बात, फैंस हुए खुश

मुम्बई। टीवी के पॉपुलर कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में दयाबेन का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई एक्ट्रेस दिशा वकानी लंबे समय से टेलीविजन से दूर हैं। एक्ट्रेस के फैंस उनके शो में वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। इसे लेकर कई बार अफवाहें उड़ चुकी हैं, लेकिन कभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। अब इतने समय बाद दिशा एक चैनल पर नजर आईं, जहां उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात की।

अपनी गर्भावस्था की यात्रा को याद करते हुए, दिशा ने खुलासा किया, 'मुझे बताया गया था कि प्रसव बहुत दर्दनाक हो सकता है, और मैं डर गई थी। मेरे पेरेंटिंग कोर्स के दौरान, किसी ने उल्लेख किया कि प्रसव के दौरान चिल्लाना या चीखना बच्चे को डरा सकता है। तभी मैंने इसके बजाय गायत्री मंत्र का जाप करने का फैसला किया। मैं इसे दोहराती रही क्योंकि मुझे लेबर रूम में ले जाया गया, और मैंने मुस्कुराते हुए अपनी छोटी स्तुति को जन्म दिया। इस दिव्य मंत्र ने मुझे अपार शक्ति दी।'

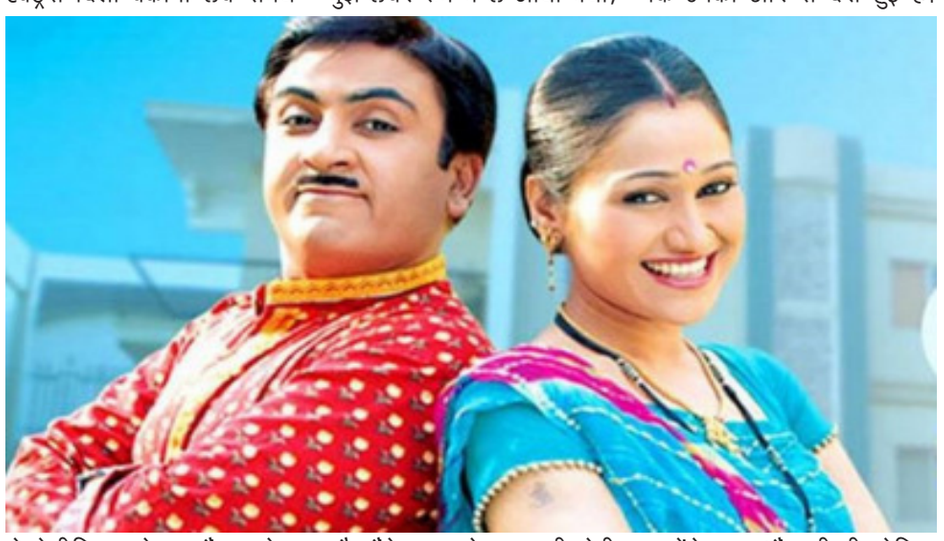

गुजरात के अहमदाबाद में जन्मी दिशा ने 2015 में चार्टर्ड अकाउंटेंट मयूर पाडिया से शादी की। इस जोड़े ने 2017 में अपनी बेटी स्तुति का स्वागत किया, उसके बाद 2022 में उनके बेटे का जन्म हुआ।

इस साल की शुरुआत में, तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता असित मोदी ने एक बड़ा खुलासा किया कि दिशा शो में वापस नहीं आएंगी। न्यूज़18 शोशा से बात करते हुए, असित ने शो से दया की अनुपस्थिति के बारे में बात की और बताया कि प्रतिष्ठित किरदार को वापस लाना महत्वपूर्ण है और स्वीकार किया कि उनकी ओर से देरी हुई है। उन्होंने कहा, 'मैं अभी भी कोशिश कर रहा हूं। मुझे लगता है कि दिशा वापस नहीं आ पाएगी। उसके दो बच्चे हैं। वह मेरी बहन की तरह है। आज भी, उसके परिवार के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। उसने मुझे राखी बांधी है। उसके पिता और भाई भी मेरे लिए परिवार की तरह हैं। आपने 17 साल तक साथ काम किया और एक बड़ा परिवार बनाया।'तारक मेहता का उल्टा चश्मा के अलावा, दया कई फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं, जिनमें जोधा अकबर, मंगल पांडेः द राइजिंग, सी कंपनी और लव स्टोरी 2050 शामिल हैं।

साहिर लुधियानवी की जिंदगी जावेद अख्तर की जुबानी...

नयी दिल्ली। कवि एवं गीतकार जावेद अख्तर ने शनिवार को यहां कहा कि अपनी कविताओं के जरिए सच्चाई बयां करने और सही बात के लिए लड़ते समय अपने उग्र रवैये के लिए जाने जाने वाले साहिर लुधियानवी निजी जिंदगी में बिल्कुल विपरीत थे। अख्तर ने यहां 'जश्न ए रेख्ता' उत्सव में कहा कि वह विरोधाभासी व्यक्तित्व वाले इंसान थे। यदि मैं कहूं कि वह अच्छे व्यक्ति थे, तो उनके बारे में इससे अधिक उबाऊ बात और कोई नहीं हो सकती। जब वह अच्छे होते थे तो उनकी अच्छाई की कोई सीमा नहीं थी और जब वह किसी से गुस्सा होते थे, तो उसकी भी कोई सीमा नहीं होती थी।

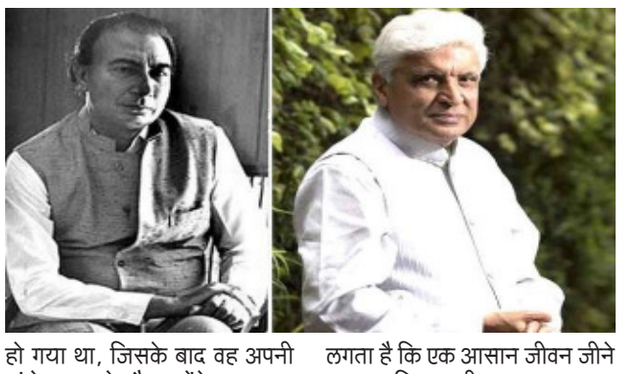

साहिर एक अमीर जमींदार की इकलौती संतान थे। साहिर जब बच्चे थे तभी उनके माता पिता का तलाक

हो गया था, जिसके बाद वह अपनी मां के साथ रहे और उन्होंने एक सफल कवि एवं गीतकार बनने से पहले गरीबी में जीवन बिताया। अख्तर ने कहा कि लुधियानवी ने जीवन में जो कुछ सहा, उसे देखकर यह सोचना गलत होगा कि इतने सफल कवि का जीवन काफी आसान रहा होगा। 74 वर्षीय अख्तर ने कहा, ''क्या आपको लगता है कि एक आसान जीवन जीने वाला व्यक्ति अपनी पुस्तक का नाम 'तल्खियां' रखता? यह संभव नहीं है।''

अख्तर ने बताया कि लुधियानवी का अपनी मां के साथ जो लगाव और रिश्ता था, वैसा मां-बेटा का रिश्ता उन्होंने कहीं नहीं देखा। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक बार लुधियानवी ने अपने घर में आयोजित एक समारोह में राजनीतिक हालात पर टिप्पणी की जिस पर सभी ने सहमति जताई। अख्तर ने कहा, ''लुधियानवी ने सबका शुक्रिया अदा किया और बातचीत के बीच में ही वह घर के दूसरे कोने में अपनी मां के पास गए और उन्हें पूरी घटना बताई कि किस प्रकार अन्य लोगों ने उनके नजरिए की सराहना की। इसके बाद वह वापस आ गए।'' अख्तर ने कहा कि लुधियानवी मंत्रियों को झिड़क सकते थे, निर्देशकों, निर्माताओं एवं संगीतकारों के लड़ सकते थे, लेकिन दूसरी ही तरफ वह छोटी-छोटी बातों के लिए अपनी मां की मंजूरी लेते थे।'' उन्होंने कहा, ''वह केवल एक व्यक्ति नहीं थे, उनके भीतर कई इंसान रहते थे।''

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स
एण्ड
पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।